सूर्योदय 6:38 सूर्यास्त 5:32

आज का तापमान

शिमला	11.5 न्यू	21.5 अधि
धर्मशाला	12.0 न्यू	23.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	75,692.78
निफ्टी	23,440.80

सोना 1,38, 000 चांदी 1,80, 000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 3 नवंबर 2026 | 18 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 188, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

उमर अब्दुल्ला को 25 विधायकों का अल्टीमेटम

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 25 विधायकों ने रविवार को पार्टी नेतृत्व को 14 दिन का अल्टीमेटम दिया है। विधायकों ने मांगें पूरी नहीं होने पर सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी दी है। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ ही वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

अर्थव्यवस्था के बुनियादी स्तंभ मजबूत : वित्त मंत्री

एजेंसी, मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नागरिकों और व्यापारिक नेताओं से देश की आर्थिक वृद्धि के बारे में पूरे विश्वास और आशावाद के साथ बात करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी स्तंभों के कमजोर पड़ने के कोई संकेत नहीं हैं। मुंबई के एकदिवसीय दौरे पर पहुंचीं सीतारमण ने एचएसबीसी के एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पूरी तरह मजबूत है और इसके बुनियादी स्तंभों में किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी या नाजुकता नहीं है। वित्त मंत्री ने देश के नागरिकों, कॉर्पोरेट लीडर्स और विचारकों से अपील की कि वे देश की आर्थिक समृद्धि और वृद्धि के बारे में पूरे आत्मविश्वास और सकारात्मकता के साथ बात करें।

राहुल ने प्रधानमंत्री को विदेशी फंडिंग के मुद्दे पर दी बहस की चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के आंदोलन में विदेशी हाथ होने की बात करने वाले प्रधानमंत्री मोदी से वे इस मुद्दे पर बहस को तैयार हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के भाषण से जुड़ा एक समाचार साझा किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर झूठ बोलना बंद करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं विदेशी सहायता से पद पर पहुंचे हैं। उनकी पार्टी से जुड़े वित्तीय तंत्र को विदेशों से नियंत्रित किया जाता है। राहुल ने कहा, 'मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए।

दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर के खिलाफ पुलिसकर्मियों का प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली। ईस्ट दिल्ली में एक एसीपी और एक इंस्पेक्टर का तबादला किए जाने के विरोध में दिल्ली पुलिस के जवानों ने पुलिस हेडक्वॉर्टर का घेराव किया। पुलिस जवानों का कहना था कि यह कार्रवाई पूरी तरह से अनुचित है और इससे पुलिस का मनोबल गिरता है। सोमवार सुबह दिल्ली पुलिस हेडक्वॉर्टर के गेट नंबर-1 के बाहर 80 पुलिसकर्मी नारेबाजी करने लगे। इससे पुलिस मुख्यालय में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें प्रदर्शन खत्म करने के लिए मनाने की कोशिश करने लगे।

दिल्ली-एनसीआर में दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे

अस्पताल-वृद्धाश्रम जैसे साइलेंस जोन में रोक, सुप्रीम कोर्ट ने दी परमिशन

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी 'नो-क्रैकर जोन' घोषित किया जाए। इनकी उचित मार्किंग की जाए और लोगों को इसकी जानकारी दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले



साल 15 अक्तूबर को दिल्ली-एनसीआर में पटाखे चलाने को लेकर आदेश दिया था। इसमें दो दिन 19 और 20 अक्तूबर को ग्रीन पटाखे फोड़ने की इजाजत दी थी। ग्रीन पटाखे ऐसे पटाखे होते हैं, जिन्हें सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने के लिए बनाया जाता है। इनमें हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे इनके जलने पर कम धुआं और कम हानिकारक गैसें निकलती हैं।

देश में वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें

मामले में कोर्ट की सहायता कर रहीं एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ वकील उत्तरा बब्बर ने वायु प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान और दिल्ली-एनसीआर में पटाखे जलाने के खतरों के बारे में बताया था। उन्होंने स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि भारत में मौतों के प्रमुख कारणों में वायु प्रदूषण सबसे आगे है। इसके कारण देश में 20.1 लाख से ज्यादा मौतें हुईं। इनमें से 21% मौतें पांच साल से कम उम्र के बच्चों की थीं।

फ्लाइट टिकट 700% बढ़ाने के दावे वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बढ़ते हवाई किराए को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

◆ कहा- फ्लाइट से यात्रा मत करिए

याचिकाकर्ता के 700% तक किराया बढ़ने के दावे पर कोर्ट ने कहा, 'आप हवाई यात्रा मत करिए। आगे बढ़िए।' जस्टिस जे. विक्रम नाथ की बेंच के सामने वकील ने दलील दी कि विमान का किराया 700% तक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा जरूरी सेवा है और किराए में इतनी ज्यादा बढ़ोतरी संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। हालांकि, कोर्ट ने इन दलीलों पर सुनवाई नहीं की और याचिका खारिज कर दी।

एक्टर इमरान खान ने बॉम्बे हाईकोर्ट से मांगी माफी कहा- प्रदर्शन में नहीं जाऊंगा

एजेंसी, मुंबई। एक्टर इमरान खान ने 'एसआईआर' विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से कहा है कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे।

बॉम्बे हाईकोर्ट इमरान को मिलने लीव इंडिया नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने उनसे बिना शर्त माफी और अंडरटेकिंग देने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत की याद दिलाई और निर्देश दिया कि इमरान को उनके खिलाफ जारी 'लीव इंडिया नोटिस' का जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। तब तक उनके खिलाफ जारी 'लीव इंडिया' (भारत छोड़ो) नोटिस पर रोक रहेगी। एक्टर इमरान खान 42 साल से भारत में रह रहे हैं, लेकिन उनके पास अमेरिका की नागरिकता है, 2006 से आसीआई कार्ड होल्डर हैं।

राजस्थान में सड़क बनाते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई मशीन, 8 की मौत



◆ 15-15 लाख मुआवजा और संविदा पर नौकरी देने पर सहमति

एजेंसी, उदयपुरवाटी। राजस्थान के झुंझुनूं में सोमवार को सड़क बना रहे 8 मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई व 5 अन्य झुलस गए। हादसा उदयपुरवाटी के छापोली गांव में सुबह 10 बजे हुआ।

उदयपुरवाटी एसएचओ रामपाल ने बताया- हादसा छापोली-कदंब कुंड मार्ग पर सीकर-नीमकाथाना स्टेट हाईवे से करीब 150 मीटर दूर हुआ। घटना के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया। 7 घंटे बाद शाम 5 बजे मुआवजा और संविदा पर नौकरी के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया रोड़ी-बजरी मिलाने के काम में आने वाली मशीन ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। इससे उसमें करंट फैल गया। वहां काम कर रहे मजदूर करंट की चपेट में आ गए। हाईवोल्टेज लाइन का तार रोड़ी-बजरी (कंक्रीट) मिक्सर मशीन के हाइड्रोलिक जैक से टच हुआ था। मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा- मृतकों के आश्रितों को अलग-अलग योजनाओं में 15 लाख मुआवजा और एक-एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने पर सहमति बनी है। विकास अधिकारी और तहसीलदार को राजस्थान और केंद्र सरकार की योजनाओं में लाभ देने के लिए कहा है। वन विभाग की जमीन पर बन रहे इस रास्ते को लेकर झुंझुनूं के डीएफओ को निर्देश दिए है कि संबंधित जनप्रतिनिधि से संपर्क कर रास्ते के डायवर्जन के प्रस्ताव को पोर्टल पर अपलोड करें।

बातचीत के बाद परिजन शव लेने को तैयार हो गए और धरना खत्म कर दिया। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। इसके साथ ही उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ित के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

चुनौतियों के बावजूद भारत की मजबूत ग्रोथ : मोदी

कोविड हो या पश्चिम एशिया संकट, 140 भारतीयों ने देश को संकट से निकाला

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 का इनॉगरेशन किया। उन्होंने कहा कि इस साल दुनिया में एनर्जी शॉक की ही चर्चा हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ सालों में ग्लोबल इकोनॉमी ने ऐसे संकटों का सामना किया है, जो पहले कभी नहीं हुए। कोविड-19 से लेकर पश्चिम एशिया के संकट तक दुनिया को एक के बाद एक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। मुझे गर्व है कि 140 करोड़ भारतीयों ने देश को इन मुश्किल समय से निकलने में मदद की है। कई चुनौतियों के बावजूद भारत ने एक मजबूत ग्रोथ ट्रैक बनाए



रखा। अगर हमने पिछले दशक में क्लीन एनर्जी में इन्वेस्ट नहीं किया होता और नए सिस्टम नहीं बनाए होते तो हमारी इकोनॉमी पर इन संकटों का असर कहीं ज्यादा गंभीर होता।

पीएम ने कहा कि हमने फरवरी 2024 में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की, इसके तहत एक करोड़ घरों में रूफ टॉप सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है। पिछले 24-25 महीनों में ही 65 लाख से ज्यादा घर अभियान से जुड़ चुके हैं। हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि ज्यादा से ज्यादा गांवों में खाली जमीन पर किसान सोलर पैनल लगाए। सौर क्रांति का ये नया दौर सिर्फ अपनाने का नहीं है। ये इनोवेशन पर भी निर्भर है।

वीबी-जी राम जी योजना में शिकायतों की जांच 7 दिन निपटारा 15 दिन में होगा

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत वीबी-जी राम जी शिकायत निवारण नियम 2026 अधिसूचित किए हैं। इन नियमों के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित, बहुस्तरीय और समयबद्ध व्यवस्था स्थापित की गई है। इसके तहत शिकायतों की जांच 7 दिनों में और निपटारा 15 दिनों के भीतर करना होगा। इनका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को अधिक सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है, ताकि नागरिकों की समस्याओं पर समय रहते ध्यान दिया जा सके और उचित कार्रवाई सुनिश्चित हो। इन नियमों के तहत राज्य सरकारों द्वारा ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर समयबद्ध, बहुस्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था स्थापित की जाएगी।

भाजपा पांच गुटों में बंटी, इसलिए असम के सीएम को हिमाचल लाना पड़ा : मुख्यमंत्री सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा के 16 विधायकों के आगामी चुनाव में हारने का दावा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के 16 विधायक अभी ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि वे दोबारा चुनाव जीत सकें। उन्होंने दावा किया कि भाजपा पांच गुटों में बंटी हुई है और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को पिछली बार से भी कम सीटें मिलेंगी। सीएम ने कहा कि उनके इस दावे को विश्वास के साथ लिया जाए। चुनाव परिणाम आने के बाद वह इस बारे में दोबारा सवाल करेंगे।सीएम ने भाजपा की ओर से कांग्रेस सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों पर पलटवार करते हुए

आरडीजी बंद होने व हजारों करोड़ की कटौती के बावजूद प्रदेश की अर्थव्यवस्था संभाली



मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन के माध्यम से हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश की है। केंद्र से मिलने वाली राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) की राशि बंद होने के बावजूद सरकार आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है। सीएम ने कहा कि करीब 8 से 10 हजार करोड़ रुपए की कटौती के बावजूद सरकार ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति को संभाला है। उन्होंने इसे परिवार के बजट से जोड़ते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति की 50 हजार या एक लाख रुपए मासिक आय में से 15 से 20 हजार रुपए काट दिए जाएं, तो परिवार का बजट संतुलित करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार भी एक परिवार की तरह होती है और प्रदेश को चलाने के लिए आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

◆ भाजपा के 16 विधायक दोबारा नहीं जीतेंगे चुनाव

कहा कि भाजपा की अंदरूनी स्थिति ऐसी है कि उसे अपने पांच गुटों को एकजुट करने की जरूरत पड़ रही है। इसी कारण असम के मुख्यमंत्री को भी हिमाचल में लाया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा को चुनाव में अपनी स्थिति का अंदाजा हो गया है।

पंजाब में आप छोड़ने वाले 3 विधायक भाजपा में शामिल



एजेंसी, अमृतसर। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के 3 विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं।

भाजपा ज्वॉइन करने के बाद विधायक कुंवर ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर सरकार का हिस्सा बन गए हैं। फिरौती की इंडस्ट्री चल रही है। इन तीनों विधायकों ने पिछले 2 दिनों में आप से इस्तीफा दिया। रविवार को जौड़ामाजरा और पठानमाजरा के इस्तीफे के बाद सोमवार को कुंवर ने भी पार्टी छोड़ दी। कुंवर और पठानमाजरा ने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। कुंवर को जून 2025 में आप ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 5 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

◆ बोले- पंजाब में फिरौती इंडस्ट्री बनी, गैंगस्टर सरकार में

नौसेना को मिलेंगे 8 नए युद्धपोत

मिसाइल और सेंसर सिस्टम से लैस होंगे; दो भारतीय कंपनियां बनाएंगी

एजेंसी, नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 8 नए युद्धपोत बनाने के लिए 53,866.50 करोड़ के समझौते पर साइन किए हैं। ये नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट यानी नई पीढ़ी के युद्धपोत होंगे।

इनमें आधुनिक मिसाइल, हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए जाएंगे। इन युद्धपोतों को बनाने की जिम्मेदारी दो भारतीय कंपनियों को दी गई है। इनमें कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड पांच और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड तीन युद्धपोत बनाएगी। सोमवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस समझौते पर साइन किए गए। नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट में आधुनिक मिसाइल, हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए जाएंगे। इनकी मदद से नौसेना हवा, समुद्र की सतह और पानी के नीचे से आने वाले खतरों का मुकाबला कर सकेगी। इन जहाजों का इस्तेमाल समुद्री व्यापार के रास्तों की सुरक्षा, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों के खिलाफ कार्रवाई और तटीय सुरक्षा के लिए किया जाएगा। ये समुद्र के किनारे सैन्य अभियान चलाने और निगरानी रखने में भी मदद करेंगे।



भारत में बने सामान व तकनीक का होगा इस्तेमाल

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन युद्धपोतों में 70% से ज्यादा सामान भारत में बनाया जाएगा। इनका डिजाइन भी भारतीय नौसेना तैयार करेगी। युद्धपोतों को 2030 तक नौसेना को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। यह प्रोजेक्ट सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान का हिस्सा है। इससे देश में युद्धपोत बनाने के काम को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, रक्षा क्षेत्र में दूसरे देशों पर निर्भरता कम करने और भारतीय कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अमेरिका : फ्लोरिडा में विमान क्रैश, 9 की मौत; सड़क पर आग का गोला बना जेट



◆ हादसे से पहले पायलट की चेतावनी- विमान तेजी से नीचे गिर रहा, अब वक्त नहीं बचा

एजेंसी, फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। एएफपी के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था।

हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रंप के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फुट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी।

आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : सीएम योगी आदित्यनाथ



एजेंसी, गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया।

लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) पोर्टल पर गलत रिपोर्ट लगाए जाने की शिकायत प्रस्तुत करने पर मुख्यमंत्री की भृकुटि तन गई। इसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान देकर समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराया जाए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं व अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। सीएम ने समस्या सुनते हुए लोगों को भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जबरन जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

लक्ष्य मुख्यमंत्री ने देवभूमि परिवार पोर्टल और 'विकसित उत्तराखंड विजन-2047' का किया विमोचन

2047 तक 28 लाख करोड़ होगी उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था: धामी

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने वर्ष 2047 तक राज्य को विकसित बनाने के लिए लंबी अवधि का रोडमैप तैयार किया है।

इसके तहत प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 28 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने और प्रति व्यक्ति आय 20 लाख रुपए करने का लक्ष्य रखा गया है। विकास के इस रोडमैप में करीब 440 संकेतकों के आधार पर अलग-अलग क्षेत्रों के लक्ष्य तय किए गए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में 'विकसित उत्तराखंड विजन-2047' का विमोचन किया। सरकार का दावा है कि इससे पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना आसान होगा। साथ ही नागरिकों को अलग-अलग योजनाओं के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने और विभागों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार की सफलता का पैमाना केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है। विकसित उत्तराखंड विजन-2047 में अर्थव्यवस्था और रोजगार को लेकर बड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। प्रमुख सचिव नियोजन डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम ने बताया कि वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को करीब 28 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य है। वहीं, प्रति व्यक्ति आय 20 लाख रुपए करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा बेरोजगारी दर को घटाकर 3.5 प्रतिशत और बहुआयामी गरीबी को 0.61 प्रतिशत तक लाने की योजना है। ऊर्जा क्षेत्र में राज्य की स्थापित क्षमता को 22 हजार मेगावाट और वन आच्छादन को 46.6 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य भी विजन में शामिल है।



परिवार आईडी से विभागों के चक्कर लगाने से मिलेगी राहत

देवभूमि परिवार पोर्टल के जरिए राज्य के परिवारों और उनके सदस्यों का डेटा एक जगह उपलब्ध होगा। इससे सरकार को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि कौन-सा परिवार किस सरकारी योजना के लिए पात्र है। पोर्टल के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान, योजनाओं की निगरानी और विभागों के बीच समन्वय बेहतर किया जा सकेगा। इसके प्रभावी संचालन के लिए राज्य स्तर पर देवभूमि परिवार प्राधिकरण और जिला स्तर पर जिला देवभूमि परिवार अधिकारी की व्यवस्था प्रस्तावित है। पोर्टल के जरिए बजट और सरकारी संसाधनों की बेहतर प्लानिंग भी की जा सकेगी।

विजन दस्तावेज में केवल 2047 का लक्ष्य तय नहीं किया गया है, बल्कि 2030, 2035, 2040, 2047 और 2050 के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। कृषि, पर्यटन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और पर्यावरण संरक्षण को विकास की प्राथमिकता में रखा गया है। सभी विभागों को इन लक्ष्यों के अनुरूप कार्ययोजना बनानी होगी। इसके साथ ही नियमित समीक्षा के जरिए प्रगति का आकलन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था डेढ़ गुना से अधिक बढ़ चुकी है। पिछले एक साल में प्रदेश की जीएसडीपी में 7.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

दिल्ली में कांग्रेस की रैली के लिए सरकारी हेलीकॉप्टर और 200 एचआरटीसी बसों का दुरुपयोग : रणधीर शर्मा

हिमाचल भवन के इस्तेमाल पर भाजपा नेता ने सरकार से मांगा जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं विधायक रणधीर शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के राजनीतिक आंदोलनों के लिए हिमाचल प्रदेश की सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले से आर्थिक संकट झेल रहे प्रदेश पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है।



रणधीर शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू बार-बार सरकारी हेलीकॉप्टर से दिल्ली जाकर कांग्रेस के धरनों और रैलियों में भाग लेते हैं। उन्होंने दावा किया कि इन यात्राओं पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस के राजनीतिक कार्यक्रमों का खर्च हिमाचल की जनता क्यों उठाए? उन्होंने कहा कि एक नवंबर को दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की रैली के लिए हिमाचल से एचआरटीसी की करीब 200 बसें भेजी गईं। इनमें से कई बसें आधी खाली थीं। उनके अनुसार, इसके चलते पिछले तीन दिनों से लगभग 200 बस रूट प्रभावित रहे। इससे यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इन बसों के इस्तेमाल के बदले परिवहन निगम को किराया भी नहीं दिया। शर्मा ने सरकार से पूछा कि कितनी बसें दिल्ली भेजी गईं, कितने रूट प्रभावित हुए और कुल कितना किराया बनता है। उन्होंने एचआरटीसी को किए गए भुगतान का ब्योरा भी सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली स्थित हिमाचल भवन और हिमाचल सदन को कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए कमरे बुक किए जा रहे हैं तथा आंदोलन से जुड़ी बैठकें सरकारी परिसरों में हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अतिथि गृह किसी राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं हैं।

इनके उपयोग, बुकिंग और भुगतान का पूरा विवरण जनता के सामने रखा जाना चाहिए। रणधीर शर्मा ने एसआईआर, ईवीएम और कथित वोट चोरी के मुद्दों पर विपक्ष के रुख पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी शिकायतें प्रमाणों के साथ संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष रखी जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पदयात्राओं, प्रेस वार्ताओं, प्रबुद्धजन संगोष्ठियों और युवा संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचाएगी। उन्होंने सरकारी हेलीकॉप्टर यात्राओं, एचआरटीसी बसों और हिमाचल भवन तथा सदन के कथित राजनीतिक उपयोग की निष्पक्ष जांच की मांग की।

सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर भाजपा प्रदेशभर में खोलेगी मोर्चा

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को जनता के सामने तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए, क्योंकि सरकारी धन का इस्तेमाल किसी भी राजनीतिक दल के प्रचार या शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं किया जा सकता। सरकारी संसाधनों पर पहला अधिकार प्रदेश के नागरिकों का है। यदि किसी राजनीतिक कार्यक्रम के लिए सरकारी सुविधाओं का उपयोग किया गया है तो उसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। रणधीर शर्मा ने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को प्रदेशभर में उठाएगी और जनता को बताएगी कि किस तरह सरकारी मशीनरी का कथित तौर पर राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि हेलीकॉप्टर यात्राओं, बसों के संचालन और सरकारी भवनों की बुकिंग से संबंधित सभी रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाएं। साथ ही इन मामलों की स्वतंत्र जांच करवाकर जिम्मेदारी तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने चमियाना अस्पताल का किया दौरा

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों का दौरा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को शिमला के चमियाना स्थित अटल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थान से जुड़े सभी कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं, ताकि यहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने संस्थान के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।



उन्होंने विभागों में उपलब्ध सुविधाओं, मरीजों को दी जा रही सेवाओं और संस्थान की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति के बारे में भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना आवश्यक है। इसके लिए विकास कार्यों में गुणवत्ता और व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य और उपचार के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने नर्सिंग स्टाफ से भी संवाद किया और अस्पताल में मरीजों की देखभाल से संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। उन्होंने अस्पताल के कर्मचारियों से बातचीत के दौरान मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाने के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री का यह दौरा संस्थान में चल रहे विकास कार्यों और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह, अटल मेडिकल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान चमियाना के प्रधानाचार्य डॉ. बृज शर्मा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने संस्थान के अधिकारियों से अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और मरीजों को बेहतर उपचार देने की व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। ऐसे संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

शिमला में ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल को ही मिलेगी अनुमति

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला में दीपावली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नववर्ष के अवसर पर पटाखों की बिक्री एवं इस्तेमाल के लिए प्रशासन ने समय निर्धारित कर दिया है। उपायुक्त एवं जिला दण्डाधिकारी अनुपम कश्यप ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और प्रदेश सरकार के पर्यावरण विभाग के निर्देशों के तहत इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार जिले में केवल हरित पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति होगी। दीपावली पर 8 नवंबर को रात 8 से 10 बजे तक पटाखे जलाए जा सकेंगे। गुरुपर्व पर 24 नवंबर को सुबह 4 से 5 बजे और रात 9 से 10 बजे तक आतिशबाजी की अनुमति रहेगी। क्रिसमस ईव पर 25 और 26 दिसंबर को रात 11:55 से 12:30 बजे तक तथा नववर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर और 1 जनवरी को भी इसी समय पटाखे जलाए जा सकेंगे। निर्धारित समय और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 15 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई होगी। उपायुक्त ने पुलिस और सभी उपमंडलाधिकारियों को आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

शिमला पुलिस की कार्रवाई, इस वर्ष पीआईटी एनडीपीएस के तहत 43 नशा तस्कर निरुद्ध

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए शिमला पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। अब पुलिस नशा तस्करों की गिरफ्तारी के साथ आदतन तस्करों के खिलाफ निवारक कार्रवाई भी कर रही है। इसी कड़ी में पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम, 1988 के तहत इस वर्ष अब तक 43 नशा तस्करों को निरुद्ध किया जा चुका है।



ताजा मामले में पुलिस थाना संजौली की टीम ने ठियोग तहसील के मधान गांव निवासी सौरभ को निरुद्ध किया है। पुलिस के अनुसार, दो नवंबर 2026 को पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम की धारा 3(1) के तहत जारी निरोध आदेश के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत पहले से दो मामले दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, वर्ष 2023 में पुलिस थाना ढली में दर्ज अभियोग संख्या 153/2023 में आरोपी के कब्जे से 7.60 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई थी।

इसके बाद वर्ष 2026 में पुलिस थाना संजौली में दर्ज अभियोग संख्या 35/2026 में 8.780 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की गतिविधियों से संबंधित खुफिया सूचनाओं और रिपोर्टों के आधार पर उसे निरुद्ध करने का प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी को भेजा गया था। निरोध आदेश मिलने के बाद एक नवंबर को आरोपी को हिरासत में लिया गया। आदेश के अनुसार उसे मॉडल सेंट्रल जेल, कंडा भेजा जा रहा है।

शिमला पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक 43 नशा तस्करों को पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत निरुद्ध किया गया है। वहीं, वर्ष 2025 में इस अधिनियम के तहत तीन लोगों को निरुद्ध किया गया था, जबकि वर्ष 2024 में एक भी व्यक्ति के खिलाफ ऐसी कार्रवाई नहीं हुई थी। पुलिस का कहना है कि नशा तस्करी के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आदतन तस्करों के खिलाफ निवारक कार्रवाई जारी रहेगी। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों को नशे के अवैध कारोबार से दूर रखना और क्षेत्र में नशे की आपूर्ति रोकना है।

औद्योगिक श्रमिकों को अब तक नहीं मिला बढ़ा वेतन, मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय मजदूर संघ हिमाचल प्रदेश के प्रदेश महामंत्री यशपाल हेटा ने प्रदेश सरकार पर श्रमिकों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार की कथित लापरवाही के कारण प्रदेश के उद्योगों में काम करने वाले लाखों श्रमिकों की दिवाली फीकी रहने वाली है। सरकार ने करीब 10 महीने पहले श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में 25 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा की थी, लेकिन अब तक इसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई है। हेटा ने कहा कि 25 रुपये की यह बढ़ोतरी भले ही छोटी राशि हो, लेकिन श्रमिकों के लिए इसका महत्व है। यह राशि उद्योगपतियों को देनी है और इससे सरकार के खजाने पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। इसके बावजूद अधिसूचना जारी करने में इतनी देरी समझ से परे है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार पर इसका कोई वित्तीय भार नहीं है, तो फिर 10 महीने से यह मामला क्यों लटका हुआ है। क्या सरकार उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाना चाहती है? उन्होंने कहा कि श्रमिक रोजाना फैक्ट्रियों में मेहनत कर उत्पादन में योगदान देते हैं, लेकिन उन्हें घोषित वेतन वृद्धि का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है।

◆दस महीने से लंबित 25 रुपये वेतन वृद्धि पर भारतीय मजदूर संघ ने जताई नाराजगी

क्रिप्टोकरेंसी निवेश के नाम पर 500 करोड़ की ठगी, शिमला ईडी ने चंडीगढ़-मोहाली में मारे छापे

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश और पंजाब के हजारों निवेशकों से क्रिप्टोकरेंसी में ऊंचे मुनाफे का लालच देकर करीब 500 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई तेज कर दी है। ईडी के शिमला सब-जोनल कार्यालय की टीम ने चंडीगढ़, मोहाली और जीरकपुर में कई ठिकानों पर छापेमारी कर 72 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। इस दौरान मुख्य आरोपी सुभाष शर्मा के करीबी सहयोगी अतुल सूद को गिरफ्तार किया गया। उसे शिमला की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जहां से पांच नवंबर तक ईडी हिरासत में भेज दिया गया।



ईडी के प्रवक्ता के अनुसार छापेमारी में संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और बैंक खातों के रिकॉर्ड भी जब्त किए गए हैं। जांच में सामने आया कि अतुल सूद सुभाष शर्मा का करीबी सहयोगी था। वह दुबई जाकर उससे मिला था और उसके लिए सम्मेलन तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित करने में शामिल रहा।

ईडी ने पीएमएलए, 2002 की धारा 17(1) के तहत कार्रवाई की है। ईडी की जांच हिमाचल और पंजाब पुलिस की एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। जांच के मुताबिक आरोपियों ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोरवियो कॉइन (केआरओ) के नाम पर मल्टी लेवल मार्केटिंग योजना चलाई। इसमें निवेशकों को ऊंचे और निश्चित रिटर्न का भरोसा दिया गया। योजना पोंजी मॉडल पर आधारित थी, जिसमें नए निवेशकों से जुटाई गई रकम पुराने निवेशकों को भुगतान करने में इस्तेमाल होती थी। डिजिटल रिकॉर्ड के अनुसार 2.48 लाख से अधिक यूजर इस योजना से प्रभावित हुए। इसमें 219 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के लेनदेन हुए और करीब 500 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है।

जांच में पता चला कि निवेशकों से अधिकांश रकम नकद जुटाई जाती थी। अलग-अलग टीम प्रमुखों के माध्यम से यह पैसा सुभाष शर्मा और उसके सहयोगियों तक पहुंचाया जाता था। इसमें विजय कुमार जुनेजा और मासूम जुनेजा के नाम भी सामने आए हैं। ईडी के अनुसार रकम का एक हिस्सा अचल संपत्तियां खरीदने में लगाया गया। संपत्तियों के वास्तविक सौदे और सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कीमतों में अंतर पाया गया। कुछ धन फर्जी कंपनियों, बैंक खातों और बिचौलियों के जरिए भेजकर क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया।

हिमाचल पुलिस ने शुरू की स्कूल कनेक्ट पहल

डीजीपी अशोक तिवारी ने 27 स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ की बैठक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने बच्चों के संरक्षण, स्कूल परिसरों की सुरक्षा और पुलिस, शिक्षण संस्थानों व अभिभावकों के बीच समन्वय मजबूत करने के लिए 'स्कूल कनेक्ट-स्कूल सुरक्षा एवं विद्यार्थी संरक्षण पहल' शुरू की है। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के दिशा-निर्देशों के अनुरूप शुरू की गई इस पहल के तहत पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने पुलिस मुख्यालय शिमला में 27 स्कूलों के प्रधानाचार्यों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।



स्कूल सुरक्षा को लेकर 27 प्रधानाचार्यों के साथ बैठक।

डीजीपी ने कहा कि पहल का उद्देश्य निवारक पुलिसिंग को स्कूलों तक पहुंचाना और बच्चों को सुरक्षा संबंधी खतरों से बचाना है। बैठक में स्कूलों के प्रवेश व निकास द्वारों पर सीसीटीवी निगरानी, आगंतुकों का सत्यापन, प्रवेश नियंत्रण, कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन और नियमित सुरक्षा ऑडिट पर चर्चा हुई। अपहरण, यौन शोषण, बुलिंग और उत्पीड़न रोकने के साथ पॉक्सो अधिनियम के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। स्कूलों को साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग, सेक्सटॉर्शन और डीपफेक जैसे खतरों से सतर्क रहने को कहा गया। विद्यार्थियों को नशे से बचाने के लिए एंटी-चिट्टा जन आंदोलन में भागीदारी का आह्वान किया गया। परिवहन सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, सुरक्षित निकासी और आपातकालीन सहायता नंबर 112 के प्रति जागरूकता पर भी चर्चा हुई। डीजीपी ने स्कूल सुरक्षा समितियां बनाने और स्थानीय पुलिस के साथ नियमित संवाद बनाए रखने पर बल दिया।

बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूलों में सतर्कता जरूरी

डीजीपी अशोक तिवारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा पुलिस और शिक्षण संस्थानों की साझा जिम्मेदारी है। स्कूल प्रबंधन को सीसीटीवी कैमरों की उचित व्यवस्था, प्रभावी निगरानी और कर्मचारियों के सत्यापन को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी जानी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि 'स्कूल कनेक्ट' पहल का मकसद केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जागरूकता और सतर्कता के माध्यम से संभावित खतरों की पहले ही पहचान करना है। इसके लिए पुलिस, स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों के बीच नियमित संवाद जरूरी है।

शिमला में पांच नवंबर को कैंपस इंटरव्यू, दस पदों पर होगी भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला रोजगार कार्यालय शिमला की ओर से निजी क्षेत्र में रोजगार के इच्छुक युवाओं के लिए पांच नवंबर को कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी प्रवीन नगराईक ने बताया कि एम/एस हिमानी गोयल, गोविल निवास, टॉप फ्लोर, हिमलैंड होटल के सामने, शिमला में विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार होंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी में सेल्स एग्जीक्यूटिव, ऑपरेशन एग्जीक्यूटिव और कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव के कुल 10 पद भरे जाएंगे। इन पदों के लिए किसी भी विषय में स्नातक 18 से 35 वर्ष आयु के महिला और पुरुष उम्मीदवार पात्र होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को 14 हजार से 15 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा।

राज्यस्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में माया स्कूल की छात्राओं ने शास्त्रीय संगीत में मारी बाजी

भारतेन्दु संवाददाता, चौपाल। चौपाल में आयोजित अंडर-14 राज्यस्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में जिला शिमला का प्रतिनिधित्व कर रहे माया पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सुन्नी की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने अपनी संगीत प्रतिभा के दम पर विद्यालय और जिला शिमला का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में स्कूल की टीम ने क्लासिकल वोकल सोलो श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि में दिव्या, किशिता और यशिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दिव्या ने राग यमन की मनमोहक प्रस्तुति देकर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।



वहीं, किशिता ने हारमोनियम और यशिका ने तबले पर शानदार संगत की। तीनों छात्राओं के बेहतर तालमेल और सामूहिक प्रयास से प्रस्तुति प्रभावशाली बनी और टीम को प्रतियोगिता में पहला स्थान मिला। इसी प्रतियोगिता में विद्यालय की एक अन्य छात्रा कंचन ने वोकल फोक सोलो श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस तरह छात्राओं ने दो अलग-अलग संगीत श्रेणियों में विद्यालय को गौरवान्वित किया। छात्राओं की इस सफलता से विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल है। उनकी उपलब्धि को कड़ी मेहनत, संगीत के प्रति लगन और अध्यापकों के मार्गदर्शन का परिणाम माना जा रहा है। विद्यालय के संस्थापक एवं प्राचार्य डॉ. हरीश शर्मा ने विजेता छात्राओं, उनके अभिभावकों और संगीत अध्यापकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से विद्यालय के साथ पूरे जिला शिमला का मान बढ़ाया है।

उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी अपनी रुचि और प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित करती हैं। विद्यालय परिवार ने भी सभी विजेता छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। प्रबंधन ने उम्मीद जताई कि छात्राएं भविष्य में भी इसी तरह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर नई उपलब्धियां हासिल करेंगी। प्रतियोगिता में मिली इस सफलता से छात्राओं का उत्साह बढ़ा है और विद्यालय में संगीत गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

आरोप कौशल मूंगटा ने हिमंत सरमा के बयान और भाजपा के राजनीतिक आचरण पर उठाए सवाल

गौमांस की पैरवी करने वाले सरमा का भाजपा ने देवभूमि में किया स्वागत : कौशल मूंगटा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता कौशल मूंगटा ने भाजपा की 'अराजकता हटाओ' पदयात्रा और इसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की भागीदारी पर सवाल उठाए। शिमला स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने भाजपा पर धार्मिक मुद्दों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।



मूंगटा ने कहा कि भाजपा खुद को सनातन संस्कृति और गौ संरक्षण का पैरोकार बताती है, लेकिन हिमंत बिस्वा सरमा का देवभूमि में स्वागत कर रही है। उन्होंने सरमा के आठ अप्रैल 2026 के बयान का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने गौमांस खाने पर रोक नहीं लगाने, लेकिन इसे घर के भीतर खाने की बात कही थी। मूंगटा ने पूछा कि भाजपा नेताओं के लिए गौ संरक्षण और धार्मिक आस्था के मुद्दे सिद्धांत हैं या केवल राजनीतिक भाषणों तक सीमित हैं। मूंगटा ने घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा से केंद्र सरकार के कार्यकाल का हिसाब मांगा। उन्होंने गृह मंत्रालय के वर्ष 2018 के राज्यसभा जवाब का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2013 में 5,234 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा गया था, जबकि 2015 में यह संख्या 474, 2016 में 308 और 2017 में 51 रही। उन्होंने असम की बकाया देनदारियों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2019-20 में यह राशि 72,256 करोड़ रुपये थी, जो मार्च 2025 तक बढ़कर 1,61,761 करोड़ रुपये हो गई। उन्होंने जयराम ठाकुर सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक और कोरोना काल के कथित घोटालों का भी जिक्र किया।

मूंगटा ने कहा कि एक नवंबर की रैली में विरोध ईवीएम नहीं, बल्कि एसआईआर को लेकर था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मतदाता सूची से नाम गायब होने संबंधी दावों और पश्चिम बंगाल में नाम हटाए जाने के बाद अपीलों के आंकड़ों का हवाला दिया। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता सूची में पारदर्शिता और पात्र नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही कहा कि भाजपा को दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपने शासन और नेताओं के बयानों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सत्ता से सवाल पूछना है और भाजपा को भी अपने दावों पर जवाब देना चाहिए।

धार्मिक मुद्दों पर भाजपा को घेरा असम के कर्ज का मांगा हिसाब

मूंगटा ने कहा कि भाजपा नेताओं को धार्मिक मुद्दों पर अपनी कथनी और करनी में समानता रखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए हिंदुत्व और गौ संरक्षण जैसे विषयों को उठाती है, जबकि उसके नेताओं का आचरण इन दावों से मेल नहीं खाता। उन्होंने हिमंत बिस्वा सरमा के बयान का हवाला देते हुए भाजपा से अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा। कांग्रेस प्रवक्ता ने असम में बढ़ते कर्ज का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को दूसरे राज्यों की सरकारों पर सवाल उठाने से पहले अपने शासन का वित्तीय हिसाब देना चाहिए। उन्होंने हिमाचल में जयराम ठाकुर सरकार के कार्यकाल में हुए पेपर लीक और कोरोना काल के कथित घोटालों का भी उल्लेख किया। एसआईआर के मुद्दे पर मूंगटा ने कहा कि मतदाता सूची में बदलाव के दौरान किसी भी पात्र नागरिक का नाम उचित प्रक्रिया और सुनवाई के बिना नहीं हटाया जाना चाहिए।

दिल्ली रैली से भाजपा की उल्टी गिनती शुरू: विनय कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने दिल्ली में इंडिया गठबंधन की महारैली को सफल बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पदयात्रा के जरिए वोट चोरी के मुद्दे से ध्यान भटका रही है। उन्होंने एसआईआर के तहत 13 करोड़ नागरिकों को मतदान से वंचित करने और ज्ञानेश कुमार को बचाने का भी आरोप लगाया।

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed item rate Tenders on form MW-4, MW-7 are invited by the Dist Development Officer, DDO Solan for the below mentioned works from the approved and eligible manufacturers company/firm registered so as to reach in this office on or before 12.11.2026 up to 11.30 AM and will be opened on same day at 3.00 pm in the presence of intending companies/firms Or the representative. The tender form can be had from this office against the cash payment (non refundable) u to 10.00 AM on 12.11.2026. The earnest money in the shape of fixed deposit of the scheduled bank duly pledged in favour of Distt. Development Officer, Solan. The DDO Solan reserves the right to accept reject any or all the tender or to drop the proposal of the tender without assigning any reason.

Sr. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of tender form	Time for completion
1.	Minor repair/renovation work of SP Office Room No.320 Room No. 310 and CHC Store at police line Solan.	181238.00	4500.00	350.00	One month

Terms & Conditions: **1.** The tender document shall only be issued to the Registered contractors who will produce the photocopy of the authorization. **2.** In case of holiday on the day of opening of tender, the same will be opened on the next working day on the same time and venue. **3.** Other term &condition as per DNIT and can be seen in the office of the Distt. Development officer Solan on the working day. **4.** The firm are requested to insert the items rates of each items in words as well as in figures failing/considered in any case. **5.** No tender form will be issued to the defaulter contractor by any of these HPPWD/IPH/CPWD HIMUDA/MC department which the DDO reserve the right to accept/reject any or all the tenders/conditional tender or tenders by fax shall not be entertained. **6.** The contractor must give the copy of GST/CST No.TIN number & photocopy of PAN No. allotted with their application at the time of applying for the tender document.

Distt. Development officer District Solan (H.P).

न्यूज शॉर्ट्स

दीपावली को लेकर रुद्रप्रयाग पुलिस अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। दीपावली पर्व के मद्देनजर रुद्रप्रयाग पुलिस ने अग्निशमन व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सोमवार को फायर स्टेशन रुद्रप्रयाग के अधीन फायर यूनिट अगस्त्यमुनि ने विशेष अभ्यास किया। इस दौरान अग्निशमन वाहनों के फायर पंप, फोम कंपाउंड, होज पाइप सहित अन्य उपकरणों की कार्यशीलता जांची गई। सभी संसाधनों को आपात स्थिति में तत्काल उपयोग के लिए तैयार रखा गया है। पुलिस ने आमजन से आतिशबाजी के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करने और आग लगने पर तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना देने की अपील की है।

महिला स्वरोजगार की प्रेरक मिसाल बनीं प्रीति सैनी

भारतेन्दु संवाददाता, हल्द्वानी। हल्द्वानी की प्रीति सैनी घर बैठे ऊन और फूलों की आकर्षक मालाएं बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। उन्होंने अपने हुनर और मेहनत को स्वरोजगार का माध्यम बनाया है। स्वयं सहायता समूह से जुड़कर प्रीति को अपनी कला को पहचान दिलाने और आमदनी बढ़ाने का अवसर मिला। उनके हाथों से तैयार मालाओं की मांग भी बढ़ रही है। घरेलू जिम्मेदारियों के साथ इस काम को आगे बढ़ाकर वह परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान दे रही हैं। प्रीति का प्रयास अन्य महिलाओं को भी अपने हुनर से रोजगार शुरू करने की प्रेरणा दे रहा है।

मेडिकल कॉलेज की मांग पर भूख हड़ताल की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। बौराड़ी गणेश चौक पर तीन माह से अधिक समय से धरना और क्रमिक अनशन चल रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। समिति ने चेतावनी दी है कि राज्य स्थापना दिवस तक शासनादेश जारी नहीं हुआ तो एक-दो दिन बाद अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। सबसे पहले पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष जीतराम भट्ट अनशन पर बैठेंगे। पांच नवंबर को कोर कमेटी की बैठक में आंदोलन की आगामी रणनीति तय की जाएगी। समिति ने कई अन्य लोगों के नाम भी प्रस्तावित किए हैं।

एक दिसंबर से शुरू होगी जनगणना



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में जनगणना का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम यथावत रहेगा। निदेशक जनगणना ईवा आशीष श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक जनगणना कार्य कराया जाएगा। इससे पहले 16 से 30 नवंबर तक नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई राजपत्र अधिसूचना को उत्तराखंड के कार्यक्रम से जोड़कर देखना उचित नहीं है। इसके कारण जनगणना की तारीखों को लेकर आमजन में भ्रम पैदा हुआ है। प्रदेश में न तो जनगणना स्थगित की गई है और न ही कार्यक्रम में कोई बदलाव हुआ है। उन्होंने नागरिकों और अधिकारियों से भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न देने तथा अधिकृत माध्यमों से ही जानकारी प्राप्त करने की अपील की।

एनकेबी टाइम्स जनसरोकारों को प्रमुखता देकर पत्रकारिता के मूल्यों को आगे बढ़ाएगा : मुख्यमंत्री

हल्द्वानी में एनकेबी टाइम्स की शुरुआत

◆बोले, पत्रकारिता समाज को जागरूक करने और जनसमस्याओं को शासन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम

◆साहस और कर्तव्यनिष्ठा के आदर्शों से समाज को दिशा देते हैं भगवान श्रीराम : मुख्यमंत्री धामी

राज्य ब्यूरो



निष्पक्ष पत्रकारिता को बताया लोकतंत्र की जरूरत।

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को रामपुर रोड स्थित विंटेज ग्रीन में आयोजित कार्यक्रम में एनकेबी टाइम्स का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए निष्पक्ष, सकारात्मक और जिम्मेदार पत्रकारिता अत्यंत आवश्यक है। पत्रकारिता समाज को जागरूक करने के साथ ही जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। पत्रकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की समस्याओं को सामने लाकर उनके समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि एनकेबी टाइम्स जनसरोकारों से जुड़े विषयों को प्रमुखता देते हुए पत्रकारिता के मूल्यों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को जन-जन तक पहुंचाने और निरंतर आगे बढ़ाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में 'सबके राम' की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम किसी एक धर्म, जाति या वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनके आदर्श संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। भारतीय परंपरा में उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श राजा और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना गया है। उनका जीवन त्याग, संयम, साहस, सहयोग, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर भगवान श्रीराम को ऊर्जा, समाधान और अनंतकाल का प्रतीक बताया था। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श समाज में एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं।

राम के आदर्शों से मजबूत होती सामाजिक समरसता

अयोध्या से रामेश्वरम तक श्रीराम से जुड़ी आस्था और परंपराएं देश की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करती हैं। 'सबके राम' का भाव समाज को जोड़ने, एक-दूसरे के प्रति सम्मान रखने और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर श्री नमन कृष्ण महाराज ने भी भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और आध्यात्मिक महत्व पर विचार रखे।

कई हस्तियां रहीं मौजूद

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, सरिता आर्या और राजेश शुक्ला, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दायित्वधारी डॉ. अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, नवीन वर्मा, भावना मेहरा और रेणु अधिकारी उपस्थित रहे। एनकेबी टाइम्स के निदेशक आदित्य सिसौदिया, सिद्धार्थ सिसौदिया, आशुतोष सिंह और गणेश जोशी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा कुमाऊं मंडलायुक्त एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प : शर्मा

राज्य ब्यूरो



◆रुद्रप्रयाग और केदारनाथ में भाजपा ने बनाई चुनावी रणनीति

◆भाजपा ने विधानसभा चुनाव-2027 के लिए कसी कमर

रुद्रप्रयाग। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने और विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से भाजपा की रुद्रप्रयाग और केदारनाथ विधानसभा की संगठनात्मक बैठकें आयोजित की गईं। रुद्रप्रयाग विधानसभा की बैठक भाजपा जिला कार्यालय तथा केदारनाथ विधानसभा की बैठक अगस्त्यमुनि स्थित हिल क्रौंच होटल में हुई। दोनों बैठकों में प्रदेश महामंत्री संगठन फणीन्द्र नाथ शर्मा ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया और संगठन की मजबूती के लिए दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को आधार बनाकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना भाजपा का राष्ट्रीय संकल्प है। इसे पूरा करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पंच परिवर्तन अवधारणा के तहत सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी तथा नागरिक कर्तव्यों को अपने व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया।

2027 चुनाव के लिए बूथ मजबूत करने पर भाजपा का जोर

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बूथ और शक्ति केंद्र हैं। 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' और 'बूथ जीता तो चुनाव जीता' के मंत्र के साथ बूथ समितियों को सक्रिय बनाने, पन्ना प्रमुखों की भूमिका मजबूत करने और मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव की तैयारी अंतिम समय में नहीं, बल्कि पूरे वर्ष जनता के बीच सक्रिय रहकर की जाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने तथा पात्र लोगों को उनका लाभ दिलाने का आह्वान किया।

उत्तराखंड दिवस का आगाज... 27वें वर्ष में आपका स्वागत है!

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

◆लेकिन सवाल वही– आखिर कब बदलेगी पहाड़ की तकदीर?

9 नवंबर 2000 को लंबे संघर्ष और आंदोलनकारियों के बलिदान के बाद उत्तराखंड अलग राज्य बना। आंदोलनकारियों ने एक ऐसे पहाड़ी राज्य का सपना देखा था, जहां रोजगार के लिए युवाओं को घर-गांव न छोड़ना पड़े, गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हों, स्थानीय लोगों को सम्मान और अधिकार मिलें और विकास की रोशनी अंतिम गांव तक पहुंचे।

आज हम राज्य गठन के 26 वर्ष पूरे कर 27वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं। उत्तराखंड दिवस का आगाज़ है, उत्सव की तैयारियां हैं, उपलब्धियों के दावे होंगे और मंचों से विकास की बातें भी होंगी। लेकिन क्या इस अवसर पर उन सवालों का जवाब भी मिलेगा, जो वर्षों से पहाड़ की जनता पूछ रही है?स्वच्छ दून, सुंदर दून का नारा... लेकिन हरिद्वार बाईपास पर कूड़े का नज़ारा!

26 साल का उत्तराखंड, न 3 में, न 13 में!

राजधानी देहरादून को स्मार्ट सिटी और सुंदर शहर बनाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन सड़कों के किनारे कूड़े के ढेर स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हैं। आखिर सफाई के दावों और जमीन की तस्वीर के बीच इतनी दूरी क्यों है? जिम्मेदार विभाग कब जवाब देंगे?



राज्य बना, नेताओं की तकदीर बदली–आम पहाड़ी की तकदीर कब बदलेगी?

आज हम राज्य गठन के 26 वर्ष पूरे कर 27वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं। उत्तराखंड दिवस का आगाज़ है, उत्सव की तैयारियां हैं, उपलब्धियों के दावे होंगे और मंचों से विकास की बातें भी होंगी। लेकिन क्या इस अवसर पर उन सवालों का जवाब भी मिलेगा, जो वर्षों से पहाड़ की जनता पूछ रही है? आंदोलनकारियों ने एक ऐसे पहाड़ी राज्य का सपना देखा था, जहां रोजगार के लिए युवाओं को घर-गांव न छोड़ना पड़े, गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हों, स्थानीय लोगों को सम्मान मिलें और विकास की रोशनी अंतिम गांव तक पहुंचे।

मोहब्बेवाला हाईवे : सफर या हादसों का डर?

देहरादून के मोहब्बेवाला और आशारोड़ी क्षेत्र में सड़क हादसों की घटनाएं सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और जिम्मेदार एजेंसियों की तैयारियों पर सवाल उठाती हैं। आखिर कब तक लोग सड़कों पर सुरक्षित सफर की उम्मीद करते रहेंगे? क्या हर हादसे के बाद निरीक्षण, जांच और आश्वासन ही व्यवस्था का स्थायी जवाब बनकर रह जाएंगे? देवभूमि के आसमान में हादसेः आखिर हवाई सुरक्षा की जवाबदेही किसकी? उत्तराखंड में चारधाम यात्रा और पर्यटन के साथ हेल?

राहुल-खरगे ने उत्तराखंड कांग्रेस को एकजुट होकर काम करने का दिया संदेश

उत्तराखंड चुनाव की तैयारियों पर खरगे और राहुल ने किया मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने संगठनात्मक और राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालात और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। नई दिल्ली में खरगे के आवास 10, राजाजी मार्ग पर हुई इस बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी चुनाव में पार्टी की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश के नेताओं से राजनीतिक परिस्थितियों और संगठन की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी की रणनीति को लेकर आवश्यक सुझाव और दिशा-निर्देश दिए। नेताओं से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन की पहुंच बढ़ाने और जनता के बीच पार्टी की सक्रियता मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह तथा चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत मौजूद रहे। सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा और मनोज यादव ने भी बैठक में भाग लिया।

उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने बताया कि बैठक में प्रदेश के मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य के साथ जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से विचार किया गया।

कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे मौजूद



बैठक में कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह तथा चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत मौजूद रहे।

संगठन की स्थिति का लिया फीडबैक

बैठक में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश के नेताओं से राजनीतिक परिस्थितियों और संगठन की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी की रणनीति को लेकर आवश्यक सुझाव और दिशा-निर्देश दिए।

जनमुद्दों को मजबूती से उठाएगी कांग्रेस : दसौनी

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठनात्मक समन्वय, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में पार्टी की पहुंच मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश के नेताओं के साथ चुनावी तैयारियों को लेकर चर्चा करते हुए संगठन को प्रभावी बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। दसौनी के अनुसार, बैठक में सामूहिक नेतृत्व, आपसी तालमेल और संगठन की एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरने की रणनीति पर विचार किया गया। पार्टी नेतृत्व प्रदेश के राजनीतिक हालात और संगठन की तैयारियों को गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने और उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी चुनाव में संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की सक्रियता को पार्टी अपनी प्रमुख ताकत बनाएगी।

अभियान के लिए 1,992 कर्मी तैनात

टिहरी में 46,953 बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

523 बूथों पर चलेगा पोलियो अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, टिहरी। जनपद टिहरी में आगामी 22 नवंबर को उपराष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान संचालित किया जाएगा। इसके तहत शून्य से पांच वर्ष तक के कुल 46,953 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के सफल संचालन को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों, स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि अभियान के लिए जनपद में कुल 523 बूथ स्थापित किए जाएंगे। इनमें पर्वतीय क्षेत्रों में 473 और ढालवाला क्षेत्र में 50 बूथ शामिल हैं। इन बूथों पर 105 सुपरवाइजर और 1,992 कार्मिकों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए पर्वतीय क्षेत्रों में 946 तथा ढालवाला क्षेत्र में 17 टीमें गठित की गई हैं। सभी बूथों पर 22 नवंबर को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक प्रतिरक्षण कार्यक्रम संचालित होगा।

बूथ दिवस के बाद भी अभियान जारी रहेगा। इसके तहत पर्वतीय क्षेत्रों में 23 और 24 नवंबर को घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाएंगे। वहीं, ढालवाला क्षेत्र में 29 नवंबर तक घर-घर भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को प्रतिरक्षित किया जाएगा। इससे अभियान के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के साथ कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहेगा।

हिमनद झीलों से संभावित आपदा का खतरा घटाने पर मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, नैनीताल। डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी में सोमवार को हिमनद झीलों के फटने से उत्पन्न बाढ़ (जीएलओएफ) के जोखिम और प्रबंधन रणनीतियों पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विभागों और संस्थानों के 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने हिमनद झीलों की निगरानी, संवेदनशील क्षेत्रों का वैज्ञानिक आकलन और प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया। कार्यशाला का शुभारंभ आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग के अपर सचिव प्रकाश चंद्रा, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मेजर जनरल सुधीर बहल, पद्मश्री अनूप साह, डॉ. शेखर पाठक और अकादमी के संयुक्त निदेशक डॉ. महेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। प्रकाश चंद्रा ने बताया कि हिमनद झीलों का वैज्ञानिक अध्ययन और जोखिम आकलन किया जा रहा है। संवेदनशील क्षेत्रों में पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करने की दिशा में भी काम हो रहा है।

---

13 हजार लोगों ने बढ़ाया सहयोग

हरिद्वार में गंगा स्वच्छता अभियान से जुड़ीं 32 संस्थाएं सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। *मां गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल रखने के लिए जनपद में चलाए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान में योगदान देने वाली 32 संस्थाओं को जिला प्रशासन ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर संचालित इस अभियान में सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक, औद्योगिक और शिक्षण संस्थानों सहित स्थानीय लोगों ने सक्रिय भागीदारी की है। अब तक 13 हजार से अधिक लोग अभियान से जुड़ चुके हैं। प्रथम चरण में करीब 100 मीट्रिक टन कूड़ा एकत्र कर उचित निस्तारण के लिए नगर निगम को भेजा गया। प्रशासन ने सभी संस्थाओं के सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।*

स्थानीय लोगों ने कहा- जहां जरूरत है, वहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं

मसूरी में एमडीडीए का अजब कारनामा! पहले से लगे क्रैश बैरियर के पास ही लगाई जा रही रेलिंग

भारतेन्दु संवाददाता, मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के इस्तेमाल को लेकर मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। बड़ी मूर्ति से पिक्चर पैलेस तक सड़क किनारे रेलिंग लगाने का काम किया जा रहा है, जबकि कई स्थानों पर लोक निर्माण विभाग पहले ही क्रॉस बैरियर लगा चुका है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नई रेलिंग इन बैरियरों से महज आधा फीट की दूरी पर लगाई जा रही है। ऐसे में निर्माण की जरूरत और उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता गौरव गुप्ता ने बताया कि कुछ महीने पहले उनके क्षेत्र में रेलिंग नहीं होने के कारण एक कार सड़क से नीचे गिर गई थी। इसके बाद उन्होंने संबंधित स्थान पर रेलिंग लगाने का प्रस्ताव दिया था।



पहले से लगे क्रॉस बैरियर के पास रेलिंग लगाने पर उठे सवाल।

क्षेत्रीय सभासद सचिन गुहेर ने प्रस्ताव, तकनीकी स्वीकृति और बजट की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक खर्च या अनियमितता सामने आने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

300 मीटर का प्रस्ताव बढ़ाकर दो किलोमीटर करने पर सवाल

उनका आरोप है कि शुरुआत में करीब 300 मीटर रेलिंग लगाने की बात थी, लेकिन बाद में प्रस्ताव बढ़ाकर लगभग दो किलोमीटर कर दिया गया। उन्होंने इसकी जरूरत का वास्तविक आकलन किए जाने पर सवाल उठाए। लोगों ने निर्माण की गुणवत्ता पर भी चिंता जताई है।

प्रशासन की जांच पर टिकी निगाहें

स्थानीय लोगों ने एसडीएम मसूरी से मामले की जांच कराने और जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य रोकने की मांग की है। उनका कहना है कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि प्रस्ताव किस आधार पर तैयार और स्वीकृत हुआ तथा गुणवत्ता की निगरानी कौन कर रहा है।

---

45 साल बाद देवाल बाजार की सड़क पर बिछी हॉटमिक्स की परत

व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों में खुशी की लहर

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता की सराहना



भारतेन्दु संवाददाता, थराली। करीब 45 साल के लंबे इंतजार के बाद देवाल बाजार की सड़क पर हॉटमिक्स होने से स्थानीय व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों में खुशी है। श्री नंदा देवी राजजात यात्रा मार्ग के तहत थराली-देवाल-वाण राजमार्ग संख्या-90 पर रविवार को हॉटमिक्स का सेकेंड कोट बिछाया गया। इस दौरान बाजार के दोनों ओर इंटरलॉकिंग टाइल लगाने का कार्य भी किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग थराली के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

सुरक्षा दीवारों का निर्माण तेज

ग्राम प्रधान कविता मिश्रा, व्यापार संघ अध्यक्ष चंद्र सिंह रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों और विभाग की सक्रियता की सराहना की। अधिशासी अभियंता ने बताया कि सड़क पर नालियों, सुरक्षा दीवारों और पुलियों का निर्माण भी कराया जा रहा है।

पंजाब में फर्जी पोर्टल से आरसी ट्रांसफर का पर्दाफाश

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

पंजाब में वाहनों के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) ट्रांसफर की प्रक्रिया में कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि परिवहन विभाग के आधिकारिक पोर्टल से मिलता-जुलता फर्जी पोर्टल तैयार कर वाहनों की आरसी बिना जरूरी दस्तावेजों और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की मंजूरी के ही अप्रूव की जा रही थीं। इस मामले में जालंधर, लुधियाना समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों के 25 वाहन नंबर जांच के दायरे में आए हैं। मामला सामने आने के बाद परिवहन विभाग के ऑनलाइन सिस्टम की सुरक्षा और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामले का खुलासा उस समय हुआ जब आरटीए कार्यालय में तैनात क्लर्क नवदीप ने सिस्टम में कुछ वाहनों की फाइलों की जांच की। इस दौरान उन्हें ऐसी कई आरसी मिलीं, जिन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध हुए बिना ही अप्रूव कर दिया गया था। कुछ फाइलों में तो आवेदक का नाम, पता और शपथपत्र तक मौजूद नहीं था। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए संदिग्ध वाहनों का रिकॉर्ड खंगालना शुरू किया गया।



बिना दस्तावेज आरसी ट्रांसफर से परिवहन विभाग के ऑनलाइन सिस्टम पर उठे सवाल

नियमों के अनुसार, किसी वाहन की आरसी दूसरे व्यक्ति के नाम ट्रांसफर करवाने के लिए करीब 12 तरह के दस्तावेज जरूरी होते हैं। इनमें प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र, इंजन नंबर का विवरण, खरीदार और विक्रेता के शपथपत्र सहित अन्य आवश्यक कागजात शामिल हैं। इन दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही आरसी ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी की जाती है।

हालांकि, आरोप है कि कथित फर्जी पोर्टल पर केवल आधार कार्ड अपलोड करने के बाद ही आरसी ऑटो-अप्रूव होने का विकल्प उपलब्ध था। यदि यह आरोप सही साबित होता है तो यह विभागीय प्रक्रिया और ऑनलाइन सत्यापन व्यवस्था में गंभीर सेंध का मामला हो सकता है। जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि किस स्तर पर दस्तावेजों की जांच किए बिना आवेदन मंजूर किए गए।

मामले की जानकारी सामने आने के बाद जालंधर और लुधियाना आरटीओ कार्यालयों की ओर से संदिग्ध वाहनों की सूची तैयार की गई है। इसमें दोनों शहरों के अलावा पंजाब के अन्य जिलों के वाहन भी शामिल बताए जा रहे हैं। कुल 25 वाहन नंबरों को जांच के दायरे में रखा गया है। संबंधित अधिकारियों की ओर से इन वाहनों के रिकॉर्ड, पुराने मालिकों और आरसी ट्रांसफर की प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

एनआईसी करेगी सर्वर की फॉरेंसिक जांच

स्टेट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर परनीत शेरगिल ने कहा कि फिलहाल यह मामला उनके ध्यान में नहीं आया है। उन्होंने कहा कि यदि आधिकारिक पोर्टल को बाईपास कर फर्जी तरीके से आरसी अप्रूव की जा रही हैं तो नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) को पत्र लिखकर तकनीकी सिस्टम और सर्वर की फॉरेंसिक जांच करवाई जाएगी। अब जांच में यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि कथित फर्जी पोर्टल किसने तैयार किया, विभागीय सिस्टम को किस तरह बाईपास किया गया और बिना जरूरी दस्तावेजों के आरसी अप्रूव कैसे हुईं। साथ ही यह भी जांचा जाएगा कि इस प्रक्रिया से कितने वाहन प्रभावित हुए हैं और कहीं इसका इस्तेमाल अवैध रूप से वाहनों का मालिकाना हक बदलने के लिए तो नहीं किया गया। इस कथित फर्जीवाड़े ने वाहन सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। आशंका जताई जा रही है कि यदि बिना इंजन नंबर के सत्यापन और विक्रेता के शपथपत्र के आरसी ट्रांसफर संभव है तो इसका फायदा चोरी के वाहन दूसरे नाम पर दर्ज करवाने वाले लोग उठा सकते हैं। ऐसी स्थिति में वाहन की वास्तविक पहचान और मालिकाना हक का पता लगाना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा भविष्य में दुर्घटना, ट्रैफिक चालान और कानूनी कार्रवाई के दौरान भी वाहन मालिक की पहचान को लेकर परेशानी पैदा हो सकती है।

पनबस-पीआरटीसी कर्मचारी 16 नवंबर से करेंगे तीन दिवसीय हड़ताल

ठेका कर्मचारियों की हड़ताल से पंजाब में बस सेवाओं पर गहराया संकट

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

पंजाब में एक बार फिर सरकारी बसों का संचालन प्रभावित होने की आशंका है। पनबस और पीआरटीसी के ठेका कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 16 नवंबर से तीन दिवसीय हड़ताल करने का फैसला लिया है। पनबस/पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन पंजाब की राज्य स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। यूनियन नेताओं ने स्पष्ट किया है कि यदि हड़ताल के दौरान भी सरकार ने मांगों का समाधान नहीं किया तो कर्मचारी अनिश्चितकालीन मुकम्मल हड़ताल शुरू कर देंगे। इससे राज्य में बस सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

इससे पहले यूनियन ने 21 अक्टूबर से हड़ताल शुरू की थी। इसमें करीब 7,500 कर्मचारी शामिल हुए थे, जिसके चलते लगभग 3,000 बसों का संचालन बंद हो गया था। 24 अक्टूबर को प्रबंधन ने 29 अक्टूबर तक मांगें पूरी करने का भरोसा दिया था। इसके बाद यूनियन ने हड़ताल स्थगित कर दी थी। हालांकि, निर्धारित समय-सीमा बीतने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे कर्मचारियों में सरकार और परिवहन विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ गई है।

राज्य स्तरीय बैठक में विभिन्न डिपुओं के प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों की लंबित मांगों और सरकार की ओर से किए गए वायदों को लागू नहीं किए जाने पर चर्चा की। यूनियन के प्रदेश प्रधान रेशम सिंह गिल, महासचिव शमशेर सिंह ढिल्लों और कमल कुमार ने कहा कि ठेका कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए पनबस के सर्विस रूल्स कैबिनेट की बैठक में पास करवाने का आश्वासन दिया गया था। इसके अलावा आउटसोर्स कर्मचारियों को 14 अगस्त के बिल/एक्ट के अनुसार ठेका व्यवस्था में शामिल करने के लिए दो दिन का समय मांगा गया था, लेकिन इस दिशा में भी कोई कदम नहीं उठाया गया।



यूनियन नेताओं ने कहा कि संघर्ष के दौरान कर्मचारियों पर दर्ज मुकदमे रद्द करने और नई भर्ती के कर्मचारियों को ठेका व्यवस्था में शामिल करने के मामले पर दूसरी कमेटी के माध्यम से विचार करने का भरोसा भी दिया गया था। जगजीत सिंह लिबड़ा, रोही राम और जोध सिंह ने कहा कि बार-बार बैठकों में आश्वासन देकर मांगों को लागू नहीं करना कर्मचारियों के साथ धोखा है।

यूनियन ने सरकार के खिलाफ संघर्ष का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसके तहत 5 नवंबर से रोष प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे। 8 नवंबर के बाद पंजाब सरकार की राजनीतिक रैलियों का विरोध किया जाएगा। 10 नवंबर को प्रदेश के सभी डिपुओं के बाहर गेट रैलियां कर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 16 नवंबर से तीन दिवसीय हड़ताल शुरू होगी। नेताओं ने कहा कि मांगों का समाधान नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

यूनियन के वरिष्ठ प्रदेश उपप्रधान हरकेश कुमार विक्की, बलजिंदर सिंह और जलोर सिंह ने कहा कि कर्मचारी अब सरकार के आश्वासनों के भरोसे नहीं बैठेंगे। उन्होंने मांग की कि आउटसोर्स कर्मचारियों को ठेका व्यवस्था में शामिल करने के आदेश जारी किए जाएं और पनबस के सर्विस रूल्स कैबिनेट से पास करवाकर ठेका कर्मचारियों को नियमित करने का रास्ता साफ किया जाए। साथ ही संघर्ष के दौरान कर्मचारियों पर दर्ज मुकदमे रद्द किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि तय कार्यक्रम से पहले मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन तेज होगा। इसकी जिम्मेदारी पंजाब सरकार और परिवहन विभाग के प्रबंधन की होगी। बैठक में भगत सिंह, हरप्रीत सिंह सोढ़ी, प्रदीप कुमार, गुरप्रीत सिंह, सुलखण सिंह, जतिंदर सिंह, रणजीत सिंह, वजीर सिंह, इंद्रजीत सिंह, सनी, हरविंदर सिंह, सुखपाल सिंह, गुरबाज सिंह, भुल्लर (बठिंडा) और रिकू (पठानकोट) सहित विभिन्न डिपो कमेटियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

फेज-5 में किसान मंडी का विरोध, ग्रीन बेल्ट की मांग तेज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। फेज-5 में सब्जी मंडी के लिए निर्धारित स्थल पर पिछले कई दिनों से लगी आग अब बुझ गई है। नगर निगम की ओर से शहर के विभिन्न हिस्सों से लाई जाने वाली झाड़ियों और कूड़े-करकट को यहां डंप किया जाता था। आग लगने से आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अब नगर निगम ने यहां जमा कूड़े और झाड़ियों को हटाकर स्थल की सफाई करवा दी है। इसके बाद स्थानीय निवासियों ने इस जगह पर शहीद भगत सिंह ग्रीन बेल्ट विकसित करने की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि अब यहां किसी भी तरह की किसान मंडी नहीं लगने दी जाएगी। उनका मानना है कि इस स्थान का इस्तेमाल हरियाली बढ़ाने और क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए किया जाना चाहिए। सोमवार को किसान मंडी लगाने के लिए किसान सुबह ही अपना सामान लेकर पहुंच गए, लेकिन स्थानीय निवासियों ने उन्हें मंडी लगाने से रोक दिया और वापस भेज दिया। इस दौरान मंडी बोर्ड के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों की सुविधा का हवाला देते हुए निवासियों से मंडी जारी रखने की अपील की, लेकिन लोग अपनी मांग पर अड़े रहे। निवासियों का कहना है कि यह जमीन नगर निगम की है। इसलिए यहां किसान मंडी के बजाय शहीद भगत सिंह के नाम पर ग्रीन बेल्ट विकसित की जानी चाहिए।

किसान संगठनों का साथ मिलने से शिरोमणि अकाली दल को मिला सियासी संबल

भाजपा गठबंधन पर सुखबीर बादल ने बढ़ाई सियासी हलचल

किसान हितों को चुनावी राजनीति के केंद्र में लाने की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भारतीय जनता पार्टी के साथ संभावित गठबंधन की चर्चाओं पर कहा है कि आने वाले दिनों में इस संबंध में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि वह कोई पंडित नहीं हैं, लेकिन उनकी पार्टी पंजाब की दो प्रमुख विरोधी पार्टियों कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को छोड़कर अन्य सभी समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार है। उनके इस बयान के बाद पंजाब की राजनीति में गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इस बीच आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल को भारतीय किसान यूनियन कादियां का समर्थन मिला है। किसान संगठन ने आधिकारिक रूप से चुनाव में अकाली दल के पक्ष में समर्थन देने की घोषणा की है। किसान नेता हरमीत सिंह कादियां ने बताया कि संगठन के राजनीतिक विंग ने किसानों के मुद्दों को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से बातचीत की थी। इस दौरान किसानों की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर राजनीतिक दलों से ठोस आश्वासन मांगे गए, लेकिन संगठन को किसी अन्य दल की ओर से संतोषजनक भरोसा नहीं मिला।

हरमीत सिंह कादियां के अनुसार, सुखबीर सिंह बादल ने सरकार बनने पर किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का आश्वासन दिया है। इसके बाद संगठन ने आगामी चुनाव में अकाली दल को समर्थन देने का फैसला किया। इस घटनाक्रम को अकाली दल के लिए चुनाव से पहले मिले राजनीतिक समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी के तीन विधायकों के इस्तीफे को लेकर भी सुखबीर सिंह बादल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पार्टी नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आएंगे, वैसे-वैसे आप के कई अन्य विधायक और नेता भी पार्टी छोड़ सकते हैं।



चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत करते हुए अध्यक्ष सुखबीर बादल।

किसानों के मुद्दों पर अकाली दल ने जताई प्रतिबद्धता

सुखबीर बादल ने शिरोमणि अकाली दल को किसानों और खेती-किसानी के अधिकारों के साथ खड़ी रहने वाली क्षेत्रीय पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि अकाली दल हमेशा किसानों के हितों और उनके मुद्दों को प्राथमिकता देता रहा है। उन्होंने प्रदेश के अन्य किसान संगठनों से भी क्षेत्रीय पार्टी के समर्थन में आगे आने की अपील की। पंजाब में भाजपा के साथ संभावित गठबंधन, किसान संगठनों का समर्थन और आम आदमी पार्टी के विधायकों के इस्तीफे जैसे घटनाक्रमों के बीच अकाली दल अपनी राजनीतिक रणनीति को लेकर सक्रिय नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में गठबंधन को लेकर होने वाले फैसले और विभिन्न किसान संगठनों का रुख प्रदेश की चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पहली सूची के बाद पार्टी में असंतोष, तीन विधायकों के इस्तीफे

पंजाब में चुनाव से पहले 'आप' में बगावत दो दिन में तीन विधायकों ने छोड़ी पार्टी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) में विधायकों की नाराजगी सामने आने लगी है। पार्टी की ओर से 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के बाद दो विधायकों चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा ने पार्टी छोड़ दी। इसके अगले ही दिन अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने भी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस तरह दो दिन में आप के तीन विधायकों के इस्तीफे से पंजाब की राजनीति में हलचल बढ़ गई है।

कुंवर विजय प्रताप सिंह ने एक नवंबर को अपना इस्तीफा सीधे पंजाब विधानसभा के स्पीकर को भेजा। उन्होंने पत्र में स्पष्ट किया कि वह एक नवंबर से सदन की सदस्यता छोड़ रहे हैं। इस्तीफे की प्रति ई-मेल, वाट्सएप और भारतीय डाक के माध्यम से भी भेजी गई। खास बात यह रही कि उन्होंने इस फैसले में पार्टी नेतृत्व को शामिल नहीं किया। उन्होंने अपने इस्तीफे में कोई स्पष्ट राजनीतिक या व्यक्तिगत कारण भी नहीं बताया।



कुंवर विजय प्रताप सिंह।

सोमवार को इंटरनेट मीडिया पर अमृतसर के लोगों के नाम संदेश जारी कर उन्होंने अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने जनता से मिले प्यार और सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा कि वह इसके लिए हमेशा ऋणी रहेंगे।

कुंवर विजय प्रताप ने पंजाब में नशा, फिरौती, गैंगस्टरवाद और भ्रष्टाचार को बड़ी चुनौतियां बताते हुए इनके खिलाफ सामूहिक प्रयास की आवश्यकता जताई। उन्होंने दावा किया कि विधायक के रूप में उन्होंने अपने 90 प्रतिशत लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। विधानसभा में उन्होंने अमृतसर के पानी, सीवरेज, कंपनी बाग, सर्किट हाउस, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, सरकारी मेडिकल कॉलेज और बरगाड़ी बेअदबी जैसे मुद्दे उठाए थे।

कुंवर विजय प्रताप 1998 बैच के पंजाब कैडर के पूर्व आइपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने 12 अप्रैल 2021 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी और 2022 में आप के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

जौड़ामाजरा और पठानमाजरा भाजपा में हो सकते हैं शामिल

इससे पहले समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया था। दोनों सोमवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो सकते हैं। पठानमाजरा ने इसकी पुष्टि की है। दोनों विधायकों ने आप नेतृत्व पर पंजाब के हितों की अनदेखी और दिल्ली से प्रदेश की राजनीति संचालित करने के आरोप लगाए हैं।

चंडीगढ़ में ग्रीन पटाखों की अनुमति, फिर भी दीवाली पर प्रदूषण बढ़ने की आशंका

दीवाली की आतिशबाजी से दो घंटे में चंडीगढ़ की हवा होगी जहरीली, आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। दीवाली पर आतिशबाजी से आसमान भले ही रंगीन रोशनी से जगमगा उठता है, लेकिन इसका असर शहर की हवा की गुणवत्ता पर पड़ता है। कुछ ही घंटों में पटाखों से निकलने वाला धुआं और हानिकारक कण वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ा सकते हैं। इसे देखते हुए चंडीगढ़ प्रशासन ने इस बार प्रदूषण पर नियंत्रण के उद्देश्य से केवल सीएसआइआर-नीरी से प्रमाणित ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रीन पटाखे भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं होते। इनसे पारंपरिक पटाखों की तुलना में प्रदूषक तत्व कम निकलते हैं, लेकिन वातावरण में धुआं, बारीक कण और हानिकारक गैसें फिर भी फैलती हैं।

पीजीआइ के प्रो. डॉ. सोनू गोयल के अनुसार, सीएसआइआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) ने प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से स्वास, स्टार और सफल जैसी ग्रीन पटाखों की श्रेणियां विकसित की हैं। निर्धारित मानकों के मुताबिक, इन पटाखों से पारंपरिक पटाखों की तुलना में कम से कम 30 प्रतिशत तक कम पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जित होना चाहिए। कुछ श्रेणियों में सल्फर डाईऑक्साइड और नाइट्रोजन डाईऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों के उत्सर्जन में भी कमी का प्रावधान है।



पिछले साल दो घंटे में कई इलाकों का एक्यूआइ 300 पार

डॉ. सोनू गोयल के मुताबिक, दीवाली 2025 के आंकड़े भी आतिशबाजी से बढ़ने वाले प्रदूषण की गंभीरता को दर्शाते हैं। 20 अक्टूबर को रात आठ बजे के बाद सेक्टर-53 में एक्यूआइ 304, सेक्टर-39 स्थित इमटेक में 318 और सेक्टर-12 स्थित पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में 312 दर्ज किया गया था। ये सभी स्तर बहुत खराब श्रेणी में आते हैं। इसी दौरान सेक्टर-22 में एक्यूआइ 234 और सेक्टर-25 में 296 रहा। अगले दिन सुबह तक हवा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया। इससे स्पष्ट है कि आतिशबाजी के दौरान कुछ ही घंटों में वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे में ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल के साथ उनकी संख्या और आतिशबाजी की अवधि सीमित रखना भी जरूरी है।

दीवाली पर साइबर ठगों से बचें, अनजान लिंक से रहें सावधान

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। दीवाली के त्योहार पर साइबर ठग लोगों को निशाना बनाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। शुभकामना संदेश, आकर्षक गिफ्ट और गिफ्ट हैम्पर के नाम पर मोबाइल फोन पर भेजे जाने वाले अनजान लिंक लोगों की जेब खाली कर सकते हैं। इसे देखते हुए मोहाली पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता संदेश जारी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। डीएसपी वरिंदर सिंह खोसा ने बताया कि त्योहारों के दौरान साइबर अपराधी अनजान नंबरों से आकर्षक ग्रीटिंग, गिफ्ट और विशेष आफर के नाम पर लिंक भेज सकते हैं। बिना जांचे इन लिंक पर क्लिक करने से मोबाइल फोन और निजी जानकारी खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि किसी परिचित के मोबाइल से आया लिंक भी सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं है। साइबर ठग मोबाइल फोन हैक कर उसके संपर्कों को भी ऐसे लिंक भेज सकते हैं। डीएसपी ने लोगों से ऑनलाइन खरीदारी करते समय और गिफ्ट या गिफ्ट हैम्पर मिलने के नाम पर आने वाले अनजान लिंक से सावधान रहने की अपील की। किसी भी वेबसाइट की प्रामाणिकता जांचने के बाद ही उसका इस्तेमाल करें। इसके अलावा बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी और अन्य गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि त्योहार की खुशियों के बीच डिजिटल सुरक्षा का भी ध्यान रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।



◆ **गिफ्ट और शुभकामना संदेशों के बहाने साइबर ठगी का खतरा मोहाली पुलिस ने जारी की चेतावनी**

बठिंडा निगम बैठक में 178 आउटसोर्स कर्मचारियों को राहत



भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा। नगर निगम की 2 नवंबर को होने वाली जनरल हाउस बैठक में कर्मचारियों और शहर के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होगी। बैठक में 178 आउटसोर्स कर्मचारियों को इंसोर्स करने की मंजूरी मांगी जाएगी। इसे कर्मचारियों के लिए दिवाली के तोहफे के रूप में देखा जा रहा है। पंजाब सरकार के 26 अगस्त 2026 के नोटिफिकेशन और संबंधित एक्ट के तहत निगम ने कर्मचारियों की पात्रता जांचने के लिए कमेटी गठित की थी। कमेटी ने 24 सितंबर को बैठक कर हाजिरी, रिकॉर्ड और शैक्षणिक योग्यता से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। इसके बाद योग्य कर्मचारियों को इंसोर्स करने का प्रस्ताव तैयार किया गया। एजेंडे के अनुसार, हाजिरी श्रेणी के 44 कर्मचारियों में 33 योग्य और 11 अयोग्य पाए गए। वहीं, नॉन-हाजिरी श्रेणी में 460 कर्मचारियों में से 178 योग्य और 268 अयोग्य बताए गए हैं।

कनाडा के क्यूबेक में स्कूली बच्चों की पगड़ी नकाब और धार्मिक प्रतीकों पर लगेगी रोक

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। कनाडा के क्यूबेक प्रांत की नई सरकार प्राथमिक स्कूलों में बच्चों के धार्मिक पहनावे पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। प्रस्ताव के तहत सिख बच्चों की पगड़ी, मुस्लिम बच्चों के नकाब और यहूदी समुदाय के धार्मिक प्रतीकों पर रोक लगाई जा सकती है। सरकार के इस कदम से धार्मिक स्वतंत्रता और बच्चों के अधिकारों को लेकर बहस शुरू हो गई है।



एआई तस्वीर

अक्टूबर में हुए प्रांतीय चुनाव में अलगाववादी पार्टी पार्टे क्यूबेक्वा सत्ता में आई है। पार्टी ने अपने चुनावी एजेंडे में प्राथमिक स्कूलों के बच्चों के धार्मिक पहनावे पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया था। शिक्षा मंत्री जोएल अर्सेन्यू ने कहा है कि सरकार अपने चुनावी वादे के अनुसार इस दिशा में आगे बढ़ेगी। नए प्रीमियर पॉल सेंट-पियरे प्लामोंडन भी प्रस्ताव का समर्थन कर चुके हैं।

क्यूबेक में धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध की शुरुआत 2019 में हुई थी। तत्कालीन सरकार ने धर्मनिरपेक्षता कानून लागू कर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों और न्यायाधीशों सहित कुछ सरकारी कर्मचारियों के ड्यूटी के दौरान धार्मिक प्रतीक पहनने पर रोक लगाई थी। बाद में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों, सहायता प्राप्त निजी संस्थानों और बाल देखभाल केंद्रों में भी धार्मिक गतिविधियों पर पाबंदियां लगाई गईं।

स्वास्थ्य विभाग में बदलाव दो वरिष्ठ अधिकारियों को अहम जिम्मेदारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए दो वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। सरकार ने डॉ. अनिल कुमार गोयल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निदेशक का अस्थायी कार्यभार दिया है। वहीं, डॉ. सिमी मल्होत्रा को निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (एसबी) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से एक नवंबर को जारी आदेश के अनुसार, डॉ. अनिल कुमार गोयल वर्तमान में अतिरिक्त निदेशक स्वास्थ्य के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें अगले आदेश तक निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण का अस्थायी कार्यभार संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह विभाग में डिप्टी डायरेक्टर के पद पर कार्यरत डॉ. सिमी मल्होत्रा को निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (एसबी) का अस्थायी प्रभार सौंपा गया है। दोनों अधिकारियों को विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए यह दायित्व दिया गया है।

बकायेदारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते का भुगतान पंजाब सरकार के लिए बना बड़ी वित्तीय चुनौती, सुप्रीम कोर्ट में मामला

पंजाब पर डीए बकाया का 32 हजार करोड़ का भारी बोझ

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ते (डीए) के बकाया भुगतान के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। राज्य सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में दाखिल हलफनामे में स्वीकार किया है कि कर्मचारियों और पेंशनरों के डीए तथा महंगाई राहत (डीआर) के बकाया की देनदारी हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। मुख्य सचिव केएपी सिन्हा की ओर से दाखिल रिपोर्ट के अनुसार, एक जुलाई 2021 से 30 सितंबर 2026 तक डीए और डीआर के बकाया की राशि करीब 22,818 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, यदि कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान दर से महंगाई भत्ता दिया जाता है तो राज्य के खजाने पर हर साल 4,712 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। सरकार ने दोनों दावों को मिलाकर कुल लंबित देनदारी करीब 32,418 करोड़ रुपये बताई है।



पंजाब पर 22,818 करोड़ रुपये के डीए एरियर का बोझ, हाई कोर्ट में सरकार ने दिया हिसाब-किताब।

सरकार ने हलफनामे में यह भी स्वीकार किया है कि हाई कोर्ट के तीन अगस्त के फैसले के अनुसार कर्मचारियों और पेंशनरों को बकाया राशि का भुगतान छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित करना होगा। अदालत के इस आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से अब तक कोई रोक नहीं लगाई गई है। ऐसे में राज्य सरकार पर आदेश का पालन करने की जिम्मेदारी बनी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, भुगतान में देरी को बताया गैर इरादतन

पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट के तीन अगस्त के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इसके लिए एक सितंबर को विशेष अनुमति याचिका दाखिल की गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने याचिका में कुछ प्रक्रियागत खामियां बताई थीं। इसके बाद सरकार ने एक अक्टूबर को याचिका दोबारा दाखिल की। सरकार ने अदालत में भुगतान में हुई देरी को जानबूझकर की गई अवहेलना मानने का विरोध किया। उसका तर्क है कि हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ कानूनी विकल्प अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया है। सरकार ने यह भी कहा कि बकाया राशि पर छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का प्रावधान हाई कोर्ट के आदेश में पहले से मौजूद है।

मुख्यमंत्री की बैठक के बाद आठ प्रतिशत बढ़ाया था डीए

सरकार ने अदालत को बताया कि कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों को लेकर 18 सितंबर को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। इसमें महंगाई भत्ते में आठ प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद 23 सितंबर को वित्त विभाग ने आदेश जारी कर डीए की दर 42 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दी। यह वृद्धि एक सितंबर 2026 से लागू की गई। इसका लाभ सितंबर के वेतन और पेंशन में अक्टूबर के दौरान दिया गया। हालांकि, इस वृद्धि से पुराने बकाया भुगतान का मामला समाप्त नहीं हुआ है।

कश्मीर में बढ़ते अविश्वास पर महबूबा ने नेकां को घेरा

युवाओं की प्रताड़ना और कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर उठाए सवाल, केंद्र से संवाद शुरू करने की अपील

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर और केंद्र सरकार के बीच राजनीतिक ही नहीं, भावनात्मक दूरी भी बढ़ रही है। कश्मीरियों को आज भी संदेह की नजर से क्यों देखा जा रहा है? युवाओं की कथित प्रताड़ना, कश्मीरी कर्मचारियों की बर्खास्तगी और जनजातीय समुदायों को बेदखल किए जाने जैसे मुद्दों को लेकर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में मौजूदा राजनीतिक अविश्वास के लिए नेकां का नेतृत्व भी जिम्मेदार है। उन्होंने केंद्र सरकार से प्रदेश के लोगों की नाराजगी और चिंताओं को समझने के लिए उनसे बातचीत शुरू करने का आग्रह किया।

श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर पार्क में पीडीपी के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए महबूबा ने सवाल उठाया कि आखिर भारत को कश्मीरियों पर इतना संदेह क्यों है? कब तक जम्मू-कश्मीर को ताकत के दम पर चलाया जाएगा? उन्होंने कहा कि लोगों के मन में पैदा हो रही दूरी को केवल प्रशासनिक सख्ती से दूर नहीं किया जा सकता। इसके लिए संवाद और विश्वास बहाली की जरूरत है। महबूबा ने युवाओं के खिलाफ कार्रवाई, कर्मचारियों की बर्खास्तगी और जनजातीय समुदायों से जुड़े मामलों को लेकर भी चिंता जताई।

महबूबा मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री वाली व्यवस्था से मुख्यमंत्री वाली व्यवस्था तक पहुंचते-पहुंचते स्वायत्तता की मांग को ही दफन कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि नेकां के शासनकाल में लोगों ने बहुत कष्ट झेले। कश्मीर में आतंकवाद के कठिन दौर

◆स्वायत्तता से दूरी और सियासी फैसलों पर महबूबा ने नेकां को जिम्मेदार ठहराया

के लिए भी उन्होंने नेकां नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया। महबूबा ने दावा किया कि उस समय पार्टी ने इख्वान बलों का इस्तेमाल किया था, जिससे आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की पाकिस्तान संबंधी टिप्पणी का जिक्र करते हुए महबूबा ने कहा कि कश्मीरियों ने अपना फैसला पहले ही कर लिया है और वे भारत के साथ खड़े हैं। उनके अनुसार, जम्मू-कश्मीर के लोगों की भावनाओं और उनकी राजनीतिक आकांक्षाओं को समझना जरूरी है। महबूबा ने जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के समय शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम बहुल क्षेत्र होने के बावजूद शेख अब्दुल्ला ने भारत पर भरोसा जताया था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के साथ शेख अब्दुल्ला के संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में संवाद और राजनीतिक विश्वास को महत्व दिया गया था।

पीडीपी ने कभी नहीं अपनाया दोहरा एजेंडा

पीडीपी के गठन के उद्देश्य पर बात करते हुए महबूबा ने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर की गरिमा और पहचान बहाल करने के लिए बनाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ने कभी दोहरी राजनीति नहीं की और न ही दोहरा एजेंडा अपनाया। उन्होंने केंद्र सरकार से लोगों के साथ बातचीत का रास्ता खोलने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र को लंबे समय तक ताकत के बल पर नहीं चलाया जा सकता। महबूबा ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में हुए घटनाक्रम का हवाला देते हुए सरकार से लोगों के गुस्से और चिंताओं को समझने का आग्रह किया। पाकिस्तान पर तंज कसते हुए उन्होंने उसे 'डाकिस्तान' कहा। साथ ही चेतावनी दी कि जम्मू-कश्मीर की पहचान मिटाने की कोशिश करने वालों को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

लद्दाख में शराब नीति पर वांगचुक के रुख से व्यापारी नाराज

लाइसेंसधारी कारोबारियों ने आजीविका पर जताया संकट, प्रशासन से समान नीति बनाने की मांग की

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

लद्दाख में शराब की बिक्री और स्थानीय शराब को बढ़ावा देने के मुद्दे पर विवाद गहराता जा रहा है। ऑल लद्दाख होटल्स एंड बार एसोसिएशन तथा ऑल लद्दाख लिकर ट्रेडर्स एसोसिएशन ने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर शराब के मामले में दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। व्यापारियों का कहना है कि एक ओर वांगचुक शराब-मुक्त लद्दाख की मांग का समर्थन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय पारंपरिक शराब चांग को बढ़ावा देने और माइक्रोब्रुअरी स्थापित करने के लिए कर में छूट देने की वकालत कर रहे हैं। कारोबारियों ने इसे विरोधाभासी रुख बताते हुए सवाल उठाए हैं।

व्यापारियों के अनुसार, 28 अक्टूबर को सोनम वांगचुक लेह के एनडीएस मेमोरियल पार्क में शराब-मुक्त लद्दाख की मांग को लेकर धरने पर बैठी महिलाओं के समर्थन में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय पारंपरिक शराब चांग को लद्दाख की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बताया और इसे अपेक्षाकृत बेहतर तथा स्वस्थ विकल्प के रूप में पेश किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासन से स्थानीय युवाओं को गेहूं से शराब बनाने वाली आधुनिक माइक्रोब्रुअरी स्थापित करने में मदद देने

◆प्रतिबंध की मांग के बीच माइक्रोब्रुअरी को छूट देने पर व्यापारियों ने जताई आपत्ति



(एआई निर्मित तस्वीर)

और ऐसी इकाइयों को कर में छूट उपलब्ध कराने की अपील की थी। व्यापारियों का कहना है कि शराब पर प्रतिबंध की मांग के बीच इस तरह के प्रस्तावों से भ्रम की स्थिति पैदा होती है। लेह में आयोजित पत्रकार वार्ता में दोनों एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि लद्दाख को शराब-मुक्त बनाने का उद्देश्य है तो नीति सभी प्रकार की शराब पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। केवल लाइसेंस प्राप्त शराब कारोबारियों को निशाना बनाना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब समाज में ड्रग्स, सिगरेट और मांस का इस्तेमाल भी होता है तो केवल शराब के खिलाफ अभियान क्यों चलाया जा रहा है? व्यापारियों ने कहा कि किसी एक व्यवसाय को चुनकर प्रतिबंध की मांग करना निष्पक्ष दृष्टिकोण नहीं है।

उले टोपो की वाइन का भी उठाया मुद्दा

पत्रकार वार्ता के दौरान कारोबारियों ने सोनम वांगचुक के पैतृक गांव उले टोपो में उनके परिवार से जुड़ी सेब की वाइन 'उले टोपो' का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सवाल किया कि इस वाइन के उत्पादन और बिक्री के लिए आवश्यक व्यावसायिक लाइसेंस लिया गया है या नहीं। यदि लाइसेंस नहीं है तो प्रशासन की ओर से अब तक क्या कार्रवाई की गई है? व्यापारियों का आरोप है कि एक तरफ लाइसेंस लेकर कारोबार करने वालों के व्यवसाय पर सवाल उठाए जा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाली वाइन के मामले में समान कार्रवाई दिखाई नहीं देती। हालांकि, वाइन के लाइसेंस और प्रशासनिक निगरानी को लेकर लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दोनों एसोसिएशनों ने प्रशासन से शराब की बिक्री, उत्पादन और प्रतिबंध से जुड़े मामलों में स्पष्ट तथा समान नीति बनाने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर निर्णय लेते समय कानूनी कारोबारियों की आजीविका और निवेश को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के दोनों क्षेत्रों की भावनाओं से जुड़ी है दरबार मूव परंपरा : राथर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने दरबार मूव की परंपरा को जारी रखने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों के लोगों की भावनाओं और आकांक्षाओं से जुड़ी हुई है। सरकार को लोगों की इच्छाओं का सम्मान करते हुए इस परंपरा को जारी रखना चाहिए।

सोमवार को जम्मू में दरबार मूव के तहत विधानसभा सचिवालय के दोबारा खुलने के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राथर ने कहा कि दरबार मूव कोई नई व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह वर्षों पुरानी परंपरा है। हालांकि, बीच में इसे कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। बाद में सरकार ने विचार-विमर्श के बाद पिछले साल इसे फिर से बहाल करने

◆विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने दरबार मूव परंपरा जारी रखने का समर्थन किया

का फैसला लिया। राथर के अनुसार, दरबार मूव का महत्व केवल सरकारी कार्यालयों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होने तक सीमित नहीं है। यह जम्मू और कश्मीर के बीच आपसी जुड़ाव और साझा भावनाओं का भी प्रतीक है। इस व्यवस्था के माध्यम से दोनों क्षेत्रों के लोगों को प्रशासनिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलता है। ऐसे में इसे केवल प्रशासनिक खर्च या कार्यालयों के स्थानांतरण के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के दोनों क्षेत्रों की अपनी अलग-अलग पहचान और भावनाएं हैं। दरबार मूव की परंपरा इन दोनों क्षेत्रों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। इसलिए इस संबंध में कोई भी फैसला लेते समय आम लोगों की राय और उनकी भावनाओं को ध्यान में रखना जरूरी है। दरबार मूव के तहत सरकारी कार्यालयों का कामकाज मौसम के अनुसार जम्मू और श्रीनगर के बीच स्थानांतरित होता है। परंपरागत रूप से गर्मियों में सचिवालय और अन्य सरकारी कार्यालय श्रीनगर में तथा सर्दियों में जम्मू में काम करते हैं।

पलांवाला में खुदाई के दौरान मिला पुराना मोर्टार शेल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पलांवाला सेक्टर स्थित गड़ी मोहल्ला गांव में सोमवार को एक घर में खुदाई के दौरान पुराना मोर्टार शेल मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया। जानकारी के अनुसार, घर में किसी काम के लिए खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान जमीन के भीतर दबा पुराना मोर्टार शेल दिखाई दिया। उसे देखते ही लोगों ने खुद उसे छूने या हटाने के बजाय पुलिस को सूचना देना उचित समझा। इसके बाद पुलिस पोस्ट पलांवाला की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई। पुलिस ने मोर्टार शेल मिलने की जानकारी बम निरोधक दस्ते को दी है, ताकि उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने की प्रक्रिया पूरी की जा सके। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मोर्टार शेल कितना पुराना है और वह वहां कैसे पहुंचा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। सुरक्षा एजेंसियां यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि मौके पर किसी तरह का खतरा न रहे। अधिकारियों की ओर से मोर्टार शेल को निष्क्रिय किए जाने के संबंध में अभी कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी ठंड बढ़ी, यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जोजिला से राजदान टाप तक बर्फबारी, घाटी में बढ़ी ठंड, यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह

घाटी में शुष्क ठंड के बीच जोजिला दर्रे समेत कई ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में हुई ताजा बर्फबारी से सर्दी का असर और बढ़ गया है। पहाड़ी इलाकों में तापमान गिरने के साथ ठिठुरन बढ़ गई है। हालांकि श्रीनगर समेत कश्मीर घाटी के मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रहा। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान भी ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना जताई है।

जोजिला दर्रे से लेकर राजदान टाप तक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के बाद पहाड़ी रास्तों पर फिसलन बढ़ने की आशंका है। इसे देखते हुए संबंधित मार्गों पर सफर करने वाले वाहन चालकों और यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। खासकर सोनमर्ग-जोजिला मार्ग पर यात्रा करने वालों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बर्फबारी के दौरान सड़क पर वाहनों की आवाजाही जोखिम भरी हो सकती है। ऐसे में यात्रियों को मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी लेकर ही यात्रा करने को कहा गया है। प्रशासन की ओर से यात्रियों को वाहनों में स्नो चेन रखने और जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। बर्फ से ढकी सड़कों पर सामान्य टायरों के साथ वाहन चलाने से फिसलने का खतरा बना रहता है।

इसलिए चालकों को तेज गति से वाहन चलाने और अचानक ब्रेक लगाने से बचना चाहिए। पहाड़ी मार्गों पर सफर करते समय पर्याप्त दूरी बनाए रखना भी जरूरी है। मौसम में आए बदलाव का असर घाटी के जनजीवन पर भी पड़ने लगा है। सुबह और शाम के समय ठंड अधिक महसूस की जा रही है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के कारण तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। वहीं मैदानी इलाकों में फिलहाल मौसम शुष्क रहने से लोगों को बारिश से राहत मिली हुई है, लेकिन ठंडी हवाओं के चलते सर्दी का अहसास बढ़ रहा है।

जम्मू-कश्मीर में सभी क्षेत्रों का होगा समान विकास : जावेद राणा

जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्रों का समान विकास सरकार की प्राथमिकता, दरबार मूव से बढ़ेगा भाईचारा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



दरबार मूव को बताया जम्मू-कश्मीर की एकता, सद्भाव और आपसी विश्वास का मजबूत सेतु

जम्मू-कश्मीर के जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने सोमवार को विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी और जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार या पार्टी को कोई खतरा नहीं है। नेशनल कॉन्फ्रेंस में बगावत जैसी कोई स्थिति नहीं है, बल्कि कुछ लोगों में नाराजगी है, जिसे जल्द दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू, कश्मीर और प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र का समान विकास सरकार की प्राथमिकता है।

जम्मू में दरबार मूव के तहत सरकारी कार्यालयों का कामकाज दोबारा शुरू होने के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राणा ने कहा कि उमर अब्दुल्ला सरकार ने पिछले दो वर्षों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं और विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है। इन कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना जरूरी है। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से सरकार की सभी कैबिनेट बैठकों में लिए गए फैसलों का विस्तृत रिकॉर्ड और चार्ट तैयार करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कैबिनेट बैठकों में लिए गए निर्णयों का व्यवस्थित ब्यौरा उपलब्ध होना चाहिए, ताकि आम लोगों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को भी पता चल सके कि सरकार ने पिछले दो वर्षों में कौन-कौन से काम किए हैं। राणा ने कहा कि कई बार सरकार के सदस्य भी इस अवधि में लिए गए सभी फैसलों और शुरू की गई पहलों का पूरा विवरण याद नहीं रख पाते। ऐसे में दस्तावेजीकरण से सरकार के कामकाज का आकलन करने में मदद मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि सरकार का एजेंडा जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्रों और उपक्षेत्रों को साथ लेकर आगे बढ़ना है। विकास योजनाओं का लाभ हर क्षेत्र तक पहुंचना चाहिए और किसी भी इलाके को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सरकार क्षेत्रीय संतुलन, समावेशी विकास और जनता की जरूरतों को प्राथमिकता देगी। राणा ने उम्मीद जताई कि जम्मू-कश्मीर में विकास के एक नए दौर की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। दरबार मूव की बहाली पर प्रतिक्रिया देते हुए जावेद अहमद राणा ने कहा कि यह व्यवस्था जम्मू और कश्मीर के लोगों के बीच आपसी जुड़ाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे दोनों क्षेत्रों के लोगों का मेलजोल बढ़ता है और आपसी रिश्तों में मजबूती आती है। उन्होंने कहा कि दरबार मूव से प्रेम, भाईचारे और सद्भावना को बढ़ावा मिलेगा।

कश्मीर में यातायात नियम तोड़ने पर 3,000 मामलों में कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर जोन पुलिस ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पिछले दो सप्ताह में 3,000 से अधिक उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई की है। इस दौरान करीब 1,800 वाहनों को जब्त किया गया है। पुलिस ने कश्मीर जोन के सभी 10 जिलों में नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 17 अक्टूबर से अब तक लापरवाही से वाहन चलाने के 500 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा तीन लोगों को एक साथ दोपहिया वाहन पर बैठाने के 450 मामले भी सामने आए हैं। स्टंट बाइक चलाने और सड़क पर आम नागरिकों की जान को खतरे में डालने वाले अन्य यातायात उल्लंघनों पर भी कार्रवाई की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साल की शुरुआत से ही वाहन चालकों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा था।

अनंतनाग में ईशा की नमाज के दौरान मस्जिद पर पथराव, हिरासत में चार लोग

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में रविवार रात ईशा की नमाज के दौरान एक मस्जिद पर पथराव की घटना सामने आई। पहरू शेरबाग इलाके में हुई इस घटना में इबादतगाह की इमारत को नुकसान पहुंचा, जबकि वहां नमाज अदा कर रहे कुछ लोग भी घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और मामले की जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, जिस ईदगाह में नमाज अदा की जा रही थी, वह पहले एक रिहायशी मकान था। बाद में इसे इबादतगाह में तब्दील किया गया था। यहां करीब एक सप्ताह पहले ही नमाज शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि इलाके के कुछ स्थानीय निवासी, जो हनफी विचारधारा का पालन करते हैं, इस स्थान पर नमाज अदा किए जाने को लेकर आपत्ति जता रहे थे। इसी मुद्दे को लेकर स्थानीय स्तर पर पहले से असहमति बनी हुई थी।

रविवार रात ईशा की नमाज के दौरान यह विवाद बढ़ गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई और फिर स्थिति टकराव तक पहुंच गई। इसी दौरान कुछ लोगों ने ईदगाह पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। अचानक हुए पथराव से नमाज अदा कर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पत्थर लगने से इमारत को नुकसान पहुंचा और कुछ नमाजी घायल हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने हालात को संभालते हुए लोगों को शांत कराया और घटनास्थल का जायजा लिया। अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विवाद किस बात से शुरू हुआ और पथराव में कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस ने घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर चार लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान घटना में अन्य लोगों की भूमिका और विवाद के पीछे के कारणों का पता लगाया जाएगा। पुलिस आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटा रही है, ताकि घटनाक्रम की पूरी कड़ी स्पष्ट हो सके।

दीवाली पर कश्मीरी सेब की मांग बढ़ी स्कैब बीमारी से बागवान परेशान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



दीवाली से पहले देशभर की मंडियों में कश्मीरी सेब की मांग में तेजी देखने को मिल रही है। त्योहार के चलते खासकर बड़े आकार के ग्रेड ए सेब और गिफ्ट पैक की मांग बढ़ी है। हालांकि, इस साल सेब की फसल पर स्कैब बीमारी का व्यापक असर पड़ा है। इसके कारण बड़ी मात्रा में फल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है और मंडियों में बेहतर गुणवत्ता वाले सेब की आपूर्ति कम हो गई है। इसका सीधा असर बागवानों की आमदनी पर पड़ रहा है।

कश्मीर फ्रूट ग्रोअर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के महासचिव जहूर अहद तंत्रे के अनुसार, दीवाली के अवसर पर कश्मीरी सेब की मांग काफी अच्छी है। खासकर बड़े आकार के ग्रेड ए सेब और आकर्षक पैकिंग वाले गिफ्ट पैक की बाजार में अच्छी मांग बनी हुई है। हालांकि, स्कैब बीमारी के कारण इस बार फसल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। इसके चलते मंडियों में उच्च गुणवत्ता वाले सेब कम पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि त्योहार के कारण मांग बनी हुई है, लेकिन उसके अनुरूप अच्छी गुणवत्ता वाले सेब की उपलब्धता नहीं है।

तंत्रे ने बताया कि इस साल मंडियों में ग्रेड बी और ग्रेड सी के सेब की मात्रा अधिक है। एप्पल स्कैब नामक बीमारी के फैलने से फलों की बाहरी गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा है। बड़ी संख्या में सेब प्रभावित हुए हैं, जिसके कारण उन्हें बेहतर श्रेणी में रखना संभव नहीं हो पा रहा है। उनके अनुसार, मंडियों में पहुंचने वाले कुल सेबों में लगभग 50 से 55 प्रतिशत हिस्सा ग्रेड बी और सी का है। कुछ जगह यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच रहा है। इन श्रेणियों के सेबों की मौजूदा बाजार में मांग अपेक्षाकृत कम है, जिससे बागवानों को उचित दाम नहीं मिल पा रहे हैं।

एसोसिएशन महासचिव ने कहा कि सेब की किसी भी श्रेणी का उत्पादन करने में बागवानों को लगभग समान लागत उठानी पड़ती है। ग्रेड ए, बी और सी के सेबों की पैदावार के लिए बागों की देखभाल, खाद, दवाइयों, मजदूरी और परिवहन पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन बाजार में कीमत के मामले में तीनों श्रेणियों के बीच बड़ा अंतर होता है। ग्रेड ए के सेब अच्छी कीमत दिलाते हैं, जबकि ग्रेड बी और सी के फल अपेक्षाकृत कम दाम पर बिकते हैं।

स्थानांतरण मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संभाला मोर्चा, सौ से अधिक सरकारी कार्यालय पहुंचे जम्मू

दरबार मूव से जम्मू में लौटी प्रशासनिक रौनक, सचिवालय सक्रिय

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू में दरबार मूव कार्यालयों के फिर से खुलने पर मुख्यमंत्री उमर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर में करीब डेढ़ सौ वर्ष पुरानी प्रशासनिक परंपरा दरबार मूव के तहत सोमवार को शीतकालीन राजधानी जम्मू में सरकारी कार्यालयों ने औपचारिक रूप से कामकाज शुरू कर दिया। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 के शीतकालीन सत्र के लिए केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासनिक ढांचा अगले छह माह तक जम्मू से संचालित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जम्मू स्थित सिविल सचिवालय पहुंचे, जहां जम्मू-कश्मीर पुलिस की टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री के पहुंचने के साथ ही सचिवालय में प्रशासनिक गतिविधियां शुरू हो गईं।

दरबार मूव की वार्षिक व्यवस्था के तहत सिविल सचिवालय और अन्य सरकारी कार्यालयों को मौसम के अनुसार श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित किया जाता है। इस बार 100 से अधिक सरकारी कार्यालय श्रीनगर से जम्मू लाए गए हैं। इनमें मुख्यमंत्री सचिवालय सहित करीब 40 सरकारी कार्यालयों ने अपना पूरा कामकाज जम्मू में स्थानांतरित कर लिया है। इसके अलावा लगभग 50 विभागों और कार्यालयों को कैंप कार्यालय व्यवस्था के तहत रखा गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य सर्दियों के दौरान प्रशासनिक कामकाज में निरंतरता बनाए रखना और आम जनता को सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी तरह की परेशानी नहीं आने देना है।

निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार, कैंप कार्यालयों में स्वीकृत कर्मचारियों की कुल संख्या का 33 प्रतिशत स्टाफ अथवा अधिकतम 10 अधिकारी तैनात रहेंगे। इन दोनों में से जो संख्या कम होगी, उसी के अनुसार कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। हालांकि, सक्षम अधिकारियों की ओर से विशेष छूट या अलग निर्देश जारी किए जाने पर इस व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। इस व्यवस्था से जम्मू में मुख्यालय स्थानांतरित होने के बावजूद श्रीनगर और अन्य क्षेत्रों में विभागों के जरूरी कामकाज को जारी रखने में मदद मिलेगी। साथ ही प्रशासनिक समन्वय और जनता से जुड़े कार्यों को भी सुचारू बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा।

सचिवालय में कामकाज शुरू होने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मंत्रिपरिषद के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कर सकते हैं। इन बैठकों में विभिन्न विभागों के कामकाज, सरकारी योजनाओं की प्रगति और आम लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा किए जाने की संभावना है। सर्दियों के दौरान प्रशासन के सामने आने वाली चुनौतियों और जरूरी सेवाओं की उपलब्धता पर भी चर्चा हो सकती है। सरकार का प्रयास रहेगा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक समय पर पहुंचे और प्रशासनिक स्तर पर विभागों के बीच बेहतर तालमेल बना रहे।

1872 में महाराजा रणबीर सिंह ने शुरू की थी परंपरा

दरबार मूव जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसकी शुरुआत वर्ष 1872 में तत्कालीन महाराजा रणबीर सिंह ने की थी। मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकारी मुख्यालय को साल में दो बार श्रीनगर और जम्मू के बीच स्थानांतरित करने की यह परंपरा शुरू की गई थी। इसके तहत मई से अक्टूबर तक सरकारी कार्यालय ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर से संचालित होते हैं, जबकि सर्दियों के महीनों में जम्मू से प्रशासनिक कामकाज किया जाता है। इस व्यवस्था के माध्यम से दोनों क्षेत्रों में सरकारी गतिविधियों को सुचारू बनाए रखने का प्रयास किया जाता रहा है। वर्ष 2021 में दरबार मूव की परंपरा को बंद कर दिया गया था। हालांकि, नवंबर 2025 में निर्वाचित सरकार ने इसे दोबारा बहाल करने का निर्णय लिया। इसके बाद एक बार फिर मौसम के अनुसार सरकारी कार्यालयों का स्थानांतरण शुरू हुआ। सोमवार को जम्मू में शीतकालीन सचिवालय के औपचारिक रूप से कामकाज संभालने के साथ यह व्यवस्था फिर सक्रिय हो गई है। अगले छह माह तक जम्मू प्रशासनिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहेगा।

वोट बचाओ,



देश बचाओ! क्या रामलीला मैदान का आंदोलन 1974 के जेपी आंदोलन की याद दिला रहा है, या यह विपक्ष की एकजुटता का नया राजनीतिक संदेश?

लोकतंत्र में जनता के पास सबसे बड़ी ताकत उसका एक वोट है। इसी वोट के आधार पर सरकारें चुनी जाती हैं और जनप्रतिनिधियों को सत्ता तक पहुंचने का अवसर मिलता है। ऐसे में यदि मतदाता को अपने वोट और मतदाता सूची में नाम की सुरक्षा को लेकर ही चिंता होने लगे, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसका भरोसा कैसे कायम रहेगा? यही सवाल इन दिनों देश की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर 2026 को इंडिया गठबंधन की रैली ने मतदाता सूची, कथित वोट कटौती और चुनावी पारदर्शिता के मुद्दे को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में लाने की कोशिश की। विपक्ष इसे नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़ रहा है और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता तथा चुनाव आयोग की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है। हालांकि, इस आंदोलन की वास्तविक राजनीतिक ताकत और इसके दूरगामी प्रभावों का आकलन होना अभी बाकी है।

13 करोड़ वोट कटने का दावा: आखिर पूरा सच क्या है?

इस पूरे विवाद में आंकड़ों को समझना बेहद जरूरी है। विपक्ष का दावा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान लगभग 13 करोड़ मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग के अनुसार 13.39 करोड़ मतदाताओं को मृत, अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित और डुप्लीकेट जैसी श्रेणियों में चिह्नित किया गया था। इन सभी नामों को सीधे 13.39 करोड़ पात्र मतदाताओं के अंतिम मतदाता सूची से हटाए जाने के बराबर मानना सही नहीं होगा। आयोग का कहना है कि जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल नहीं हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा कर सकते हैं। इसलिए इस मुद्दे पर राजनीतिक आरोपों के साथ-साथ आधिकारिक आंकड़ों और पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया को समझना भी जरूरी है।

1 नवंबर की रैली को रॉयटर्स और एसोसिएटेड प्रेस सहित विदेशी मीडिया ने भी प्रमुखता से कवर किया। इससे मतदाता सूची और चुनावी पारदर्शिता से जुड़ा मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में आया। हालांकि, किसी मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जगह मिलने और उसके आधार पर राजनीतिक बदलाव होने के बीच अंतर है। इसका वास्तविक प्रभाव देश के भीतर जनसमर्थन और संस्थागत स्तर पर उठाए गए कदमों से तय होगा। विपक्ष के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती इस मुद्दे को केवल राजनीतिक मंचों और रैलियों तक सीमित रखने के बजाय आम मतदाताओं के बीच प्रभावी ढंग से पहुंचाने की है।



विकास बलूनी

क्या यह 1974 के जेपी आंदोलन जैसा है?

रामलीला मैदान की रैली के संदर्भ में 1974 के जेपी आंदोलन की चर्चा भी हो रही है। उस समय छात्र आंदोलन से शुरू हुई मुहिम भ्रष्टाचार, सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन की व्यापक मांग में बदल गई थी। मौजूदा आंदोलन में विपक्ष मतदाता सूची की पारदर्शिता, चुनाव आयोग की जवाबदेही और कथित वोट कटौती को प्रमुख मुद्दा बना रहा है। दोनों आंदोलनों की तुलना राजनीतिक भाषणों में की जा सकती है, लेकिन उन्हें समान मानना अभी जल्दबाजी होगी। किसी आंदोलन का ऐतिहासिक महत्व केवल रैली में जुटी भीड़ से तय नहीं होता, बल्कि उसके जनसमर्थन, निरंतरता, व्यापक भागीदारी और ठोस परिणामों से सामने आता है। इसके लिए जरूरी है कि आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर जनता की सक्रिय भागीदारी भी दिखाई दे।

उत्तराखंड में क्या होगा असर?

यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उत्तराखंड में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। एसआईआर के बाद 3 अक्टूबर को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में प्रदेश में 71.58 लाख मतदाता दर्ज हुए। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची की तुलना में लगभग 8.01 लाख की कमी बताई गई है। कांग्रेस ने इससे बड़ी कमी का दावा किया है, जबकि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने इस दावे पर अलग आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। ऐसे में मतदाता सूची में हुई कमी के कारणों और पात्र मतदाताओं के नाम शामिल होने की प्रक्रिया पर राजनीतिक बहस आगे भी जारी रह सकती है। प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों के लिए यह मुद्दा महत्वपूर्ण हो सकता है। खासकर उन क्षेत्रों में इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है, जहां मतदाता सूची में नामों की कमी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

एआई निर्मित चित्र।

वोट चोरी के खिलाफ विपक्षी एकजुटता ने बढ़ाई सियासी हलचल



एआई निर्मित चित्र।

विश्व के अनेक देशों में दक्षिणपंथी विचारधारा की सरकारों के खिलाफ जनता, युवाओं और छात्रों का असंतोष अब आंदोलन का रूप ले रहा है। इन सरकारों पर आरोप लग रहे हैं कि वे लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही हैं, मीडिया पर नियंत्रण स्थापित कर रही हैं और जनता की मूल समस्याओं से ध्यान हटाकर सत्ता में बने रहना चाहती हैं। हंगरी, सर्बिया, ब्राजील, इजरायल और अन्य देशों के राजनीतिक घटनाक्रम इस बदलते जनमत की चर्चा को तेज कर रहे हैं। सर्बिया में छात्रों ने भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली और मीडिया पर सरकारी नियंत्रण के खिलाफ जनता को एकजुट किया। इसी तरह ब्राजील में लूला की राजनीतिक वापसी ने दक्षिणपंथी राजनीति के सामने नई चुनौती पेश की। फ्रांस और इटली सहित कई देशों में भी महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा के गिरते स्तर को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

इन आंदोलनों से यह संदेश उभर रहा है कि राष्ट्रवाद के नाम पर जनता की वास्तविक समस्याओं को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। दक्षिणपंथी राजनीति के साथ जुड़ा आक्रामक राष्ट्रवाद, धार्मिक ध्रुवीकरण और मीडिया के जरिए बनाए जाने वाले राजनीतिक विमर्श अब जनता के सवालों के सामने चुनौती का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में भी ट्रंप की नीतियों, महंगाई और युद्ध संबंधी फैसलों को लेकर असंतोष बढ़ने की चर्चा है। मध्यावधि चुनाव के परिणामों पर पूरी दुनिया की नजर है।

भारत भी इस राजनीतिक बदलाव से अछूता नहीं है। यहां विपक्ष चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर सवाल उठा रहा है। चुनाव आयोग की जवाबदेही और मुख्य चुनाव आयुक्त को मिलने वाले कानूनी संरक्षण को लेकर भी बहस हो रही है। विपक्ष का आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है और वोट चोरी जैसे मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण का सहारा लिया जा रहा है। दूसरी ओर, मीडिया के एक बड़े हिस्से पर सरकार के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और



अशोक चौबे

महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार तथा महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को पर्याप्त महत्व नहीं देने के आरोप लग रहे हैं।

पहली नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने लोकतंत्र बचाने तथा कथित वोट चोरी के खिलाफ महारैली आयोजित की। इस रैली में विभिन्न विपक्षी दलों की भागीदारी ने राजनीतिक एकजुटता का संदेश दिया। रैली के विरोध में आर्थिक नुकसान और अन्य मुद्दों को उठाया गया, लेकिन विपक्ष का दावा है कि इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल हुए। आयोजकों ने इसे शांतिपूर्ण और संगठित लोकतांत्रिक विरोध का उदाहरण बताया। इस आयोजन ने यह भी दिखाया कि चुनावी पारदर्शिता का मुद्दा अब विपक्षी राजनीति के केंद्र में आ गया है।

भाजपा और विपक्ष के बीच इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव लगातार तेज हो रहा है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार धार्मिक मुद्दों के माध्यम से जनता का ध्यान मूल समस्याओं से हटाना चाहती है, जबकि सरकार और उसके समर्थक इन आरोपों को राजनीतिक विरोध का हिस्सा मानते हैं। ऐसे माहौल में मीडिया की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह सत्ता और विपक्ष दोनों से सवाल करे तथा जनता के सामने तथ्यों को रखे।

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने का नाम नहीं है, बल्कि इसमें निष्पक्ष चुनाव, स्वतंत्र मीडिया, जवाबदेह संस्थाएं और नागरिकों को असहमति जताने का अधिकार भी शामिल है। वोट चोरी के आरोपों की निष्पक्ष जांच और चुनाव आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए आंदोलन को गांवों और शहरों तक पहुंचाने के साथ शांतिपूर्ण संवैधानिक रास्ते अपनाने होंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण के लिए जिम्मेदार कौन?

पहाड़ों की खामोशी पर भारी पड़ता ध्वनि प्रदूषण



एआई निर्मित चित्र।

देवभूमि हिमाचल प्रदेश को शांत वातावरण, प्राकृतिक सुंदरता और स्वच्छ आबोहवा के लिए जाना जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश में ध्वनि प्रदूषण की समस्या धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। प्रदेश के शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक तेज आवाज में बजने वाले वाहनों के अनावश्यक प्रेशर हॉर्न, शादी समारोहों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में देर रात तक बजने वाले डीजे तथा लाउडस्पीकर लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। ध्वनि प्रदूषण का बढ़ता स्तर न केवल आम जनजीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और मानसिक शांति पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

हिमाचल प्रदेश देश के उन क्षेत्रों में शामिल है, जहां लोग प्राकृतिक शांति और सुकून की तलाश में पहुंचते हैं। यहां की पहाड़ियां, जंगल, नदियां और शांत वातावरण प्रदेश की विशेष पहचान हैं। लेकिन बदलती जीवनशैली, वाहनों की बढ़ती संख्या, शहरीकरण और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित प्रयोग के कारण कई स्थानों पर शोर की समस्या गंभीर होती जा रही है। सबसे बड़ी समस्या सड़कों पर चलने वाले वाहनों के अनावश्यक हॉर्न से पैदा हो रही है। कई वाहन चालक सामान्य हॉर्न के बजाय तेज आवाज वाले प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करते हैं। खासकर भारी वाहनों, निजी बसों, ट्रकों और कुछ दोपहिया वाहनों में तेज आवाज वाले हॉर्न लगाए जा रहे हैं। कुछ वाहनों के हॉर्न तो गोली चलने जैसी आवाज करते हैं। ये लोगों का ध्यान आकर्षित करने के बजाय आसपास रहने वालों के लिए परेशानी पैदा करते हैं। कई बार सड़क खाली होने के बावजूद चालक अनावश्यक रूप से हॉर्न बजाते रहते हैं।

अस्पतालों, स्कूलों, शिक्षण संस्थानों और रिहायशी इलाकों के आसपास इस तरह का शोर अधिक परेशानी पैदा करता है। बुजुर्गों, छोटे बच्चों, मरीजों और पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को इससे विशेष रूप से दिक्कत होती है। रात के समय वातावरण अपेक्षाकृत शांत होने के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में घाटियों और पहाड़ों के बीच आवाज दूर तक सुनाई देती है। इससे आसपास के कई इलाकों में रहने वाले लोगों की नींद और दिनचर्या प्रभावित होती है।

विशेषज्ञों के अनुसार लगातार तेज आवाज के संपर्क में रहने से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा नींद में कमी, चिड़चिड़ापन, तनाव, सिरदर्द और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। लंबे समय तक ध्वनि प्रदूषण का सामना करने से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर अधिक महसूस किया जा सकता है। विद्यार्थियों के लिए शांत वातावरण पढ़ाई और एकाग्रता के लिहाज से जरूरी है, जबकि अस्पतालों में भर्ती मरीजों को आराम और पर्याप्त नींद की आवश्यकता होती है। ऐसे में अनावश्यक शोर उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रक्रिया में बाधा डालता है।



विजय शर्मा

देश में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम के तहत ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 लागू हैं। इन नियमों के अनुसार औद्योगिक, व्यावसायिक, आवासीय और शांत क्षेत्रों के लिए अलग-अलग ध्वनि स्तर निर्धारित किए गए हैं। सामान्य परिस्थितियों में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर और सार्वजनिक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। विशेष अवसरों पर राज्य सरकार की ओर से निर्धारित शर्तों के अनुसार सीमित छूट दी जा सकती है। अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और न्यायालयों के आसपास घोषित शांत क्षेत्रों में ध्वनि नियंत्रण के विशेष प्रावधान लागू होते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों, विज्ञान के साथ खड़े हों



एआई निर्मित चित्र।



शिवालिक अवस्थी

स्वस्थ मनुष्य का जीवन एक खुशहाल जीवन माना जाता है। किसी भी मनुष्य के जीवन में न केवल शारीरिक अपितु मानसिक एवं सामाजिक स्वस्थता भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी गई है। यदि हमारा शरीर स्वस्थ होगा तभी हम किसी कार्य को बेहद सरल तरीके से करने में सक्षम बन सकेंगे। उचित व्यायाम व सही खानपान ही प्रबल रूप से हमारे शरीर को स्वस्थ बनाने में सहायक माने गए हैं। इसलिए कम से कम स्वयं के शरीर की देखभाल करना एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू माना गया है, परंतु आजकल के दौर की इस भागमभाग में क्या हम अपने शरीर की उचित देखभाल कर पा रहे हैं अथवा नहीं? इसका जवाब ज्यादातर नहीं सुनने की मिलेगा। किसी भी इंसान के जीवन में रोटी, कपड़ा और मकान इन तीन मूलभूत आवश्यकताओं का अक्सर जिक्र किया जाता है, जिसमें ज्यादातर इंसान की कोशिश रहती है कि कपड़ा और मकान सबसे बेहतर और अनोखा दिखे और वो इसलिए, क्योंकि इन दोनों पहलुओं से समाज में इंसान अपनी प्रतिष्ठा साबित करना चाहता है लेकिन रोटी जो हमारे स्वस्थ शरीर हेतु तीसरा और सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्तंभ है, इस ओर इंसान ज्यादा ध्यान नहीं दे पा रहा है। आजकल रोटी के लिए तो इंसान के पास समय ही नहीं रहा है। हमारे खानपान की बात करें तो बाजार में मिलने वाले खाद्य पदार्थ भी ज्यादातर रासायनिक तरीकों से उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। जैविक खेती तो मानो कहीं लुप्त होती जा रही है।

सही खानपान की आदत मानो इंसानों के बीच से कहीं गायब होती जा रही है। नतीजन, हमारे समाज में स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां अपने पांव पसारती जा रही हैं। एक तो स्वस्थवर्धक फल सब्जियां बाजारों में मिलना कठिन हो गया है और ऊपर से जो कुछ थोड़ा बहुत उपलब्ध है, उसे भी खाने का उचित समय इंसान के पास नहीं रहा है। कहने का तात्पर्य यह है कि आज का व्यस्त इंसान स्वयं ही बीमारियों को न्योता देते फिर रहा है। यही कारण है जो आज शुगर (मधुमेह), बीपी (रक्तचाप) और हृदय संबंधी कई अन्य बीमारियों ने जगह जगह दस्तक देना शुरू कर दिया है और जिनका भारत देश में ही आंकड़ा करोड़ों तक का पहुंच गया है। हमारा स्वास्थ्य, बीमारियों की गिरफ्त में जाता दिखाई दे रहा है जिनसे छुटकारा पाना कठिन सा प्रतीत होने लगा है। खैर, आज क्यों हम स्वास्थ्य पर चर्चा कर रहे हैं आइए इस पर प्रकाश डालने का प्रयास करते हैं। दरअसल, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समूचे विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस बार थीम था- 'टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस यानी स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों।' यह थीम, लोगों, जानवरों, पौधों आदि की रक्षा की ओर केंद्रित की गई थी। यह विषय हमें समझा रहा है कि हम सभी को एकजुट होकर अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

पिता के साये में संवरता जीवन

मानव जीवन में माता-पिता दोनों का स्थान सर्वोपरि होता है। जहां मां अपने स्नेह, ममता और वात्सल्य से परिवार को भावनात्मक रूप से जोड़कर रखती है, वहीं पिता परिवार की मजबूती, सुरक्षा और जिम्मेदारियों का आधार होते हैं। पिता का महत्व केवल परिवार के पालन-पोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि वे संतान के व्यक्तित्व निर्माण, विचारों, संस्कारों और भविष्य को दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पिता वह व्यक्ति होते हैं, जो अपनी इच्छाओं और जरूरतों को पीछे रखकर बच्चों के सपनों को पूरा करने के लिए जीवनभर संघर्ष करते रहते हैं। उनकी मेहनत अक्सर दिखाई नहीं देती, लेकिन परिवार की खुशियों और बच्चों की सफलताओं के पीछे उनका बड़ा योगदान होता है।

पिता का जीवन त्याग, अनुशासन और जिम्मेदारियों का प्रतीक होता है। वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। कई बार आर्थिक परेशानियों, सामाजिक चुनौतियों और व्यक्तिगत कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद वे अपने बच्चों के सामने मजबूती से खड़े रहते हैं। उनकी कोशिश रहती है कि जिन कठिनाइयों से उन्हें गुजरना पड़ा, उनके बच्चों को उन परिस्थितियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए वे अपनी इच्छाओं का त्याग करने से भी पीछे नहीं हटते। बच्चों की अच्छी शिक्षा, बेहतर भविष्य और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करना उनके जीवन का प्रमुख उद्देश्य बन जाता है।

पिता बच्चों के पहले मार्गदर्शकों में से एक होते हैं। वे उन्हें केवल सही और गलत का अंतर ही नहीं समझाते, बल्कि जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने का साहस भी देते हैं। पिता के व्यवहार, निर्णय लेने की क्षमता और संघर्ष करने के तरीके से बच्चे बहुत कुछ सीखते हैं। वे बच्चों को आत्मनिर्भर बनने, मेहनत करने, समय का महत्व समझने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देते हैं। जीवन में असफलता मिलने पर हार मानने के बजाय दोबारा प्रयास करने की सीख भी पिता से ही मिलती है। उनका अनुभव बच्चों के लिए ऐसी पूंजी होता है, जो जीवन के हर मोड़ पर काम आता है।

बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। परिवार में पिता का व्यवहार बच्चों के आत्मविश्वास, सोच और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करता है। जब पिता बच्चों की बात ध्यान से सुनते हैं, उनकी भावनाओं को समझते हैं और उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करते हैं, तो उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। इसके विपरीत, केवल अनुशासन और अपेक्षाओं पर आधारित संबंध बच्चों और पिता के बीच भावनात्मक दूरी पैदा कर सकते हैं। इसलिए आज के समय में पिता के लिए यह जरूरी है कि वे बच्चों को समय दें, उनसे खुलकर बातचीत करें और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास करें।

बदलते सामाजिक परिवेश में पिता की भूमिका भी निरंतर बदल रही है। पहले परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों को मुख्य रूप से पिता की भूमिका माना जाता था, लेकिन अब वे बच्चों की भावनात्मक जरूरतों, शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। आधुनिक पिता बच्चों के साथ खेलते हैं, उनकी पढ़ाई में सहयोग करते हैं और उनके सपनों को समझने का प्रयास करते हैं। यह बदलाव परिवार के भीतर बेहतर संवाद और मजबूत संबंधों का आधार बन रहा है। बच्चों के विकास के लिए माता और पिता दोनों का समान सहयोग आवश्यक है।

पिता बच्चों को आर्थिक अनुशासन और जिम्मेदारी का महत्व भी सिखाते हैं। वे अपनी मेहनत से यह उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि सफलता का कोई आसान रास्ता नहीं होता। ईमानदारी, धैर्य, आत्मसम्मान और निरंतर प्रयास से ही जीवन में स्थायी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। जब बच्चे अपने पिता को विपरीत परिस्थितियों में भी जिम्मेदारियों से पीछे हटते नहीं देखते, तो उनके भीतर भी कठिनाइयों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। पिता की यही सीख उन्हें भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक और संवेदनशील इंसान बनने में मदद करती है।

हालांकि, अक्सर पिता के प्रेम को मां की तरह खुलकर व्यक्त नहीं किया जाता। कई पिता अपनी भावनाएं शब्दों में व्यक्त करने के बजाय अपने कार्यों से प्रेम जताते हैं। बच्चों की छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखना, उनकी सुरक्षा के लिए चिंतित रहना, उनकी असफलताओं में साथ खड़े रहना और सफलता पर गर्व महसूस करना उनके स्नेह के अलग-अलग रूप हैं। कभी-कभी उनका कठोर व्यवहार भी बच्चों के बेहतर भविष्य की चिंता से जुड़ा होता है। हालांकि, यह जरूरी है कि अनुशासन के साथ संवाद और भावनात्मक अपनापन भी बना रहे।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को भी अपने पिता के योगदान को समझने की आवश्यकता है। केवल उनकी आर्थिक उपलब्धियों को नहीं, बल्कि उनके संघर्ष, त्याग और भावनात्मक जरूरतों को भी महत्व देना चाहिए। माता-पिता की उम्र बढ़ने के साथ उनकी देखभाल करना, उनके साथ समय बिताना और उनकी बातों को सम्मान देना संतान का नैतिक दायित्व है। जिस तरह पिता बचपन में बच्चों का सहारा बनते हैं, उसी तरह जीवन के अगले पड़ाव में बच्चों को भी उनका सहारा बनना चाहिए। वास्तव में पिता केवल परिवार के मुखिया नहीं, बल्कि संतान के जीवन की मजबूत नींव होते हैं। उनका संघर्ष बच्चों को सपने देखना सिखाता है और उनका अनुभव उन सपनों को साकार करने का रास्ता दिखाता है। पिता का महत्व किसी एक दिन या अवसर तक सीमित नहीं किया जा सकता।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

मानव कल्याण के पैरोकार

अमर्त्य कुमार सेन भारत के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और दार्शनिक हैं, जिन्हें वर्ष 1998 में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें यह सम्मान



अमर्त्य सेन

जन्म : 3 नवंबर 1933

कल्याणकारी अर्थशास्त्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए मिला। उन्होंने सामाजिक चयन सिद्धांत, आर्थिक एवं सामाजिक न्याय, अकाल की आर्थिक परिस्थितियों, विकास अर्थशास्त्र, सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानव कल्याण के मूल्यांकन जैसे विषयों पर उल्लेखनीय कार्य किया है। अमर्त्य सेन ने वर्ष 1972 से इंग्लैंड और अमेरिका में अध्यापन एवं शोध कार्य किया। वर्तमान में वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय में थॉमस डब्ल्यू. लैमोंट यूनिवर्सिटी प्रोफेसर तथा अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर हैं। इससे पहले वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के ट्रिनिटी कॉलेज के प्रमुख भी रह चुके हैं। वर्ष 1999 में उन्हें आर्थिक चिंतन में योगदान के लिए भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वर्ष 2020 में उन्हें वैश्विक न्याय, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में असमानता दूर करने के लिए जर्मन बुक ट्रेड के शांति पुरस्कार से नवाजा गया।

अमर्त्य सेन का जन्म 3 नवंबर 1933 को तत्कालीन ब्रिटिश भारत के बंगाल के शांतिनिकेतन में हुआ था। उनके पिता आशुतोष सेन ढाका विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर थे। बाद में उन्होंने दिल्ली में विकास आयुक्त और पश्चिम बंगाल लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उनकी माता अमिता सेन प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान क्षितिमोहन सेन की बेटी थीं। अमर्त्य सेन का नाम महान साहित्यकार और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने रखा था। उनके परिवार का संबंध वर्तमान बांग्लादेश के ढाका और माणिकगंज से था। वर्ष 1945 में उनका परिवार पश्चिम बंगाल आ गया। सेन ने वर्ष 1940 में ढाका के सेंट ग्रेगरी स्कूल से शिक्षा शुरू की। इसके बाद उन्होंने शांतिनिकेतन के पाठ भवन में पढ़ाई की। यहां शिक्षा के साथ सांस्कृतिक विविधता और स्वतंत्र विचारों को विशेष महत्व दिया जाता था। वर्ष 1951 में उन्होंने कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में दाखिला लिया और अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसी दौरान उन्हें मुंह का कैंसर होने का पता चला। चिकित्सकों ने उनके पांच वर्ष तक जीवित रहने की संभावना केवल 15 प्रतिशत बताई थी, लेकिन रेडिएशन उपचार के बाद उन्होंने इस बीमारी पर विजय प्राप्त की।

कविता

जागृति

डॉ पी सी कौंडल, वरिष्ठ साहित्यकार

आओ सब मिलजुल कर हम
साक्षरता अभियान चलाएं।
निरक्षर भाई बहनों को पढ़ाने में
हम अपना हाथ बटाएं।।
रोज सुबह शाम ऐसा कर के
हम सब अपना फ़र्ज़ निभाए।
अपने आस पास अंगूठा छाप
बंधुओं को हम साक्षर बनाएं।।
डाक खानों,बैंकों में उनसे हम
अंगूठे की जगह हस्ताक्षर करवाएं
क्यों न हम सब मिलजुल कर
निरक्षरों को पूर्ण साक्षर बनाएं।।
जिनके नाम कोई पत्र आए
उसी से हम उसको पढ़वाएं।
उस पत्र का उत्तर भी हम
उसी के हाथों लिखवाएं।।
अपने साथियों, वजूर्गों को
हम इस काबिल बनाए।
ताकि वे कहीं भी जाकर
किसी से धोखा न खाएं।।
आओ समस्त भेदभावों को मिटाकर
हम सब एक हो जाएं।
इस पुनीत अनुभव को लेकर हम
नए युग का सूत्रपात कराएं।।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437

ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

उपायुक्त ने नियमित जांच और जागरूकता बढ़ाने पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग ने नशा निवारण केंद्रों और जेल में विशेष स्क्रीनिंग अभियान चलाया। इस दौरान 1,340 लोगों की हेपेटाइटिस-सी जांच की गई, जिसमें 74 लोग संक्रमित पाए गए। इनमें 49 लोग 30 वर्ष से कम और 25 लोग 30 वर्ष से अधिक आयु के हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 64 लोगों के वायरल लोड टेस्ट किए गए, जिनमें से 49 का उपचार शुरू कर दिया गया है। उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने नियमित स्क्रीनिंग जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने इंजेक्शन से नशा करने वालों को जागरूक करने पर जोर देते हुए कहा कि एक ही सुई का कई लोगों द्वारा इस्तेमाल संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ाता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय की छठी कक्षा प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर को होगी आयोजित

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय कोठीपुरा में छठी कक्षा में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा-2027 का आयोजन 28 नवंबर 2026 को जिला बिलासपुर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में किया जाएगा। परीक्षा सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगी। सभी अभ्यर्थियों को सुबह 10 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राकेश कटोच ने बताया कि अभ्यर्थी 28 अक्टूबर से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रवेश पत्र और अनुक्रमांक डाउनलोड कर सकते हैं। बिना प्रवेश पत्र के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। अभ्यर्थी केवल अपने आवंटित परीक्षा केंद्र पर ही परीक्षा दे सकेंगे। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में परेशानी होने पर अभ्यर्थी विद्यालय कार्यालय में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। प्रभारी प्राचार्य ने अभिभावकों से समय रहते प्रवेश पत्र डाउनलोड करने, उसमें दर्ज विवरण और परीक्षा केंद्र की जांच करने तथा बच्चों को निर्धारित समय से पहले केंद्र पहुंचाने की अपील की है।

कांगड़ा के 78 स्कूलों में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत बच्चों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा जिले के 78 स्कूलों में 27 से 31 अक्टूबर तक बाल अधिकारों और सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धर्मशाला और उपमंडलीय विधिक सेवा समितियों ने यह अभियान आयोजित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आर. मिहुल शर्मा ने बताया कि मुख्य इकाई ने 13 और उपमंडलीय समितियों ने 65 स्कूलों में बच्चों को जागरूक किया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, अच्छे-बुरे स्पर्श, ऑनलाइन सुरक्षा, बाल विवाह और बाल शोषण से जुड़े कानूनों की जानकारी दी गई। न्यायिक अधिकारियों, वकीलों, पुलिस, बाल कल्याण समिति और जागोरी ट्रस्ट के विशेषज्ञों ने बच्चों से संवाद किया। जागरूकता रैलियों के साथ चित्रकला, प्रश्नोत्तरी, नृत्य और गायन प्रतियोगिताएं भी करवाई गईं। शर्मा ने कहा कि अभियान का उद्देश्य बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर गलत गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना था।

पठानकोट में 18 दिन में झपटमारी की पांच वारदातें, महिलाओं में दहशत

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। त्योहारी सीजन में पठानकोट में झपटमारों की सक्रियता बढ़ गई है। पिछले 18 दिनों में जिले में पांच झपटमारी की वारदातें सामने आई हैं। ताजा मामले में ढांगू रोड स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में घर के बाहर झाड़ू लगा रही पुष्पा देवी की करीब चार तोले सोने की बालियां झपट ली गईं। घटना एक नवंबर सुबह करीब 10 बजे हुई। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी सन्नी मसीह उर्फ बांका निवासी सुंदर नगर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इससे पहले सरना, आनंदपुर रोड, राजड़ियां मोहल्ला और तारागढ़ में भी महिलाओं को निशाना बनाया गया। लगातार हो रही घटनाओं से लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और झपटमारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गांधी चौक में भाजपा रैली के विरोध में व्यापार मंडल ने जताई आपत्ति

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। शहर के मुख्य गांधी चौक में चार नवंबर को प्रस्तावित भाजपा रैली को लेकर जिला व्यापार मंडल ने आपत्ति जताई है। व्यापार मंडल ने उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर रैली की अनुमति न देने का आग्रह किया है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुमित ठाकुर ने कहा कि त्योहारी सीजन के चलते बाजारों में खरीदारी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। शहर में पहले से ही पार्किंग और जाम की समस्या बनी हुई है। ऐसे में गांधी चौक पर रैली आयोजित होने से यातायात प्रभावित होने के साथ दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित हो सकता है। व्यापार मंडल ने प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए अनुमति नहीं देने की मांग की है। साथ ही कार्यक्रम के लिए बाजार से बाहर किसी अन्य उपयुक्त स्थान का विकल्प सुझाया है।

केंद्रीय विवि में हिंदी-पंजाबी मुहावरा कोश निर्माण संबंधी तृतीय कार्यशाला का शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी-पंजाबी मुहावरा कोश निर्माण संबंधी पांच दिवसीय तृतीय कार्यशाला का सोमवार को शुभारंभ हुआ। दो से छह नवंबर तक आयोजित इस कार्यशाला का आयोजन पंजाबी एवं डोगरी विभाग तथा हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग ने केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के सहयोग से किया है। कार्यशाला में दोनों भाषाओं के मुहावरों का संकलन, विश्लेषण और तुलनात्मक अध्ययन किया जाएगा। विशेषज्ञ मुहावरों की भाषाई संरचना, अर्थ, प्रयोग और सांस्कृतिक संदर्भों पर चर्चा करेंगे। इससे पहले आगरा और पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में दो कार्यशालाएं आयोजित हो चुकी हैं। इस श्रृंखला में दो और कार्यशालाएं होंगी, जिसके बाद कोश का प्रकाशन किया जाएगा। कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कहा कि यह कोश भाषा अध्ययन, अनुवाद और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इससे हिंदी और पंजाबी की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समानताओं को समझने में मदद मिलेगी।

विदेशी ताकतों और टूलकिट के सहारे सत्ता परिवर्तन का सपना देख रही कांग्रेस : सुधीर शर्मा

खाली कुर्सियों का हवाला देकर राहुल गांधी के नेतृत्व पर उठाए सवाल



सनी महाजन, भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडी गठबंधन की रैली और राहुल गांधी के बयानों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार के जनादेश का सम्मान करने के बजाय देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं।

सुधीर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। देश आधारभूत ढांचे, तकनीक और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक ताकतें विदेशी सहयोग और बाहरी टूलकिट के सहारे भारत की प्रगति रोकने का प्रयास कर रही हैं। सुधीर शर्मा ने राहुल गांधी के उस बयान पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक चुनावी जवाबदेही तय करने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की आलोचना तथ्यों और कानूनी प्रक्रियाओं के आधार पर होनी चाहिए। बिना ठोस प्रमाण संस्थाओं के खिलाफ अभियान चलाने से लोकतांत्रिक व्यवस्था में अविश्वास पैदा होता है। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस अपनी चुनावी हार का आत्ममंथन करने के बजाय बार-बार निर्वाचन आयोग को निशाना क्यों बना रही है। सुधीर शर्मा ने दावा किया कि रामलीला मैदान की रैली अपेक्षित जनसमर्थन जुटाने में विफल रही। उन्होंने कहा कि पार्टी पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं को रैली में पहुंचने के निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद मैदान में बड़ी संख्या में कुर्सियां खाली दिखाई दीं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी सत्ता परिवर्तन का सपना देख रहे हैं, जबकि खाली कुर्सियां कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति बयां कर रही थीं। उन्होंने कांग्रेस को सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाने की सलाह देते हुए कहा कि उसे रोजगार, अर्थव्यवस्था, विकास और जनसमस्याओं पर सार्थक चर्चा करनी चाहिए।

निराधार आरोपों के बजाय ठोस नीतियों के साथ जनता के सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की जिम्मेदारी केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि देशहित से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक सुझाव देना भी है। जनता विकास, रोजगार और बेहतर सुविधाएं चाहती है। ऐसे में कांग्रेस को अपनी राजनीतिक रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है और जनता सरकार की नीतियों पर भरोसा जता रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि नकारात्मक राजनीति और भ्रामक आरोपों से देश की जनता को गुमराह नहीं किया जा सकता।

सनातन सेवा में गायत्री परिवार का योगदान अजर-अमर : अनुराग सिंह ठाकुर

◆ अनुराग ठाकुर ने गायत्री परिवार के सदस्यों से किया संवाद



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने दिल्ली में गायत्री परिवार की परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी और अखंड ज्योति के प्रज्वलन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ गायत्री परिवार के सदस्यों से संवाद किया।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी का जीवन त्याग, तपस्या, सेवा और लोकमंगल की भावना का अनुपम उदाहरण है। गायत्री परिवार ने गायत्री मंत्र की महत्ता जन-जन तक पहुंचाने के साथ जाति-पाति और लिंगभेद जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके प्रेरक विचारों ने समाज को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल आर्थिक समृद्धि और आधुनिक तकनीक में नहीं, बल्कि नागरिकों के चरित्र, सामाजिक एकता और आपसी विश्वास में निहित है। भारतीय धर्म और संस्कार स्वहित से पहले राष्ट्रहित को प्राथमिकता देना सिखाते हैं। राष्ट्रहित सर्वोपरि होने पर ही विकास व्यापक और स्थायी बन सकता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता हमेशा मानवता, सह-अस्तित्व और लोककल्याण का संदेश देती रही है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना और सांस्कृतिक एकता को अपनाकर ही विकास के साथ करुणा और समृद्धि के साथ सेवाभाव को आगे बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भी समाजसेवा, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में गायत्री परिवार के योगदान को याद किया।

न्यूयॉर्क हादसे में जान गंवाने वाले रोमांच की स्मृति में हुआ समारोह

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में हुए हादसे में जान गंवाने वाले पठानकोट के 18 वर्षीय रोमांच महाजन की स्मृति में रविवार को डल्हौजी रोड स्थित होटल ओपुलेंस में श्रद्धांजलि कार्यक्रम 'अनुभूति' आयोजित किया गया। इसमें जिले की राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, कारोबारियों, समाजसेवियों और शहरवासियों ने शामिल होकर रोमांच के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान उनके पिता दीपक महाजन और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में दिखाई गई लघु डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से रोमांच के 18 वर्षों के जीवन सफर और उनके निधन के बाद न्यूयॉर्क में 160 साल पुरानी घोड़ा-बग्गी परंपरा समाप्त किए जाने की जानकारी दी गई। उनके दादा विनोद महाजन ने बताया कि रोमांच धार्मिक विचारों वाला अनुशासित बालक था। छह वर्ष की उम्र से ही वह गुरबाणी से जुड़ गया



था। मार्केट कमेटी के चेयरमैन समीर शारदा ने कहा कि रोमांच के नाम पर अमेरिका में 'रोमांच लॉ' बनाया जाना पठानकोट के लिए गर्व की बात है।

पेटा ने भी अपने वर्जीनिया स्थित मुख्यालय के 'ट्री ऑफ लाइफ' पर उनके नाम की पत्ती समर्पित की है। आर्टिस्ट शम्मी चौधरी ने रोमांच के नाम पर ट्रस्ट बनाने का प्रस्ताव रखा, जो आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी बच्चों की स्कूली और उच्च शिक्षा का खर्च उठाए। परिवार और उपस्थित लोगों ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई।इस अवसर पर शहर के प्रमुख कारोबारियों सतीश महिंद्रू, इंद्रजीत गुप्ता और सुनील महाजन ने भी आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोमांच की स्मृतियों को जीवित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

शिलाई में खाई में गिरी कार, पिता-पुत्र की मौत, 10 वर्षीय बेटी सुरक्षित मिली

भारतेन्दु संवाददाता, शिलाई। सिरमौर जिले के शिलाई क्षेत्र में रविवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पिता और आठ वर्षीय बेटे की मौत हो गई, जबकि कार में सवार उनकी 10 वर्षीय बेटी सुरक्षित बच गई। हादसा कांडो-भटनोल गांव के समीप हुआ। दुर्घटना के बाद बच्ची घटनास्थल से लापता हो गई थी, जिसे पुलिस और स्थानीय लोगों ने रातभर चले तलाशी अभियान के बाद सुरक्षित ढूंढ निकाला।

पुलिस के अनुसार रविवार रात करीब 11:30 बजे पुलिस थाना शिलाई को सूचना मिली कि कांडो-भटनोल के पास एक ब्रेजा कार (एचपी 85-0365) दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में कार सवार सोहन सिंह (40) पुत्र हीरा सिंह निवासी गांव कमोटा, तहसील शिलाई और उनके आठ वर्षीय बेटे शिवांशु ठाकुर की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद सोहन सिंह की 10 वर्षीय बेटी अन्वी ठाकुर घटनास्थल पर नहीं मिली। इसके बाद पुलिस कर्मियों और स्थानीय लोगों ने बच्ची की तलाश शुरू की। रातभर चले अभियान के दौरान घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूर बच्ची सुरक्षित हालत में मिली। उसे हल्की चोटें आई हैं। बच्ची के सुरक्षित मिलने पर राहत मिली।

पुलिस ने दोनों मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल पांवटा साहिब भेज दिए हैं। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। इस संबंध में पुलिस थाना शिलाई में आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि हादसे की परिस्थितियों और कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

कांग्रेस को जनता नहीं, केवल फर्जी वोट कटने का दर्द : राजेंद्र राणा



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा के देशव्यापी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की जन जागरण पदयात्रा 4 नवंबर को निकाली जाएगी। इसमें संसदीय क्षेत्र की सभी 17 विधानसभा क्षेत्रों से पार्टी कार्यकर्ता और आम जनता शामिल होंगे। पदयात्रा सुबह करीब 11 बजे कुमार पैलेस के समीप बाईपास से शुरू होकर भोटा चौक और मुख्य बाजार होते हुए गांधी चौक पहुंचेगी।

यहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल और स्थानीय सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने बयान जारी कर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनने से कांग्रेस बौखला गई है और सत्ता की लालसा में देशभर में अराजकता फैला रही है। उनके अनुसार, कांग्रेस के ऐसे प्रयास देश की उन्नति में बाधा डालने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस के विरोध पर राणा ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि वोट चोरी हो रही है तो कांग्रेस को इसके प्रमाण देने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं कर पा रही है। राणा ने कहा कि लोकतंत्र में फर्जी वोटों के बजाय वास्तविक मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित होने चाहिए। भाजपा इसी उद्देश्य से जन जागरण पदयात्रा निकाल रही है। राणा ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य मतदाता सूची को पारदर्शी बनाना और प्रत्येक योग्य नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पदयात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

भाजपा परिवहन प्रकोष्ठ की टीम ने पूर्व मुख्यमंत्री धूमल से की शिष्टाचार भेंट

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी परिवहन प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विनोद सोनी ने रविवार को अपनी टीम के साथ समीरपुर में पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रो. प्रेम कुमार धूमल से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान प्रो. धूमल ने कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति समर्पण, अनुशासन और निष्ठा के साथ काम करने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठनात्मक ढांचे पर निर्भर करती है। कार्यकर्ताओं को अपनी जिम्मेदारियां पूरी ईमानदारी और लगन से निभानी चाहिए। विनोद सोनी ने प्रो. धूमल का आभार जताते हुए कहा कि उनका राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक कौशल पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए



प्रेरणास्रोत है। उनका मार्गदर्शन संगठन को मजबूत बनाने में सहायक है।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर, समीरपुर मंडल अध्यक्ष अभयवीर लवली, भोरंज मंडल अध्यक्ष अशोक ठाकुर, जोगिंदर सिंह, हरनाम सिंह, वीरेंद्र ठाकुर, सतीश कुमार, रघुवीर सिंह, राकेश बिट्टू, संजीव शर्मा और दिनेश पटियाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों और कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई।

एसडीएम डॉ. अंजलि ने जारी किए निर्देश, एंबुलेंस और अग्निशमन वाहनों को रहेगी छूट

दीपावली के मद्देनजर 7 और 8 नवंबर को कांगड़ा मुख्य बाजार में चारपहिया वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। दीपावली पर्व के दौरान कांगड़ा मुख्य बाजार में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और आम जनता की सुरक्षा के लिए विशेष कदम उठाया है। एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजलि गर्ग ने आदेश जारी कर 7 और 8 नवंबर 2026 को मुख्य बाजार में चारपहिया वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन दोनों दिनों में बाजार क्षेत्र में किसी भी चारपहिया वाहन को आने की अनुमति नहीं होगी।

प्रशासन की ओर से जारी आदेशों के अनुसार, यह प्रतिबंध दीपावली के दौरान बाजार में बढ़ने वाली लोगों की आवाजाही और भीड़ को ध्यान में रखकर लगाया गया है। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं को इस प्रतिबंध



से छूट दी गई है। एंबुलेंस, अग्निशमन विभाग के वाहन और अन्य आवश्यक आपातकालीन सेवा वाहन जरूरत पड़ने पर बाजार में प्रवेश कर सकेंगे। एसडीएम डॉ. अंजलि गर्ग ने नगर परिषद कांगड़ा, पुलिस विभाग और अग्निशमन विभाग को आदेशों की सख्ती से अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। संबंधित विभागों को यातायात प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्था करने और बाजार क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने को कहा गया है। इसके साथ ही लोगों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने तथा किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने के लिए सतर्क रहने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि दीपावली के दौरान बाजार में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने से भीड़भाड़ कम होगी और लोगों को सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

धर्मशाला में दिवाली पर केवल स्वीकृत ग्रीन पटाखों की बिक्री होगी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। दिवाली पर्व के मद्देनजर उपमंडल प्रशासन ने पटाखों की बिक्री और उपयोग को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एसडीएम मोहित रतन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर पटाखों की बिक्री के लिए चार स्थान निर्धारित किए हैं। यहां केवल लाइसेंसधारी और अधिकृत विक्रेता ही पटाखे बेच सकेंगे। कचहरी अड्डा, डिपो बाजार और सिविल बाजार के लिए पुलिस ग्राउंड धर्मशाला में बिक्री की अनुमति होगी। कोतवाली बाजार, कैंट रोड, खनियारा रोड और आसपास के क्षेत्रों के लिए सामुदायिक भवन के समीप खुला स्थान तय किया गया है। मैकलोडगंज क्षेत्र के लोग भागसू नाग रोड स्थित सब्जी मंडी के खुले स्थान से पटाखे खरीद सकेंगे। दाड़ी और आसपास के क्षेत्रों के लिए दाड़ी मेला मैदान निर्धारित किया गया है।

कैंसर मरीजों को राहत, बिलासपुर एम्स में दवाओं की कीमतें कम होने का दावा



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के भूतपूर्व सैनिकों को अब ईसीएचएस (एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम) के तहत कैशलेस इलाज करवाने के लिए चंडीगढ़ नहीं जाना पड़ेगा। थल सेना, वायुसेना, नौसेना और असम राइफल्स के पूर्व सैनिक अब एम्स बिलासपुर में भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

झंडुता के विधायक जीत राम कटवाल ने पूर्व सैनिकों की लंबे समय से लंबित मांग पूरी होने पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने एम्स में ईसीएचएस सुविधा शुरू करने और कैंसर की दवाइयों के दाम में कटौती के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार जताया।

कटवाल ने कहा कि पहले हिमाचल के पूर्व सैनिकों को ईसीएचएस के तहत कैशलेस इलाज के लिए चंडीगढ़ जाना पड़ता था। दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले सैनिकों और उनके परिवारों को यात्रा पर अतिरिक्त समय और पैसा खर्च करना पड़ता था। एम्स बिलासपुर में यह सुविधा शुरू होने से उन्हें अपने प्रदेश में ही उपचार मिल सकेगा। इससे आने-जाने की परेशानी भी कम होगी। विधायक ने बताया कि केंद्र सरकार ने कैंसर की दवाइयों की कीमतों में भी बड़ी कटौती की है। बाजार में उपलब्ध इन दवाइयों के दाम लगभग 93 प्रतिशत तक कम किए गए हैं। इससे कैंसर मरीजों और उनके परिवारों पर इलाज का आर्थिक बोझ घटेगा।

तैयारी चार नवंबर को हमीरपुर में पदयात्रा, कार्यकर्ताओं को सौंपी गई जिम्मेदारियां

लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत चार नवंबर को हमीरपुर में होने वाली पदयात्रा की तैयारियों को लेकर भोरंज विधानसभा क्षेत्र में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने की। इसमें पदयात्रा को सफल बनाने और कार्यकर्ताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई।

बैठक में जिला सह प्रभारी प्रियव्रत शर्मा, पूर्व विधायक डॉ. अनिल धीमान और कमलेश कुमारी, भोरंज विधानसभा क्षेत्र के दोनों मंडलों के अध्यक्ष अभयवीर लवली और अशोक ठाकुर सहित पार्टी के पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान पदयात्रा में शामिल होने वाले





कार्यकर्ताओं की संख्या को लेकर विधानसभा क्षेत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए। मंडल स्तर पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा पदयात्रा के रूट प्लान, कार्यकर्ताओं की आवाजाही और वाहनों की पार्किंग व्यवस्था को लेकर विस्तार से रणनीति बनाई गई। कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां भी तय की गईं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर और जिला सह प्रभारी प्रियव्रत शर्मा ने कार्यकर्ताओं से चार नवंबर को अधिक से अधिक संख्या में हमीरपुर पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पदयात्रा की सफलता के लिए सभी मंडलों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपनी संगठनात्मक जिम्मेदारियां पूरी निष्ठा से निभाने और आयोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक में पदयात्रा के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय और प्रभावी प्रबंधन पर जोर दिया गया। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि पदयात्रा के माध्यम से पार्टी के अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए कार्यकर्ताओं को स्थानीय स्तर पर लोगों से संपर्क करने और अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

युवा ही हैं, युवा भारत- विकसित भारत निर्माण के ब्रांड एंबेसडर : नरेन्द्र अत्री



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मेरा युवा भारत हमीरपुर की ओर से सोमवार को करियर पॉइंट विश्वविद्यालय में युवा संवाद एवं 'अपना वोट जाने' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें हिमाचल प्रदेश ओलंपियन संघ के उपाध्यक्ष नरेंद्र अत्री मुख्य अतिथि, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यूथ आइकॉन प्रीतिका और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार गुलशन संधू भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ पर जिला युवा अधिकारी दीपमाला ठाकुर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान यूथ आइकॉन प्रीतिका ने युवाओं को मतदान के अधिकार, प्रक्रिया और एक जागरूक मतदाता की जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा को अपने मताधिकार का महत्व समझना चाहिए और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में भागीदारी निभानी चाहिए। मुख्य अतिथि नरेंद्र अत्री ने युवाओं से सीधा संवाद करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित युवाओं को लोकतांत्रिक शपथ भी दिलाई और निष्पक्ष एवं जिम्मेदार मतदान के लिए प्रेरित किया।

मोहित चौधरी बने धर्मसेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष

◆गांव दिनोद पहुंचने पर मोहित चौधरी का ग्रामीणों ने किया स्वागत

भारतेन्दु संवादाता, भिवानी। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के बेटे मोहित चौधरी को धर्मसेना का युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नई जिम्मेदारी के मिलने के बाद भिवानी जिले में उनके समर्थकों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। गांव दिनोद पहुंचने पर ग्रामीणों ने मोहित चौधरी का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्हें लड्डुओं से तोलकर सम्मानित किया गया।

मोहित चौधरी के गांव पहुंचने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक एकत्रित हुए। लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। ग्रामीणों ने कहा कि मोहित चौधरी को राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में जिम्मेदारी मिलना क्षेत्र के लिए खुशी की बात है। स्वागत कार्यक्रम के दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर मोहित चौधरी ने ग्रामीणों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगे। उनका उद्देश्य युवाओं को संगठन से जोड़ना और सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ाना रहेगा।

उन्होंने कहा कि वह गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जरूरतों और परेशानियों को समझकर उनके समाधान के लिए संबंधित स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से भी सामाजिक कार्यों में आगे आने और क्षेत्र के विकास में योगदान देने की अपील की। मोहित चौधरी ने कहा कि नई जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी चुनौती भी है। वह संगठन को मजबूत बनाने और लोगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए काम करेंगे।

युवाओं को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ेंगे मोहित चौधरी

मोहित चौधरी ने कहा कि धर्मसेना की ओर से सौंपी गई नई जिम्मेदारी को वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उनका प्रयास संगठन को मजबूत बनाने के साथ युवाओं को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना रहेगा। उन्होंने कहा कि युवा देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए उन्हें उचित मंच और अवसर उपलब्ध करवाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि वह जल्द ही गांव-गांव जाकर ग्रामीणों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान लोगों की समस्याओं और जरूरतों को समझकर उनके समाधान के लिए संबंधित स्तर पर प्रयास करेंगे।

रैक्सिल घोटाले में हुड्डा और दो आईएएस अधिकारियों को राहत

सीबीआई की जांच में साजिश और धोखाधड़ी के नहीं मिले पर्याप्त सबूत

भारतेन्दु संवादाता, पंचकूला। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दो आईएएस अधिकारियों को रैक्सिल फफूंदनाशक मामले में बड़ी राहत मिली है। पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने इस मामले में जांच एजेंसी की ओर से दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए केस बंद कर दिया है। इस फैसले के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा सहित दोनों अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है। राज्य सरकार ने भी मामले को बंद करने पर अपनी सहमति जताई थी।

सीबीआई की जांच में अधिकारियों के बीच किसी तरह की साजिश, धोखाधड़ी, सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने या किसी अधिकारी को निजी आर्थिक लाभ पहुंचाने के पर्याप्त सबूत नहीं



मिले। इसी आधार पर जांच एजेंसी ने मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। अदालत ने रिपोर्ट पर विचार करने के बाद उसे स्वीकार कर लिया और मामले को बंद करने का आदेश दिया। यह मामला अक्टूबर 2010 का है। उस समय हरियाणा में गेहूं के प्रमाणित बीज के उपचार के लिए बायर कंपनी के रैक्सिल फफूंदनाशक का इस्तेमाल अनिवार्य करने का फैसला लिया गया था। आरोपों के अनुसार, तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में छह अक्टूबर 2010 को हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया था। फैसले के तहत गेहूं के प्रमाणित बीज के उपचार के लिए रैक्सिल फफूंदनाशक का इस्तेमाल अनिवार्य किया गया था। इस निर्णय को लेकर बाद में सवाल उठाए गए और मामले में कथित अनियमितताओं की जांच शुरू हुई। आरोपों के आधार पर यह आशंका जताई गई थी कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिकारियों के बीच मिलीभगत हो सकती है और इससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा होगा। मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। जांच एजेंसी ने निर्णय लेने की प्रक्रिया, संबंधित अधिकारियों की भूमिका और कथित आर्थिक लाभ सहित विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की। जांच के दौरान ऐसे पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले, जिनके आधार पर साजिश या धोखाधड़ी के आरोपों को साबित किया जा सके।

जांच में नहीं मिले अनियमितता के सबूत

जांच एजेंसी ने यह भी पता लगाने का प्रयास किया कि फफूंदनाशक को अनिवार्य करने के फैसले से किसी कंपनी या व्यक्ति को अनुचित आर्थिक लाभ पहुंचा था या नहीं। हालांकि, जांच में इस तरह के आरोपों की पुष्टि करने वाले ठोस तथ्य सामने नहीं आए। इसके बाद सीबीआई ने अदालत में क्लोजर रिपोर्ट पेश की। अदालत ने उपलब्ध तथ्यों और जांच रिपोर्ट पर विचार करने के बाद इसे स्वीकार कर लिया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दोनों आईएएस अधिकारियों को इस मामले में बड़ी राहत मिली है।

मध्य प्रदेश से गुरुग्राम तक फैला अवैध हथियारों का नेटवर्क, आठ पिस्टल बरामद

गुरुग्राम पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर आठ पिस्टल बरामद कीं

भारतेन्दु संवादाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश से हथियार लाने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से आठ देसी पिस्टल और 16 मैगजीन बरामद की हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपित मध्य प्रदेश से हथियार लाकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सप्लाई करते थे। पुलिस अब इस नेटवर्क के मुख्य सप्लायर और हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का पता लगाने में जुटी है।



पुलिस के अनुसार, 29 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच सेक्टर-40 की टीम को अवैध हथियारों की सप्लाई किए जाने की सूचना मिली थी। इसके आधार पर टीम ने सेक्टर-112 स्थित बजघेड़ा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दीपक और राहुल नाम के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया था। उस समय उनके कब्जे से पांच पिस्टल, 11 मैगजीन और एक कार बरामद हुई थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों को पांच दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इस दौरान हथियारों के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मध्य प्रदेश से जुड़े हथियार सप्लाई नेटवर्क की कड़ियां खंगालनी शुरू कीं। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से आठ देसी पिस्टल और 16 मैगजीन बरामद कीं। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क के जरिए एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में अवैध हथियार पहुंचाए जा रहे थे। हालांकि, हथियार किन लोगों को सप्लाई किए जाने थे और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस अब हथियारों की आपूर्ति करने वाले मुख्य सप्लायर तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही उस स्थान का पता लगाने की कोशिश की जा रही है, जहां ये हथियार तैयार किए जाते थे। आरोपितों से पूछताछ और बरामदगी के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस अवैध कारोबार से जुड़े और तथ्य सामने आ सकते हैं।

बाइक को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मारी टक्कर, छह साल की तनु की मौत

भारतेन्दु संवादाता, यमुनानगर। यमुनानगर के गांव संधाये में शराब ठेके के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार छह वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। हादसे में बच्ची के माता-पिता और दादी भी घायल हो गए। परिवार व्यासपुर में सामान लेने के लिए जा रहा था। गंभीर रूप से घायल बच्ची ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य बाइक पर सवार होकर बाजार जा रहे थे। इसी दौरान गांव संधाये में शराब ठेके के नजदीक एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक पर सवार

◆परिवार संग बाजार जा रही बच्ची ने गंवाई जान

दंपती, उनकी छह साल की बेटी तनु और बुजुर्ग महिला सड़क पर गिर गए। हादसे में चारों को चोटें आईं।

प्रत्यक्ष जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना में बच्ची तनु के सिर पर गंभीर चोट लगी और काफी खून बहने लगा। उसकी हालत को देखते हुए परिजन उसे तुरंत उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने बच्ची को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। हादसे में घायल माता-पिता और दादी का भी उपचार कराया गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलने पर संबंधित पुलिस को मामले से अवगत कराया गया। हादसे के कारण परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। छह वर्षीय तनु की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर के बाद दुर्घटना से जुड़े तथ्यों और जिम्मेदार वाहन चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

फरीदाबाद में वैवाहिक विवाद का दुखद अंत, युवक ने फंदा लगाकर दी जान

भारतेन्दु संवादाता, फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में वैवाहिक विवाद के चलते एक युवक द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। युवक की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी। परिजनों का आरोप है कि पत्नी के किसी दूसरे युवक के साथ कथित प्रेम संबंध थे, जिसके चलते पति मानसिक रूप से परेशान रहता था। सोमवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

मृतक की पहचान सतबीर के रूप में हुई है। वह अपने पिता के साथ जूते बेचने का काम करता था। परिजनों के अनुसार, करीब दो महीने पहले सतबीर ने अपनी पत्नी को किसी अन्य युवक के साथ घूमते हुए देख लिया था। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद उसकी पत्नी अपने मायके चली गई थी। सतबीर इस बात से परेशान था और पत्नी को वापस घर लाना चाहता था। परिवार के



मुताबिक, घटना से एक दिन पहले सतबीर अपनी पत्नी को लेने के लिए उसके मायके गया था। आरोप है कि वहां ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद वह घर लौट आया। परिजनों का कहना है कि इस घटना के बाद से वह काफी परेशान था। सोमवार को सतबीर की मां किसी काम से बाजार गई हुई थी। जब वह वापस घर लौटी तो सतबीर कमरे में फंदे पर लटका मिला।

यह देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में उसे संभालने का प्रयास किया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल परिवार की ओर से किसी के खिलाफ लिखित शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामले में परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जाएगी। सतबीर की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का कहना है कि वह पत्नी को वापस घर लाने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, मायके में कथित मारपीट के बाद वह और अधिक परेशान हो गया था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों और पारिवारिक विवाद से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। परिवार की शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई होगी।

दोस्तों की पार्टी में मोबाइल चोरी के शक पर हुआ विवाद, होटल मालिक ने दूसरी मंजिल से लगाई छलांग

दूसरी मंजिल से कूदने पर होटल मालिक गंभीर रूप से घायल

भारतेन्दु संवादाता, हिसार। शहर के डाबड़ा चौक स्थित एक होटल में दोस्तों की पार्टी के दौरान मोबाइल चोरी के आरोप को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान होटल मालिक सचिन दूसरी मंजिल से नीचे कूद गया। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, डाबड़ा चौक स्थित होटल की दूसरी मंजिल पर कुछ युवक पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान पार्टी में शामिल एक युवक का मोबाइल फोन गायब हो गया।



विवाद के बाद दूसरी मंजिल से कूदा होटल मालिक।

मोबाइल नहीं मिलने पर वहां मौजूद लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। इस बीच एक युवक ने होटल मालिक सचिन पर मोबाइल चोरी करने का शक जताया। इसके बाद होटल मालिक और पार्टी में मौजूद युवकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच बहस होने लगी। इसी दौरान अचानक होटल मालिक सचिन ने होटल की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। उसके नीचे गिरते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने घायल होटल मालिक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलने के बाद अर्बन एस्टेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मामले से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल होटल मालिक के घायल होने के कारण उसके बयान दर्ज नहीं हो सके हैं। पुलिस के अनुसार, घायल सचिन के होश में आने और बयान दर्ज होने के बाद ही विवाद के वास्तविक कारणों तथा घटना से जुड़े अन्य पहलुओं का पता चल सकेगा। पुलिस पार्टी में शामिल युवकों और अन्य लोगों से भी पूछताछ कर सकती है।

दोस्त को हाईवे छोड़ने पहुंचे दो युवकों की सड़क हादसे में मौत

भारतेन्दु संवादाता, सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के नजदीक रविवार रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक खरखौदा क्षेत्र के गांव सोहटी के रहने वाले थे। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान गांव सोहटी निवासी विजय (25) और दिनेश (26) के रूप में हुई है। विजय मानेसर स्थित मारुति कंपनी में नौकरी करता था, जबकि दिनेश प्लंबर का काम करता था। जानकारी के अनुसार, रविवार रात दिनेश अपने दोस्त विजय को बाइक पर हाईवे तक छोड़ने के लिए आया था। इसी दौरान ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के नजदीक उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों युवकों के शव कब्जे में लेकर सोनीपत के नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिए। इसके बाद परिजनों को घटना की सूचना दी गई। सोमवार को अस्पताल में दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाया गया। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

रोडवेज कर्मचारियों की हड़ताल से बसों का संचालन ठप, रोजाना 18 लाख का नुकसान

निजी बसों और ऑटो चालकों पर मनमाना किराया वसूलने के आरोप

भारतेन्दु संवादाता, हिसार। हरियाणा रोडवेज के हिसार डिपो में कर्मचारियों की चक्का जाम हड़ताल सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। यूनियन और रोडवेज प्रबंधन के बीच हुई बातचीत बेनतीजा रहने के कारण बसों का संचालन पूरी तरह ठप पड़ा है। इससे जहां रोडवेज को रोजाना करीब 18 लाख रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं हजारों यात्रियों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हड़ताल का सबसे ज्यादा असर रोजाना सफर करने वाले 30 हजार से अधिक यात्रियों पर पड़ा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से शहर आने-जाने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हिसार डिपो से संचालित होने वाले हांसी, उकलाना और आदमपुर जैसे लोकल रूटों पर रोडवेज बसें नहीं चलने से यात्रियों को घंटों बस स्टैंड पर इंतजार करना पड़ रहा है।



नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और अन्य जरूरी कामों से यात्रा करने वालों को भी वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। रोडवेज बसों का संचालन बंद होने से निजी बसों और ऑटो चालकों की मांग बढ़ गई है। यात्रियों की ओर से इन वाहन चालकों पर मनमाना किराया वसूलने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इससे आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। उधर, कर्मचारियों और रोडवेज प्रबंधन के बीच सहमति नहीं बनने से हड़ताल समाप्त होने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं।

बस अड्डों पर यात्रियों की बढ़ी भीड़

हड़ताल के कारण बस अड्डों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ रही है। कई लोग निजी वाहनों और अन्य साधनों से सफर करने को मजबूर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से हिसार पहुंचने वाले लोगों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। बसों की कमी के चलते जरूरी कामों के लिए समय पर पहुंचना मुश्किल हो गया है। उधर, रोडवेज प्रबंधन और कर्मचारी यूनियन के बीच सहमति बनाने के प्रयास जारी हैं, लेकिन बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। इससे यात्रियों की परेशानी और विभाग का आर्थिक नुकसान लगातार बढ़ रहा है।

जींद में देह व्यापार के संदेह में दो होटलों पर छापा तीन महिलाएं युवकों के साथ संदिग्ध हालत में मिलीं

पुलिस ने नरवाना रोड और लितानी रोड स्थित होटलों में की छापेमारी

भारतेन्दु संवादाता, जींद। उचाना में वेश्यावृत्ति के संदेह में पुलिस ने दो होटलों पर छापेमारी कर छह लोगों को काबू किया। पुलिस ने होटल संचालकों समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई नरवाना रोड और लितानी रोड स्थित होटलों में की गई।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को दोनों होटलों में संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान तीन महिलाएं युवकों के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में मिलीं। पुलिस ने मौके से कुल छह लोगों को काबू किया। छापेमारी के बाद पुलिस ने



एआई चित्र

◆दो होटलों में छापेमारी कर पुलिस ने छह लोगों को पकड़ा

होटल संचालकों समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि होटलों में किस तरह की गतिविधियां संचालित हो रही थीं और इसमें किन लोगों की भूमिका थी। उचाना में एक साथ दो होटलों पर हुई पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

पुलिस छापेमारी से होटल संचालकों में हड़कंप

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अन्य होटल संचालकों में भी हलचल देखी जा रही है। पुलिस अब होटलों में आने-जाने वाले लोगों और वहां की गतिविधियों से जुड़े पहलुओं की पड़ताल कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की सभी कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

प्रदूषण कैथल 324 एक्यूआई के साथ प्रदेश में सबसे प्रदूषित शहर दर्ज हुआ

हरियाणा के चार शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर 300 पार

भारतेन्दु संवादाता, हिसार। नवंबर की शुरुआत के साथ ही हरियाणा के कई शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ने लगा है। सुबह और शाम के समय ठंड का असर बढ़ रहा है, जबकि दोपहर में भी ठंडक महसूस की जा रही है। मौसम में आए इस बदलाव के बीच प्रदेश के कई शहरों की हवा की गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। दो नवंबर को सुबह आठ बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कैथल, गुरुग्राम, फरीदाबाद और बहादुरगढ़ का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार पहुंच गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) और



एआई चित्र।

सफर के समेकित आंकड़ों में कैथल का एक्यूआई 324 दर्ज किया गया। यह प्रदेश के सूचीबद्ध शहरों में सबसे अधिक रहा। वहीं, गुरुग्राम, फरीदाबाद और बहादुरगढ़ में भी एक्यूआई 300 से ऊपर दर्ज होने से प्रदूषण की गंभीर स्थिति सामने आई है। इन शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब होने से लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ हवा की गति धीमी होने से प्रदूषक तत्व वातावरण में जमा हो रहे हैं। इससे प्रदूषण का स्तर नीचे आने के बजाय लगातार बढ़ रहा है। खासकर पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कण हवा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं। ये कण सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषण बढ़ने पर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से परेशान लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। नवंबर की शुरुआत में तापमान में गिरावट के साथ सुबह और शाम के समय वातावरण में ठंडक बढ़ गई है। ऐसे मौसम में प्रदूषण के कण हवा में अधिक समय तक बने रह सकते हैं।

सुबह-शाम प्रदूषण का असर अधिक महसूस होगा

ऐसे में सुबह और शाम के समय प्रदूषण का प्रभाव अधिक महसूस किया जा सकता है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण सांस के जरिए फेफड़ों तक पहुंचकर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ा सकते हैं। खासकर अस्थमा, एलर्जी और सांस की अन्य बीमारियों से जूझ रहे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषण का स्तर अधिक होने पर खुले स्थानों पर लंबे समय तक रहने और सुबह के समय व्यायाम करने से बचना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों को भी अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से रोकना चाहिए। जरूरत पड़ने पर मास्क का इस्तेमाल किया जा सकता है। हवा की गति बढ़ने और मौसम में बदलाव आने से प्रदूषण के स्तर में राहत मिलने की संभावना रहती है। फिलहाल प्रदेश के कई शहरों में खराब वायु गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है।

पावरग्रिड का दूसरी तिमाही में मुनाफा आठ प्रतिशत बढ़ा

समेकित आधार पर पावरग्रिड का शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 3,866 करोड़ रुपए पहुंचा

भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के वित्तीय परिणाम घोषित कर दिए हैं। 30 सितंबर, 2026 को समाप्त हुई दूसरी तिमाही में कंपनी ने समेकित आधार पर 3,866 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले आठ प्रतिशत अधिक है। इस दौरान कंपनी की कुल समेकित आय 12,055 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में तीन प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

एकल आधार पर पावरग्रिड ने दूसरी तिमाही में 3,819 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ और 11,900 करोड़ रुपये की कुल आय दर्ज की। कंपनी के वित्तीय परिणामों में समेकित और एकल आधार पर लाभ में वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने 30 सितंबर, 2026 तक समेकित आधार पर कुल 16,864 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया। इस अवधि में 9,300 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का पूंजीकरण भी किया गया। इसमें विदेशी मुद्रा विनिमय दर में बदलाव (एफईआरवी) को छोड़कर वित्तीय पट्टे के रूप में पूंजीकृत परिसंपत्तियां शामिल हैं। सितंबर के अंत तक कंपनी की सकल अचल परिसंपत्तियां 3,29,852 करोड़ रुपये रहीं। इसमें सकल लीज प्राप्य भी शामिल है। वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत तक पावरग्रिड और उसकी सहायक कंपनियों के पारेषण नेटवर्क में 1,87,576 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइनें और 293 सबस्टेशन शामिल रहे। कंपनी की कुल ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता 6,49,116 एमवीए रही। इस दौरान पावरग्रिड ने 99.81 प्रतिशत की औसत पारेषण प्रणाली उपलब्धता बनाए रखी। दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) के तहत छह पारेषण परियोजनाओं के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरी। इनमें पांच अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं में 1800 केवी बाड़मेर-द्वितीय-साउथ कलाम्ब एचवीडीसी परियोजना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त कंपनी को एक अंतर्राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएनएसटीएस) परियोजना भी मिली है।

कंपनी की कुल पारेषण लाइनें 1,87,576 सर्किट किलोमीटर पहुंचीं।

◆ कंपनी की समेकित आय बढ़कर 12,055 करोड़ रुपये पहुंची

पावरग्रिड देश के बिजली पारेषण ढांचे को मजबूत बनाने में जुटी

कंपनी के अनुसार, इन परियोजनाओं के मिलने से देश के पारेषण बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। पावरग्रिड बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पारेषण नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण पर लगातार काम कर रही है। दूसरी तिमाही में हासिल की गई परियोजनाएं कंपनी की कारोबारी गतिविधियों और भविष्य की विकास योजनाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। कंपनी ने वित्तीय प्रदर्शन के साथ-साथ परिचालन स्तर पर भी स्थिरता बनाए रखी है। 99.81 प्रतिशत पारेषण प्रणाली उपलब्धता इसका प्रमुख उदाहरण है। पावरग्रिड का विस्तृत नेटवर्क देश के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दिल्ली में कांग्रेस की महारैली से व्यापारियों में नाराजगी, त्योहारों के कारोबार को नुकसान का दावा



भारतेन्दु संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली। राजधानी के रामलीला मैदान में एक नवंबर को आयोजित कांग्रेस की महारैली को लेकर दिल्ली के व्यापारियों में नाराजगी है। व्यापारिक संगठनों ने रैली के आयोजन पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि त्योहारों के महत्वपूर्ण सीजन में हुए इस कार्यक्रम से दिल्ली के कारोबार को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। व्यापारियों का कहना है कि रैली के कारण बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हुई और कई इलाकों में व्यापारिक गतिविधियां धीमी पड़ गईं।

व्यापारियों के अनुसार, त्योहारों का समय बाजारों के लिए साल का सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी दौर होता है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंचते हैं। दुकानदार भी ग्राहकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विशेष तैयारियां करते हैं। ऐसे समय में राजधानी के प्रमुख आयोजन स्थल पर बड़ी रैली होने से आसपास के क्षेत्रों में यातायात और लोगों की आवाजाही पर असर पड़ा। इसका प्रभाव बाजारों तक पहुंचा और दुकानदारों को अपेक्षित कारोबार नहीं मिल पाया।

व्यापारी नेता चंद्र प्रकाश कालरा ने कहा कि व्यापारिक संगठन लगातार कांग्रेस, राहुल गांधी और सोनिया गांधी से रैली की तारीख या समय बदलने की मांग कर रहे थे। संगठनों का उद्देश्य था कि त्योहारों के दौरान व्यापारियों के कारोबार पर किसी तरह का असर न पड़े। इसके बावजूद उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया गया और एक नवंबर को रामलीला मैदान में महारैली आयोजित की गई।

कालरा के मुताबिक, त्योहारों के दौरान बाजारों में ग्राहकों की संख्या बढ़ती है और व्यापारियों को पूरे वर्ष के कारोबार में इस अवधि से काफी उम्मीदें रहती हैं। ऐसे में रैली के कारण बाजारों में आवाजाही प्रभावित होने से कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ा। व्यापारियों ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के प्रति भी नाराजगी जताई है।व्यापारिक संगठनों का कहना है कि किसी भी बड़े राजनीतिक आयोजन के लिए तारीख और स्थान तय करते समय स्थानीय कारोबार और आम लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। खासकर त्योहारों के दौरान ऐसे आयोजनों से बचना चाहिए, जिनसे बाजारों की गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका हो। व्यापारियों ने कहा कि दिल्ली में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं और बाजारों की रौनक से छोटे दुकानदारों, कारोबारियों तथा अन्य व्यावसायिक इकाइयों की आजीविका जुड़ी है।

दिल्ली मेट्रो में खालिस्तानी नारे लिखने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, एसएफजे से जुड़े तार



भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली। दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तान समर्थक और देशविरोधी नारे लिखने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) के हैंडलर्स के निर्देश पर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और विदेश में बैठे कथित हैंडलर्स की भूमिका की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा के पानीपत निवासी सुमीत उर्फ रफ्तार (30), पंजाब निवासी सुमित कुमार उर्फ काका (22) और गुरप्रीत (22) के रूप में हुई है। जांच में लुधियाना निवासी सुमित कुमार को कथित तौर पर इस साजिश का मुख्य संचालक बताया गया है। आरोप है कि उसने एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए अपने सहयोगियों को नारे लिखने के टेम्पलेट भेजे और इसके बदले पैसे देने का लालच दिया।

पुलिस के अनुसार, 29 अक्टूबर को जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास फर्श पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे मिले थे। अगले दिन 30 अक्टूबर को शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-2 के पास सीढ़ियों की भीतरी दीवार पर भी इसी तरह की ग्राफिटी सामने आई। इसके अलावा जीटीके बाईपास के पास भी नारे लिखे जाने की जानकारी मिली है।

जांच में आरोप है कि सुमीत ने गुरप्रीत को शॉपिंग के बहाने पंजाब से दिल्ली बुलाया था। तीनों आरोपी 28-29 अक्टूबर की रात दिल्ली पहुंचे और कथित तौर पर अलग-अलग स्थानों पर ग्राफिटी बनाई।

◆ विदेशी हैंडलर्स के निर्देश पर जहांगीरपुरी और शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशनों को बनाया गया निशाना

झिलमिल में जुए के अड्डे पर छापा, गैंगस्टर समेत 32 गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पूर्वी दिल्ली। कुख्यात गैंगस्टर छेनू पहलवान का शूटर मुमताज झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में बड़े स्तर पर जुए का अड्डा चला रहा था। एक फैक्ट्री की पहली मंजिल किराये पर लेकर वहां जुआ खिलाया जा रहा था। शाहदरा जिला पुलिस और उत्तर-पूर्वी जिले की एएटीएस व स्पेशल स्टाफ की संयुक्त टीम ने शनिवार देर रात अड्डे पर छापा मारकर मुमताज समेत 32 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से करीब 30 लाख रुपये नकद, जुए में इस्तेमाल होने वाले चिप्स और अन्य सामग्री बरामद की है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुआ खेलते मिले। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और जुए के अड्डे से नकदी सहित अन्य सामान जब्त किया। पुलिस के अनुसार, मुमताज ने झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री की पहली मंजिल किराये पर ली थी। इसी जगह पर जुए का संचालन किया जा रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस अड्डे को कब से चलाया जा रहा था और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल थे। गिरफ्तार आरोपितों में सीलमपुर निवासी मुमताज के अलावा रविंद्र, राशिद, राधे मेहता, ऋषि पाल, दीपक, गौरव चौधरी, मोबिन, अबरार, नरेंद्र सिंह, रवि कुमार, मुजम्मिल, अक्षय अरोड़ा, सचिन गर्ग, अजय, साहिल, संतोष, चेतन, विकास, रिजवान खान, सफदर, शेर मोहम्मद, कैलाश चंद, रणजीत कुमार, कल्याण सिंह, राजीव चौहान, देवनाथ, आरिफ, कपिल चौधरी, वसीम और अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

◆ फैक्ट्री की पहली मंजिल पर चल रहा था जुआ 30 लाख रुपए बरामद

दिल्ली में प्रदूषण पर सख्ती, पहले दिन वसूले गए 68 लाख रुपए

जमानत प्रक्रिया में फर्जीवाड़े का आरोप, विरोध करने पर शिकायतकर्ता को धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली



प्रदूषण नियंत्रण के लिए सीमाओं पर सख्ती, नियम तोड़ने वालों पर बढ़ी निगरानी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए विंटर एक्शन प्लान और सख्त एंटी-पॉल्यूशन पाबंदियां लागू होने के पहले ही दिन प्रशासन ने व्यापक कार्रवाई की। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर शिकंजा कसते हुए अधिकारियों ने 68.4 लाख रुपये का जुर्माना और पर्यावरण मुआवजा वसूला। वहीं, प्रदूषण फैलाने वाले और निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले 1,539 वाहनों को दिल्ली की सीमाओं से ही वापस लौटा दिया गया। पहले दिन की कार्रवाई में विभिन्न जांच केंद्रों पर करीब 15 हजार वाहनों की जांच की गई।

दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच के लिए अलग-अलग बॉर्डर और चेकपॉइंट्स पर अधिकारियों की टीमें तैनात की गई थीं। इन टीमों ने वाहनों के प्रदूषण प्रमाणपत्र और निर्धारित उत्सर्जन मानकों की जांच की। जांच के दौरान नियमों का पालन नहीं करने वाले 1,539 वाहनों को राजधानी में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। अधिकारियों ने उन्हें बॉर्डर से ही वापस भेज दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की आवाजाही रोकना और राजधानी की हवा की गुणवत्ता में सुधार करना है। वाहनों की जांच के दौरान प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी पीयूसीसी से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। पहले दिन ऐसे 566 वाहनों के चालान काटे गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वालों के प्रति सख्ती बरती जाएगी। इसके लिए परिवहन विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की टीमें अलग-अलग स्थानों पर निगरानी कर रही हैं। जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहन निर्धारित प्रदूषण मानकों का पालन करें। सर्दियों की शुरुआत के साथ दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर होने लगती है। इस दौरान वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण गतिविधियां, सड़क की धूल और अन्य प्रदूषणकारी कारक हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। ऐसे में सरकार की ओर से प्रदूषण नियंत्रण के लिए विंटर एक्शन प्लान के तहत विभिन्न उपाय लागू किए जाते हैं।

इस बार भी प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए वाहनों की जांच और नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पहले दिन की कार्रवाई के आंकड़े बताते हैं कि प्रशासन ने वाहनों की आवाजाही पर निगरानी बढ़ा दी है। करीब 15 हजार वाहनों की जांच और 1,539 वाहनों को वापस भेजना इसी अभियान का हिस्सा है। इसके साथ ही पीयूसीसी उल्लंघन पर चालान और जुर्माने की कार्रवाई भी की गई। अधिकारियों का जोर है कि प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का प्रभावी पालन कराया जाए, ताकि राजधानी में हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

200 करोड़ वसूली मामले में नोरा फतेही को कोर्ट का समन



भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली। ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये की वसूली मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने अभिनेत्री नोरा फतेही को नया समन जारी किया है। अदालत ने उन्हें छह नवंबर को पेश होकर अभियोजन पक्ष की गवाह के रूप में अपने बयान और साक्ष्य दर्ज कराने का निर्देश दिया है। इससे पहले उन्हें दो नवंबर को अदालत में उपस्थित होने का आदेश दिया गया था।

सुनवाई के दौरान अदालत ने नोरा के वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि वह एक गवाह हैं और उन्हें निर्धारित तारीख पर अदालत में मौजूद रहना चाहिए था। अदालत ने यह भी कहा कि उसके निर्देशों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। मामले की तीसरी पूरक आरोपपत्र में नोरा फतेही का नाम अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में शामिल है। जांच के दौरान उनसे सुकेश चंद्रशेखर और उसकी पत्नी लीना मारिया पालोस से संबंधों को लेकर पूछताछ की गई थी।

यह मामला वर्ष 2020-21 का है। आरोप है कि दिल्ली की रोहिणी जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने खुद को वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बताकर पूर्व रैनबैक्सी प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह से करीब 200 करोड़ रुपये की वसूली की थी। उसने कथित तौर पर उनके पति को जेल से रिहा कराने में मदद का भरोसा देकर रकम मांगी थी। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मामले की जांच कर मकोका के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था। जांच के दौरान नोरा का बयान तत्कालीन सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज किया गया था। अभिनेत्री ने जांचकर्ताओं को बताया था कि सुकेश से उनकी बातचीत उसकी पत्नी के माध्यम से हुई थी।

अवैध संबंधों के शक में पति ने पत्नी पर किया जानलेवा हमला

भारतेन्दु संवाददाता, बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के अशोक विहार इलाके में अवैध संबंधों के शक में एक पति ने अपनी पत्नी के सिर पर हथौड़े से कई वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी पति संजय ने खुद पुलिस को फोन कर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला संगीता (28) को लोकनायक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, संजय (31) मूलरूप से उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर का रहने वाला है और राजमिस्त्री का काम करता है। उसकी शादी संगीता से करीब आठ वर्ष पहले हुई थी। दंपती के एक बेटा और एक बेटी हैं। संगीता वजीरपुर स्थित बर्तन बनाने की फैक्ट्री में काम करती है। पुलिस का कहना है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। संजय को अपनी पत्नी के अवैध संबंध होने का शक था।

फैक्ट्री में सुरक्षा चूक से चार श्रमिकों की मौत

मंगोलपुरी फैक्ट्री अग्निकांड में सुरक्षा खामियां उजागर, श्रमिकों की मौत, परिवार संकट में

भारतेन्दु संवाददाता, दिल्ली



मंगोलपुरी अग्निकांड में सुरक्षा इंतजामों की खुली पोल

मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र के फेज-एक स्थित जूता फैक्ट्री में आग लगने से चार श्रमिकों की मौत के मामले में सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियां सामने आई हैं। हादसे में घायल श्रमिक विकास ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि फैक्ट्री की सीढ़ियों पर जूते बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के कट्टे रखे रहते थे। इससे आने-जाने का रास्ता बाधित रहता था। श्रमिकों ने कई बार फैक्ट्री मालिक और ठेकेदार से इसकी शिकायत की, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई।

विकास के अनुसार, यदि सीढ़ियों पर कच्चे माल के कट्टे नहीं रखे होते तो श्रमिकों को बाहर निकलने का रास्ता मिल सकता था और कई जानें बच सकती थीं। बिहार के नालंदा जिले का निवासी विकास अपने चचेरे भाई अशोक कुमार के साथ न्यू एएम प्रोडक्ट्स नामक फैक्ट्री में करीब तीन वर्ष से काम कर रहा था। शुक्रवार को दोनों की रात की शिफ्ट थी। इसी दौरान फैक्ट्री में आग लग गई और कुछ ही देर में धुआं फैलने से श्रमिकों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। बाहर निकलने की कोशिश के बावजूद रास्ता बाधित होने के कारण वे फंस गए।

हादसे में चार श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि विकास और हरेंद्र घायल हो गए। दोनों का संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में उपचार चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस फैक्ट्री मालिक मुकेश बंसल और रोहित गोयल की तलाश में छापेमारी कर रही है। मामले की जांच राज पार्क थाने के इंस्पेक्टर ओम प्रकाश मंडल कर रहे हैं।

जांच में फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की बात सामने आई है। फैक्ट्री के पास फायर एनओसी भी नहीं थी। बताया गया कि करीब पांच वर्ष पहले एनओसी के लिए प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन दमकल विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं होने से अनुमति नहीं मिली। इसके बाद दोबारा आवेदन भी नहीं किया गया। बाद में बगल का प्लॉट किराये पर लेकर फैक्ट्री का विस्तार कर लिया गया। फैक्ट्री में प्रवेश और निकास के लिए केवल एक गेट था। खिड़कियों पर शीशे लगे थे और आपात स्थिति में बाहर निकलने का कोई अलग रास्ता नहीं था।

आइजीआई पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए डिजियात्रा का ट्रायल शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआई) एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए डिजियात्रा सुविधा का ट्रायल शुरू हो गया है। इसके तहत यात्री चेहरे की पहचान के माध्यम से एयरपोर्ट के विभिन्न चेक प्वाइंट से गुजर सकेंगे। पहले चरण में यह सुविधा ई-पासपोर्ट रखने वाले भारतीय नागरिकों को मिलेगी। फिलहाल विदेशी यात्रियों को इसमें शामिल नहीं किया गया है। यह सुविधा एयर इंडिया और इंडिगो की चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर उपलब्ध होगी।

◆ ई-पासपोर्ट धारकों को चेहरे की पहचान से मिलेगी एयरपोर्ट पर प्रवेश सुविधा

एक नवंबर से दिल्ली सहित देश के सात प्रमुख एयरपोर्ट पर इस व्यवस्था का परीक्षण शुरू किया गया है। इनमें मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि, चेन्नई और अमृतसर शामिल हैं। ट्रायल दिसंबर तक चलेगा। अब तक डिजियात्रा का इस्तेमाल मुख्य रूप से घरेलू उड़ानों के लिए किया जा रहा था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, इस प्लेटफार्म के माध्यम से देश के 39 घरेलू एयरपोर्ट पर 11 करोड़ से अधिक यात्राएं संभव हुई हैं। सरकार की योजना वर्ष 2027 तक 25 अन्य घरेलू एयरपोर्ट पर भी इसका विस्तार करने की है।

डिजियात्रा सुविधा का लाभ लेने के लिए यात्रियों को एप पर अपना डिजिटल वेरिफाएबल क्रेडेंशियल तैयार करना होगा। इसके लिए ई-पासपोर्ट स्कैन करने, उसकी इलेक्ट्रॉनिक चिप का सत्यापन करने और सेल्फी के जरिये चेहरे की पहचान की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। सत्यापन के बाद डिजिटल क्रेडेंशियल यात्री के मोबाइल वालेट में सुरक्षित रहेगा।एयरपोर्ट पर टर्मिनल प्रवेश, सिक्योरिटी होल्ड एरिया और बोर्डिंग गेट पर लगे कैमरों के माध्यम से चेहरे की पहचान कर यात्री की डिजिटल पहचान सत्यापित की जाएगी। इससे दस्तावेजों की बार-बार जांच की जरूरत कम होगी और अंतरराष्ट्रीय यात्रा की प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक तथा तेज बनाने में मदद मिलेगी।

टकराव एसीपी के तबादले से नाराज पुलिसकर्मी सड़कों पर उतरे, वकीलों पर कार्रवाई की मांग

शाहदरा विवाद पर दिल्ली पुलिसकर्मियों का मुख्यालय में प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली

शाहदरा थाने में पुलिसकर्मियों और कड़कड़डूमा कोर्ट के वकीलों के बीच हुआ विवाद अब सड़क पर पहुंच गया है। सोमवार सुबह बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस के जवान वकीलों के खिलाफ विरोध जताने के लिए पुलिस मुख्यालय पहुंच गए। प्रदर्शन में शाहदरा, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली सहित विभिन्न जिलों के पुलिसकर्मी शामिल हुए। जवानों ने नारेबाजी करते हुए वकीलों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस मुख्यालय में काफी संख्या में पुलिसकर्मी जमा हो गए।

बताया जा रहा है कि कई पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी छोड़कर प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे। प्रदर्शन का नेतृत्व गांधी नगर के पूर्व एसीपी मनस्वी वशिष्ठ कर रहे हैं। वकीलों के साथ विवाद के बाद एसीपी का तबादला कर दिया गया था। पुलिसकर्मियों का कहना है कि अदालतों में वकीलों की ओर से उनके साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की घटनाएं होती हैं, लेकिन शिकायत करने पर वकीलों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय पुलिसकर्मियों पर ही कार्रवाई कर दी जाती है। इसी नाराजगी के चलते जवानों ने एकजुट होकर विरोध जताया है। जानकारी के अनुसार, 26 अक्टूबर को एसीपी मनस्वी वशिष्ठ की शिकायत पर शाहदरा बार एसोसिएशन के सचिव नरवीर डबास, सदस्य विशाल शर्मा, विवेक पांडेय और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसमें सरकारी कर्मचारी को धमकी देने, अभद्रता करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप लगाए गए थे। इसके विरोध में 27 अक्टूबर को वकीलों ने पुलिस के खिलाफ काम बंद हड़ताल की थी। यह हड़ताल दो दिन तक चली। पुलिसकर्मियों का आरोप है कि इसके बाद दबाव में एसीपी मनस्वी वशिष्ठ और शाहदरा थानाध्यक्ष का तबादला कर दिया गया। इस कार्रवाई से पुलिस विभाग के जवानों में नाराजगी बढ़ गई।

शिकायत के अनुसार, 24 अक्टूबर को शाहदरा थाने के हेड कांस्टेबल अमित मलिक एक मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट गए थे। वहां कुछ वकीलों ने उन्हें घेरकर 23 अक्टूबर को थाने में दर्ज मामले को लेकर बहस की। इसके बाद बार एसोसिएशन के सचिव नरवीर डबास 10 से 15 वकीलों के साथ थाने पहुंचे। आरोप है कि वकीलों ने थानाध्यक्ष अरुण कुमार के कमरे में जाकर उनके साथ अभद्रता की और हाथ खींचने की कोशिश की।

पार्किंग विवाद से शुरू हुआ था मामला



बार एसोसिएशन के सचिव नरवीर डबास के अनुसार, 23 अक्टूबर को वकील ललित बंसल शाहदरा मार्केट गए थे। वहां पार्किंग विवाद को लेकर दो लोगों ने उन पर हमला कर दिया था, जिससे उनका सिर फट गया। पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास की धारा में केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया था। हालांकि, सचिव ने आरोप लगाया कि बाद में दोनों आरोपियों को मोटी रकम लेकर छोड़ दिया गया।

फर्जी शपथपत्र और मुहर से जमानत लेने वाले दो भाइयों पर केस

लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ कराने से स्थानीय मुद्दों को भी मिलेगा महत्व

भारतेन्दु संवाददाता, नई दिल्ली



गाजियाबाद में फर्जी शपथपत्र से जमानत कराने के मामले में दो भाइयों पर केस दर्ज

अदालत में कथित रूप से फर्जी दस्तावेज पेश कर जमानत हासिल करने के मामले में दो भाइयों के खिलाफ कविनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप है कि सतेंद्र शर्मा और ललित शर्मा ने अधिवक्ता के नाम से फर्जी शपथपत्र तैयार कराया और उस पर कथित तौर पर फर्जी मुहर लगाकर अदालत में प्रस्तुत किया। मामले का विरोध करने पर शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है। पुलिस ने अदालत के आदेश पर धोखाधड़ी, कूटरचना, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और धमकी देने से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंथला निवासी प्रमोद कुमार शर्मा ने इस संबंध में अदालत में शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार, दो जून 2022 को उन्होंने लोनी थाने में सतेंद्र शर्मा और ललित शर्मा के खिलाफ मारपीट तथा धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में दोनों आरोपियों को 27 मार्च 2025 को जमानत मिल गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जमानत की प्रक्रिया के दौरान आरोपियों की ओर से ऐसे दस्तावेज अदालत में लगाए गए, जिनकी सत्यता संदिग्ध थी। प्रमोद कुमार शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया कि दोनों भाइयों ने एक अधिवक्ता के नाम का इस्तेमाल करते हुए कथित रूप से फर्जी शपथपत्र तैयार किया। इसके बाद उस पर अधिवक्ता की फर्जी मुहर लगाकर उसे जमानत संबंधी दस्तावेजों के साथ अदालत में प्रस्तुत कर दिया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, दस्तावेजों में की गई इस कथित जालसाजी के जरिए अदालत को गुमराह करने का प्रयास किया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि जब प्रमोद कुमार शर्मा ने कथित फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई और मामले का विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय का रुख किया और पूरे प्रकरण की शिकायत करते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता ने अदालत से मामले की जांच कराने और कथित जालसाजी में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने पुलिस को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद कविनगर थाने में दोनों भाइयों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी, कूटरचना, जाली दस्तावेज को असली बताकर इस्तेमाल करने और धमकी देने से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।

न्यूज ब्रीफ

डुमैहर स्कूल का वार्षिक समारोह धूमधाम से संपन्न, मेधावी विद्यार्थी सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डुमैहर का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। समारोह की खास बात यह रही कि विद्यालय के प्रथम विद्यार्थी एवं वर्तमान पंचायत प्रधान कर्मचंद ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि इसी विद्यालय से मिले संस्कार और जीवन मूल्य उनके लिए अनमोल हैं। आज इसी संस्थान में मुख्यातिथि बनना उनके लिए गर्व और भावुकता का क्षण है। प्रधानाचार्य अरुण कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने डोगरी नृत्य, राजस्थानी घूमर, पंजाबी नृत्य, पहाड़ी नाटी, कविता वाचन और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में शैक्षणिक और खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफियां और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले आयुष पाल तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलने वाले पारस ठाकुर को विशेष सम्मान मिला। कार्यक्रम में पंचायत उपप्रधान शीतल पाल, पूर्व प्रधानाचार्य लाल चंद पाल, गोपाल शर्मा, नरेश कपूर सहित अभिभावक और विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

अर्की के आदित्य सेन को मुख्यमंत्री ने हिम रत्न-2026 पुरस्कार से किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत चाखड़ के गांव बसियाणा निवासी आदित्य सेन को राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने पर हिम रत्न-2026 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 31 अक्तूबर को शिमला में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने उन्हें सम्मानित किया। आदित्य को 70 हजार रुपए से अधिक की नकद पुरस्कार राशि के साथ ट्रॉफी, ब्लेजर, हिमाचली टोपी और कुल्लू की शॉल भेंट की गई। युवा सेवाएं एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 419 खिलाड़ियों को सम्मानित किया तथा कुल 17.85 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि वितरित की। आदित्य सेन ने मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान प्राप्त करने को अपने जीवन का यादगार पल बताया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव और अर्की क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

नगरोटा बगवां कॉलेज में रंगोली व मेहंदी प्रतियोगिता से एचआईवी, नशे व टीबी के प्रति किया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां में विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स, नशे के दुष्प्रभावों और तपेदिक (टीबी) जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की नोडल अधिकारी डॉ. माधवी पराशर के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिए। विद्यार्थियों ने रंगोली और मेहंदी के आकर्षक डिजाइनों के जरिए एचआईवी/एड्स से बचाव, नशामुक्त जीवन अपनाने तथा टीबी की रोकथाम और समय पर उपचार के महत्व को दर्शाया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को जागरूक करने के साथ समाज में स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी का प्रसार करना रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सोनी ने सभी प्रतिभागियों और कार्यक्रम की संयोजक डॉ. माधवी पराशर को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

चंपा पार्क में स्वयं सहायता समूहों की प्रदर्शनी हस्तनिर्मित उत्पादों को मिल रही सराहना

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर परिषद बिलासपुर द्वारा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से चम्पा पार्क, रौड़ा सेक्टर में प्रदर्शनी एवं बिक्री का आयोजन किया जा रहा है। 26 अक्तूबर से शुरू हुई इस प्रदर्शनी में 12 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। नगर परिषद की वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी वर्षा चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के अचार, चटनियां, पापड़, बड़ी, स्थानीय मसाले, मुरब्बे, ऊनी वस्त्र, स्वेटर, जैकेट, पर्स और सजावटी सामान आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इसके अलावा बिलासपुरी पारंपरिक व्यंजनों जैसे सिड्डू, बबरू, कचौरी, गुजिया और गाजर के हलवे की भी अच्छी मांग है। दिवाली के लिए विशेष उपहार पैक भी तैयार किए गए हैं। प्रदर्शनी में लोगों को स्वच्छता और कचरा पृथक्करण के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। वर्षा चौधरी ने शहरवासियों से प्रदर्शनी में पहुंचकर स्थानीय उत्पाद खरीदने और महिलाओं के स्वरोजगार प्रयासों को प्रोत्साहित करने की अपील की।

नाहन नप में एसडीएम संभालेंगे ईओ की जिम्मेदारी

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। नाहन नगर परिषद में कार्यकारी अधिकारी (ईओ) का पद खाली होने से पैदा हुई प्रशासनिक परेशानी के बीच जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था कर दी है। अब एसडीएम नाहन राजीव सांख्यान नगर परिषद के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे। उपायुक्त सिरमौर की ओर से 31 अक्टूबर को इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी कर दिए गए हैं। वहीं, नगर परिषद कर्मचारियों के लिए राहत की बात यह है कि उनकी नवंबर माह की सैलरी भी अब जल्द जारी होने वाली है। नाहन नगर परिषद में कार्यकारी अधिकारी (ईओ) का पद खाली होने से पैदा हुई प्रशासनिक परेशानी के बीच जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था कर दी है। अब एसडीएम नाहन राजीव सांख्यान नगर परिषद के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे। उपायुक्त सिरमौर की ओर से 31 अक्टूबर को इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी कर दिए गए हैं। वहीं, नगर परिषद कर्मचारियों के लिए राहत की बात यह है कि उनकी नवंबर माह की सैलरी भी अब जल्द जारी होने वाली है। नगर परिषद नाहन में ईओ का तबादला होने के बाद करीब 15 दिनों से यह पद खाली चल रहा था। इसके चलते नगर परिषद के कर्मचारियों में नवंबर माह की सैलरी को लेकर चिंता बढ़ गई थी। दीपावली का त्योहार नजदीक होने के कारण कर्मचारियों की परेशानी और बढ़ गई थी। एसडीएम नाहन राजीव सांख्यान से बात की गई तो उन्होंने कहा कि नगर परिषद के सभी कर्मचारियों को आज या कल निश्चित रूप से सैलरी जारी कर दी जाएगी। उनके इस आश्वासन से वेतन का इंतजार कर रहे कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

रविंद्र प्रकाश को मिला हिमाचल का श्रेष्ठ कोच अवार्ड

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के धारटीधार क्षेत्र (बिरला) के निशानेबाजी कोच रविंद्र प्रकाश को हिमाचल प्रदेश के 'श्रेष्ठ कोच अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। शिमला में आयोजित भव्य राज्य स्तरीय खेल सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने कर-कमलों से उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। रविंद्र प्रकाश का पृष्ठभूमि खेल और राष्ट्र सेवा दोनों में बेहद प्रेरणादायक रहा है। वे भारतीय सेना में सूबेदार के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं और स्वयं भी निशानेबाजी (शूटिंग) में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता रह चुके हैं। वर्तमान में वे शिमला स्थित इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सरकारी कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और युवा खिलाड़ियों को तराशने का काम कर रहे हैं। प्रदेश स्तर पर उनके उत्कृष्ट प्रशिक्षण कौशल, समर्पण और शूटिंग के खेल को बढ़ावा देने में दिए गए अतुलनीय योगदान को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा उन्हें इस सर्वोच्च कोच सम्मान के लिए चुना गया।

संधोल में 4 साल बाद भी नहीं बैठ पाया एसडीएम

सेवा विकास एवं कल्याण समिति उतरेगी अब संघर्ष के रास्ते पर, बाकायदा बैठक करके लिया निर्णय



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। संधोल में एसडीएम कार्यालय खोलने का चुनावी वादा चार साल बाद भी पूरा नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ने लगी है। सेवा विकास एवं कल्याण समिति संधोल ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि जल्द सकारात्मक पहल नहीं हुई तो समिति जनता से विचार-विमर्श कर संघर्ष का रास्ता अपना सकती है। जनता सराय परिसर संधोल में समिति के अध्यक्ष मान सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई।

अध्यक्ष मान सिंह ने कहा कि स्थानीय विधायक चंद्रशेखर ने चुनाव के दौरान समिति और संधोल की जनता से क्षेत्र में एसडीएम कार्यालय खुलवाने का वादा किया था, लेकिन चार साल बीत जाने के बावजूद यह वादा धरातल पर नहीं उतर पाया है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर संधोल की जनता को अपने ही क्षेत्र में प्रशासनिक सुविधाएं कब मिलेंगी? अध्यक्ष ने ये भी कहा कि पूर्व सरकार के समय में खुले एसडीएम कैंप ऑफिस तक को विधायक बहाल नहीं करवा पाए है जिससे आमजन को छोटे कामों के लिए भी धर्मपुर जाना पड़ रहा है। इसमें बता दें कि पहले भवन के अभाव यह कैंप ऑफिस कुछ समय के लिए बंद था लेकिन अब मिनी सचिवालय बनने के बाद भी इस ऑफिस को बहाल नहीं किया गया है। बैठक में डीपी भनवाल, दान सिंह, एसके भंडारी, राजिंदर सिंह बिष्ट, शंभू राम, राजेंद्र कटवाल, कुलदीप सिंह, केएस खारवाल, नानक चंद, प्यार चंद, कृष्ण पाल, भागमल, राकेश, मेघ चंद, गजराज, प्रकाश और किरण सहित करीब 20 सदस्य मौजूद रहे।

सड़कें बदहाल, कॉलेज और अस्पताल में स्टाफ की कमी

बैठक में क्षेत्र की खराब सड़कों, कॉलेज में कर्मचारियों की कमी और अस्पताल में पर्याप्त स्टाफ न होने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। समिति ने कहा कि इन समस्याओं के चलते आम जनता, विद्यार्थियों और मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से जुड़े इन मुद्दों पर संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों को गंभीरता दिखानी चाहिए।

पुराने अस्पताल भवन में आयुर्वेदिक कार्यालय खोलने की मांग

समिति ने स्थानीय विधायक से संधोल अस्पताल के पुराने भवन में उपमंडलीय आयुर्वेदिक चिकित्सा कार्यालय खोलने की भी मांग की है। समिति का कहना है कि जिस भूमि पर अस्पताल की व्यवस्था विकसित हुई, उसे लोगों ने स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग को दान दिया था। ऐसे में स्थानीय लोगों की भावनाओं और भूमि दान करने के पीछे की मंशा का सम्मान किया जाना चाहिए। समिति के अनुसार, पुराने भवन का उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए किया जाना क्षेत्रहित में उचित कदम होगा।

घट्ट टोल प्लाजा पर प्रस्तावित टोल वृद्धि के विरोध में उतरे भाजपा नेता मुनीष शर्मा, जनता को दिया समर्थन

◆ केंद्रीय मंत्री गडकरी सहित वरिष्ठ नेताओं को लिखा पत्र



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। घट्टा टोल प्लाजा पर प्रस्तावित टोल वृद्धि के विरोध में चंगर क्षेत्र में उठ रही आवाज को भाजपा नेता व समाजसेवी मुनीष शर्मा ने समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा कि चंगर क्षेत्र की जनता और पंचायत प्रतिनिधियों की मांग जायज है तथा वह इस मुद्दे पर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। मुनीष शर्मा ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, सांसद अनुराग ठाकुर और सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज को पत्र लिखकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करवाया है। उन्होंने कहा कि रियूंड पुल चालू होने के बाद कछियारी-रानीताल फोरलेन मार्ग यातायात के लिए खुल चुका है, ऐसे में घट्टा टोल प्लाजा पर संभावित दर वृद्धि से स्थानीय लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। प्रतिदिन नौकरी, कारोबार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को विशेष राहत मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवा नेता राजेश परियाल ने भी पहले इस मुद्दे को उठाया था। स्थानीय निवासियों और नियमित यात्रियों के लिए टोल शुल्क में उचित रियायत दी जानी चाहिए। मुनीष शर्मा ने कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस जनहित के मुद्दे पर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनता की मांग को सरकार और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए वह हरसंभव सहयोग करेंगे।

घर में मारपीट और जातिसूचक गालियां देने वाला दोषी करार

◆ सरकाघाट कोर्ट का फैसला, पीड़ित को 20 हजार मुआवजे के आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। घर के आंगन में घुसकर मारपीट करने, अभद्र गालियां देने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के मामले में विशेष न्यायाधीश सरकाघाट प्रवीण गर्ग की अदालत ने आरोपी लेख राज उर्फ काकू को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के तहत अदालत के उठने तक की सजा और पीड़ित को 20 हजार रुपये मुआवजा देने के आदेश दिए। वहीं, एससी-एसटी अधिनियम की धारा 3(2)(1a) के तहत भी अदालत के उठने तक की सजा और एक हजार रुपये जुर्माना लगाया है।

उप जिला न्यायवादी राजीव शर्मा ने बताया कि 24 अप्रैल 2022 को शिकायतकर्ता ने पुलिस थाना सरकाघाट में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार शाम करीब 5:30 बजे महिला घर पर अकेली थी। इसी दौरान गांव बड़ेरसा निवासी लेख राज उर्फ काकू उसके घर पहुंचा और अभद्र गालियां देने लगा। आरोपी ने आंगन में रखा सामान, लकड़ियां, कुर्सियां और पत्थर इधर-उधर फेंकने शुरू कर दिए। महिला ने अपने पिता को फोन कर घर बुलाया। पिता के पहुंचने पर आरोपी ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देने के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 451, 323, 506 और एससी-एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच पूरी करने के बाद अदालत में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाहों के बयान दर्ज करवाए गए और विभिन्न साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। गवाहों के बयानों एवं साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

सोलन में पहाड़ी दिवस पर कवि सम्मेलन और भाषायी प्रतियोगिताओं की धूम

30 विद्यार्थियों ने पहाड़ी भाषा में दिखाई प्रतिभा



भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। जिला भाषा अधिकारी कार्यालय सोलन की ओर से पहाड़ी दिवस-2026 के अवसर पर कला केंद्र कोठो में पहाड़ी कवि सम्मेलन एवं विभिन्न भाषायी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिले के लगभग 10 विद्यालयों के 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पहाड़ी भाषा के प्रति अपनी रुचि और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में भाषण, मुहावरा एवं लोकोक्तियां तथा पहेलियां लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'पहाड़ी भाषा की संवर्धक हिमाचली बोलियां' विषय पर अपने विचार पहाड़ी भाषा में प्रस्तुत किए। इसमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटला की सोनाक्षी ने प्रथम, शमरोड़ की महिमा कश्यप ने द्वितीय तथा देवठी की कावरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुहावरा एवं लोकोक्तियां प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छात्र सोलन के अरमान प्रथम, कोठो की सुमेधा शर्मा द्वितीय और शमरोड़ की एंजल तृतीय स्थान पर रहीं। पहेलियां लेखन प्रतियोगिता में कोठो की कंचन ने प्रथम, गुनगाहाट की खुशबू ने द्वितीय तथा कोठो के आदित्य शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिताओं की विशेषता रही कि सभी विद्यार्थियों ने पहाड़ी भाषा में अपनी प्रस्तुतियां दीं। निर्णायक मंडल में डॉ. प्रेमलाल गौतम, डॉ. शंकर वशिष्ठ और मदन हिमाचली शामिल रहे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में पहाड़ी कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें डॉ. शंकर वशिष्ठ, डॉ. प्रेमलाल गौतम, सुनीता शर्मा और सुमन शर्मा सहित अन्य कवियों ने पहाड़ी भाषा में अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हिमाचली संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन की सुंदर झलक पेश की। जिला भाषा अधिकारी ममता वर्मा ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों और साहित्यकारों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों से भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया, ताकि पहाड़ी भाषा और संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन हो सके। कार्यक्रम का मंच संचालन गौरव शर्मा ने पहाड़ी भाषा में किया। इस अवसर पर रत्न ठाकुर सहित विभिन्न विद्यालयों के अध्यापक और साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

डीसी निवेदिता नेगी ने राजस्व अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। डीसी निवेदिता नेगी ने सोमवार को केलांग स्थित उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में राजस्व अधिकारियों और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठकें आयोजित कीं। इस दौरान जिले में चल रहे विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया गया।

राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक में डीसी ने राजस्व न्यायालयों में लंबित और निपटाए गए मामलों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से दो वर्ष या इससे अधिक समय से लंबित तकसीम, निशानदेही और राजस्व दुरुस्ती के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने पर जोर दिया, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत जिले में चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की और सभी तहसील एवं उपतहसील कार्यालयों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में राजस्व, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना और निर्वाचन विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। इसके अलावा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय और तांदी-संसारी नाला सड़क विस्तारीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया। डीसी ने अधिकारियों को सभी विकास कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ जनजातीय क्षेत्र के लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में पीओ आईटीडीपी अश्वनी कुमार, एसडीएम केलांग कुनिका एकर्स, एसडीएम उदयपुर ओम प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हमीरपुर के मुख्य बाजार में 5 से 8 नवंबर तक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। दिवाली पर्व के मद्देनजर बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए जिलाधीश गंधर्वा राठौड़ ने हमीरपुर शहर के मुख्य बाजार में 5 से 8 नवंबर तक सभी वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, एंबुलेंस, अग्निशमन, ड्यूटी पर तैनात पुलिस वाहनों और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहनों को छूट रहेगी।

डीसी ने बताया कि 5 और 8 नवंबर को डांग ग्वाली-हीरानगर सड़क पर सुबह 9 से 11 बजे तथा शाम 4 से 6 बजे तक एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। वहीं, 6 और 7 नवंबर को इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान आम जनता की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने लोगों से यातायात संबंधी आदेशों का पालन करने और प्रशासन को सहयोग देने की अपील की।

सूक्ष्म बीमा अभियान के तहत ढाई लाख लोगों तक पहुंची समिति : हेमंतराज वैद्य



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने सूक्ष्म बीमा अभियान के तहत अब तक मंडी, कुल्लू और हमीरपुर जिलों में करीब ढाई लाख लोगों तक पहुंच बनाई है। समिति के अध्यक्ष हेमंतराज वैद्य ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए 5900 बीमा पॉलिसियों का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 31 अक्तूबर तक 2523 पॉलिसियां शुरू की जा चुकी हैं। वे सोमवार को सौलीखड्ड स्थित समिति कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में करीब 70 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि अब तक 2100 लोगों को मृत्यु दावा राशि के रूप में लगभग 10 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। समिति के महासचिव भीम सिंह ने बताया कि वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत दिसंबर 2027 तक पांच लाख लोगों को जागरूक करने का लक्ष्य है। वहीं, युवा बचाओ अभियान के तहत अक्टूबर में 100 से अधिक शिक्षण संस्थानों में नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया।

धर्मशाला डाकघर में कर्मचारियों का प्रदर्शन, अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। डाक विभाग में निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के दबाव और कथित प्रशासनिक प्रताड़ना के विरोध में भारतीय डाक कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने अधीक्षक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। धर्मशाला के अलावा देहरा और शिमला से पहुंचे कर्मचारियों ने अधिकारियों पर मनमानी करने के आरोप लगाए। कर्मचारी नेताओं का आरोप है कि पहाड़ी और दूरदराज क्षेत्रों की परिस्थितियों को नजरअंदाज कर सभी डाकघरों पर समान लक्ष्य थोपे जा रहे हैं। लक्ष्य पूरा करने के दबाव में कर्मचारियों को अपने और रिश्तेदारों के नाम पर दो-दो हजार से अधिक खाते खुलवाने पड़े। उन्होंने नोटिस और चार्जशीट के माध्यम से मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप भी लगाया। संघ ने मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल और भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। वहीं, डाक अधीक्षक ने सभी आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य सरकार निर्धारित करती है और कर्मचारियों को ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

सेवा संकल्प समिति ने सरकाघाट अस्पताल को भेंट की पोर्टेबल डेंटल एक्स-रे मशीन



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। परम पूज्य बापू आशा राम आश्रम सरकाघाट की ओर से सेवा संकल्प समिति के माध्यम से बापू भक्त मीना ठाकुर ने सिविल अस्पताल सरकाघाट को करीब एक लाख रुपये की पोर्टेबल डेंटल एक्स-रे मशीन दान की। इस मशीन के उपलब्ध होने से अब दंत रोगियों को एक्स-रे करवाने के लिए अस्पताल के दूसरे विभाग में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दंत चिकित्सक उपचार कक्ष में ही जरूरत के अनुसार एक्स-रे कर सकेंगे। इससे मरीजों का समय बचेगा और उपचार में सुविधा मिलेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने आश्रम एवं समिति का आभार जताया। दंत चिकित्सक डॉ. मंजीत सिंह और डॉ. अतुल राणा ने कहा कि मशीन से जांच और उपचार प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक होगी। इसका विशेष लाभ बुजुर्गों, दिव्यांगों और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों को मिलेगा।

गर्ग एंड गर्ग प्लांट के पास टेंपो ट्रैवलर दुर्घटनाग्रस्त, शिक्षक सहित 7 बच्चे घायल

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति जिले में गर्ग एंड गर्ग प्लांट के समीप एक टेम्पो ट्रैवलर सड़क दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में एक शिक्षक सहित सात स्कूली बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को मनाली और सिस्सू अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के अनुसार वाहन मनाली से रोहतांग दर्रे होते हुए कोकसर से अटल टनल की ओर जा रहा था। वाहन में मध्य प्रदेश के इंदौर से आए 11 बच्चे, एक शिक्षक और चालक सवार थे। इसी दौरान वाहन गर्ग एंड गर्ग प्लांट के पास सड़क से नीचे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस पोस्ट कोकसर की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। घायलों का उपचार जारी है तथा उनके चिकित्सकीय प्रमाणपत्र भी प्राप्त कर लिए गए हैं। राहत की बात है कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। मामले की आगामी कार्रवाई एएसआई श्याम लाल कर रहे हैं। यह जानकारी डीएसपी मुख्यालय केलांग केडी शर्मा ने दी।

एचआरटीसी की 297 ई-बसों के 424 करोड़ के सौदे पर उठे सवाल, भाजपा ने मांगी उच्चस्तरीय जांच

◆ संजय शर्मा ने अनुबंध की शर्तें सार्वजनिक करने और सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) द्वारा 297 नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए किए गए 424 करोड़ रुपए के अनुबंध को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संजय शर्मा ने इस सौदे की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए सरकार से पूरी वित्तीय जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। संजय शर्मा ने आरोप लगाया कि पर्यावरण संरक्षण और जनसुविधा के नाम पर निजी कंपनी ओलेक्ट्रा को अनुचित लाभ पहुंचाने की आशंका है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि कुल 424 करोड़ रुपए में से कितनी राशि बसों की खरीद और कितनी उनके संचालन एवं रखरखाव पर खर्च होगी। उन्होंने दावा किया कि उपलब्ध जानकारियों के अनुसार बसों के संचालन और रखरखाव के लिए शुरुआत में 5.31 रुपये प्रति किलोमीटर की दर निर्धारित की गई है, जो भविष्य में बढ़कर 18 रुपये प्रति किलोमीटर तक पहुंच सकती है। प्रत्येक बस के लिए प्रतिदिन न्यूनतम 120 किलोमीटर चलने की शर्त भी बताई गई है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि 297 बसों के लंबे समय तक रखरखाव का खर्च निगम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल सकता है। उन्होंने पहाड़ी और संकरे रास्तों पर बसों को होने वाले संभावित तकनीकी नुकसान तथा उसकी जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने मांग की कि सरकार इस पूरे सौदे पर श्वेत पत्र जारी करे, अनुबंध की सभी शर्तें सार्वजनिक करे और निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच करवाए। उनका कहना है कि सार्वजनिक धन के इस्तेमाल में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है।



शहर में दिन प्रतिदिन सड़कों पर सामान सजा रहे दुकानदारों पर नगर निगम की सख्ती



◆ 5 दुकानदारों से वसूला 5 हजार रुपए जुर्माना, अगले दो दिन तक जारी रहेगा अभियान

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। शहर में सड़कों और फुटपाथ पर अतिक्रमण कर सामान सजाने वाले दुकानदारों के खिलाफ नगर निगम हमीरपुर ने सख्ती दिखाते हुए अभियान चलाया है।

नगर निगम की टीम ने सोमवार को बाजार में निरीक्षण किया और सड़क पर सामान लगाकर अतिक्रमण करने वाले 5 दुकानदारों का चालान कर 5 हजार रुपए जुर्माना वसूला। अधिकारियों ने बताया कि कई दुकानदार दुकान के बाहर सड़क तक सामान सजा देते हैं, जिससे पैदल चलने वालों और वाहनों को परेशानी होती है और जाम की स्थिति बनती है। कई बार शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि अगले दो दिन तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अगर कोई दुकानदार दोबारा सड़क पर सामान लगाता पाया गया, तो उस पर और सख्त जुर्माना लगाया जाएगा और सामान भी जब्त किया जा सकता है।

त्योहारी सीजन के चलते शहर में दिन प्रतिदिन भीड़ बढ़ती जा रही है और सड़क पर रखा सामान पैदल चलने वा

न्यूज ब्रीफ

दिवंगत उप निरीक्षक राजेश को पुलिस जिला नूरपुर ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि



भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग के जिला ऊना के पुलिस थाना भरवाईं में तैनात उप निरीक्षक राजेश कुमार के आकस्मिक निधन पर पुलिस जिला नूरपुर ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दिवंगत अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पुलिस पोस्ट नगरोटा सूरियां के अंतर्गत उनके आवासीय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस जिला नूरपुर के विभिन्न रैंकों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उपस्थित होकर दिवंगत उप निरीक्षक को श्रद्धांजलि दी। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोक सभा में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वर्गीय राजेश कुमार की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और पुलिस विभाग के प्रति उनकी सेवाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि राजेश कुमार का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। पुलिस जिला नूरपुर ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

लवली का राष्ट्रीय स्तर की खो-खो प्रतियोगिता के लिए चयन, एहजू स्कूल में खुशी की लहर



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला एहजू के नौवीं कक्षा के विद्यार्थी लवली कुमार का राष्ट्रीय स्तर की खो-खो प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला राजगढ़, जिला सिरमौर में आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में लवली कुमार ने अंडर-14 वर्ग की खो-खो टीम में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल की प्रधानाचार्य मंजुला शर्मा और शारीरिक शिक्षक नरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि लवली कुमार ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में जगह बनाई है। उनके चयन की सूचना मिलते ही स्कूल सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने विद्यार्थी को बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

इंडेन गैस एजेंसी जोगिंद्रनगर का नवंबर माह का रूट चार्ट जारी

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। इंडेन गैस एजेंसी जोगिंद्रनगर ने नवंबर 2026 में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति के लिए रूट चार्ट जारी कर दिया है। एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीष चौधरी ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में गैस सिलेंडर वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 2, 9, 16 और 30 नवंबर को नगर परिषद जोगिंद्रनगर क्षेत्र में गैस आपूर्ति होगी। इसके अतिरिक्त 3 से 7 नवंबर तक द्रुबल, भरमेरा, कुराटी, द्राहल, मकरीड़ी और आसपास के क्षेत्रों में आपूर्ति की जाएगी। इसी प्रकार 10 से 14 नवंबर तक हरनाला, शानन, हराबाग, बालकरूपी, जलपेहर, खुद्दर और बस्सी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सिलेंडर पहुंचाए जाएंगे। 17 से 28 नवंबर तक भराड़ू, एहजू, सुजा, बीड़, चौतड़ा, ढेलू और अन्य गांवों में निर्धारित रूट के अनुसार वितरण होगा। एसडीएम ने कहा कि किसी कारणवश निर्धारित दिन वाहन नहीं पहुंचने पर अगले दिन आपूर्ति की जाएगी। कच्ची सड़कों वाले क्षेत्रों में आपूर्ति मौसम पर निर्भर रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार गैस सिलेंडर प्राप्त करने की अपील की।

भडयाड़ा पंचायत के चारों बूथों पर विधायक प्रकाश राणा ने किया जनसंपर्क

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। विधायक प्रकाश राणा ने भडयाड़ा पंचायत के चारों बूथों का दौरा कर स्थानीय जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान पंचायत के विकास कार्यों, स्थानीय समस्याओं और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रवीण कुमार, पंचायत प्रधान अभिनय, उपप्रधान बृज लाल सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। विधायक प्रकाश राणा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में विकास कार्य प्रभावित हुए हैं और लोग सड़कों तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार बनने पर सहारा योजना दोबारा शुरू करने और बंद सरकारी संस्थानों को खोलने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और विधायक के कार्यों से प्रभावित होकर सेवानिवृत्त सीआरपीएफ इंस्पेक्टर चूड़ सिंह, प्रेम सिंह सहित कई लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। महिला मंडल की कई महिलाओं ने भी भाजपा का दामन थामा। मंडल अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने की अपील की।

राकेश ने थामा भाजपा का दामन, पूर्व विधायक रवि ठाकुर ने पटका पहनाकर किया स्वागत



भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। उदयपुर मंडल के सलग्रां निवासी राकेश ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता रवि ठाकुर ने उन्हें पार्टी का पटका पहनाकर भाजपा परिवार में स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी निर्मल चंद और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किशन लाल को समाज के प्रति उनके सराहनीय योगदान एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। पूर्व विधायक रवि ठाकुर ने दोनों सम्मानित व्यक्तित्वों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में उनका योगदान सराहनीय है। उन्होंने सामाजिक सहभागिता और जनसेवा को समाज की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नए सदस्य का स्वागत किया और सम्मानित व्यक्तियों को बधाई दी।

बिलासपुर में मारपीट व अवैध शराब के दो मामले दर्ज

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में पुलिस ने मारपीट और अवैध शराब रखने के दो अलग-अलग मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस थाना बरमाणा में मलोखर निवासी नीम चन्द ने शिकायत दर्ज करवाई कि 28 अक्तूबर की रात गांव थाच निवासी कृष्ण ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 115(2), 352 और 117(2) के तहत मामला दर्ज किया है। दूसरे मामले में थाना तलाई की पुलिस टीम ने गश्त के दौरान बिहू का हार स्थित वर्षा आश्रय स्थल के पास फगोग निवासी सुनील कुमार के कब्जे से देशी शराब की 12 बोतलें बरामद कीं। शराब का ब्रांड वीआरवी संतरा बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1)(क) के तहत मामला दर्ज किया है। जिला पुलिस अधीक्षक बिलासपुर ने दोनों मामलों की पुष्टि करते हुए बताया कि नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नौरवू बरोंगपा के निधन से सहकारिता आंदोलन को अपूरणीय क्षति : सत्य प्रकाश ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। लाहुल आलू विपणन सहकारी संस्था को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले नौरवू बरोंगपा के आकस्मिक निधन पर भुट्टिको के अध्यक्ष एवं पूर्व बागवानी मंत्री सत्य प्रकाश ठाकुर ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नौरवू के निधन से लाहौल-स्पीति ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के सहकारिता आंदोलन को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने किसानों और बागवानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने तथा सहकारी संस्थाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ठाकुर ने उनके निधन को अपनी व्यक्तिगत क्षति बताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। भुट्टिको परिवार और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन और दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ें विद्यार्थी, सफलता अवश्य मिलेगी : परमार

भारत विकास परिषद की 'भारत को जानो' प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से किया संवाद

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। विद्यार्थियों के जीवन में सफलता का मार्ग केवल किताबी ज्ञान से नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और संस्कारों से प्रशस्त होता है। यदि विद्यार्थी जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित कर पूरी निष्ठा और परिश्रम के साथ उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाएं, तो कोई भी उपलब्धि उनकी पहुंच से बाहर नहीं है।

यह बात सुलह विधानसभा क्षेत्र के विधायक व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने भारत विकास परिषद की भवारना शाखा द्वारा रेनबो वर्ल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भवारना में आयोजित शाखा स्तरीय 'भारत को जानो' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। परमार ने कहा कि भारत विकास परिषद जिस उद्देश्य और भावना के साथ नई पीढ़ी को देश की गौरवशाली सांस्कृतिक



विरासत, इतिहास, भूगोल, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने का कार्य कर रही है, वह अत्यंत सराहनीय है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ विद्यार्थी अपनी सभ्यता, संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास को भी समझें। अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ युवा ही भविष्य में राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला बन सकता है। उन्होंने डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव पर विद्यार्थियों को सचेत करते हुए कहा कि इंटरनेट और मोबाइल जानकारी व ज्ञान प्राप्त करने के प्रभावशाली साधन हैं, लेकिन उनका उपयोग विवेक और आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए।

विद्यार्थी मोबाइल और डिजिटल माध्यमों को अपनी पढ़ाई तथा ज्ञानवर्धन का साधन बनाएं, न कि अपने बहुमूल्य समय को नष्ट करने का माध्यम। उन्होंने शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करें और उन्हें तकनीक के सही, सुरक्षित तथा सीमित उपयोग के प्रति जागरूक करें।

माता स्व. स्वर्णलता परमार की स्मृति में शुरू की रनिंग ट्रॉफी

कार्यक्रम के दौरान विपिन सिंह परमार ने अपनी माता स्वर्गीय स्वर्णलता परमार की स्मृति में 'भारत को जानो' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए विशेष रनिंग ट्रॉफी आरंभ करने की घोषणा की। यह ट्रॉफी प्रतियोगिता के प्रथम स्थान पर रहने वाली टीम को प्रदान की जाएगी और अगले वार्षिक आयोजन तक विजेता विद्यालय के पास रहेगी। इस पहल के माध्यम से उन्होंने शिक्षा, ज्ञान और विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ अपनी माता की स्मृति को भी एक सार्थक सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रयास से जोड़ने का भावपूर्ण संदेश दिया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के आठ विद्यालयों के 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कुल्लू जिले के सपूत लेफ्टिनेंट जनरल सुशील चंदर बने सेना के महानिदेशक



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के कतराईं गांव के सपूत लेफ्टिनेंट जनरल सुशील चंदर महंत, एसएम ने भारतीय सेना में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

उन्होंने 1 नवंबर को नई दिल्ली स्थित एकीकृत रक्षा मंत्रालय मुख्यालय (सेना) में महानिदेशक एकीकृत प्रशिक्षण (DGIT) का कार्यभार संभाल लिया। उनकी इस उपलब्धि से कुल्लू सहित पूरे हिमाचल प्रदेश में खुशी की लहर है। लेफ्टिनेंट जनरल महंत की प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय कतराईं में हुई। इसके बाद उन्होंने सैनिक स्कूल सुजानपुर टीरा से शिक्षा प्राप्त की। वे इस संस्थान के पहले पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल का पद हासिल किया है। उन्होंने जनवरी 1988 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में प्रवेश लिया और दिसंबर 1991 में भारतीय सैन्य अकादमी से कमीशन प्राप्त किया। अपने साढ़े तीन दशक से अधिक के सैन्य करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कमान और स्टाफ संबंधी जिम्मेदारियां निभाईं। इनमें 11 फील्ड ऑर्डिनेंस डिपो की कमान और स्ट्राइक कोर में ब्रिगेडियर ऑर्डिनेंस सहित महत्वपूर्ण पद शामिल हैं।

उन्होंने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज और नेशनल डिफेंस कॉलेज से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। विभिन्न सैन्य पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने तीन पाठ्यक्रमों में प्रथम स्थान हासिल किया। महानिदेशक एकीकृत प्रशिक्षण के रूप में उनकी जिम्मेदारी सेना के प्रशिक्षण तंत्र को आधुनिक और प्रभावी बनाने, प्रशिक्षण संस्थानों की क्षमताएं बढ़ाने तथा प्रशिक्षण मानकों में सुधार करने की होगी। कतराईं गांव से सेना के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने का उनका सफर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है। उनकी इस उपलब्धि पर गृह क्षेत्र और सैनिक स्कूल सुजानपुर टीरा में गर्व का माहौल है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस सदैव तत्पर : अनुराधा



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। लाहौल-स्पीति की विधायक, आदिवासी कांग्रेस की अध्यक्ष व हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की वरिष्ठ प्रवक्ता अनुराधा राणा ने दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में कांग्रेस एवं विपक्षी गठबंधन की ओर से आयोजित रैली को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इसमें उमड़ी भीड़ लोकतंत्र की रक्षा के प्रति जनता की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अनुराधा राणा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस प्रक्रिया में कई अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल विपक्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि चुनाव आयुक्तों की ओर से भी आपत्तियां दर्ज करवाई गई हैं और सर्वोच्च न्यायालय में भी इससे जुड़े सवाल उठे हैं। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में यह प्रक्रिया अगले वर्ष प्रस्तावित है। उनके अनुसार, वर्ष 2024 से शुरू हुई इस प्रक्रिया के तहत विभिन्न राज्यों में अब तक 13.3 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने का दावा किया गया है।

अनुराधा राणा ने सवाल किया कि यदि हटाए गए नाम कथित घुसपैठियों के थे, तो उनकी सूची सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही है? सरकार और चुनाव आयोग को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि ऐसे कितने लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए हमेशा अपनी आवाज उठाती रहेगी।

देहरा में 50.84 ग्राम चिट्टे और नकदी के साथ दो गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पुलिस थाना देहरा के तहत दो लोगों को चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है। एसपी देहरा ने बताया कि रविवार बीती देर रात पुलिस गश्त के दौरान ढलियारा में सीमेंट स्टोर के नजदीक ढलियारा खट्ट के पास दो व्यक्तियों को काबू किया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 50.84 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित 10 हजार रुपए नकद बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि इन दोनों ने यह चिट्टा कहां से लाए और किसे बेचने जा रहे थे।

परमेश्वर स्पोर्ट्स क्लब बुरांवाला के क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, नानकपुर बना विजेता



भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। परमेश्वर स्पोर्ट्स क्लब बुरांवाला की ओर से 31 अक्तूबर और 1 नवंबर को आयोजित दूसरे क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन उत्साह और धूमधाम के साथ हुआ। प्रतियोगिता में नानकपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट का शुभारंभ चैंबर ऑफ कॉमर्स हिमाचल प्रदेश के सलाहकार देवव्रत यादव ने किया, जबकि समापन समारोह में समाजसेवी एवं भाजपा नेता विधि चंद राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला नानकपुर और मंधाला की टीमों के बीच खेला गया। नानकपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार ओवर में 65 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मंधाला की टीम 50 रन ही बना सकी। इस तरह नानकपुर ने 15 रन से जीत हासिल कर प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में विजेता नानकपुर को 31 हजार रुपए और उपविजेता मंधाला को 21 हजार रुपए की नकद राशि प्रदान की गई। तीसरे स्थान पर रहने वाली बरोटीवाला और कोना की टीमों को 3,100-3,100 रुपए देकर सम्मानित किया गया। नानकपुर के गुरनाम को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, मंधाला के प्रिंस को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज तथा नानकपुर के रणजीत को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। इस अवसर पर देवव्रत यादव ने क्लब को 21 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने भविष्य में भी क्लब को सहयोग देने का आश्वासन दिया। मुख्यातिथि विधि चंद राणा ने 5,100 रुपए का योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि खेलों में हार-जीत से अधिक भागीदारी और खेल भावना महत्वपूर्ण है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए सामाजिक संस्थाओं और समाज के प्रबुद्ध लोगों को खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहिए। क्लब सदस्य जय पाल ने बताया कि प्रतियोगिता को सफल बनाने में सभी सदस्यों और स्थानीय लोगों का विशेष योगदान रहा।

मंडी पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई इस वर्ष 274 मामले दर्ज, 438 आरोपी गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र समिति की मासिक समीक्षा बैठक सोमवार को पुलिस लाइन के सभागार में उपायुक्त अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ की गई कार्रवाई और नशामुक्त मंडी अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। डीसी ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान में कानून प्रवर्तन एजेंसियों, संबंधित विभागों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने शिक्षण संस्थानों में जागरूकता गतिविधियां और पदयात्राएं आयोजित करने पर भी जोर दिया। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि 1 जनवरी से 31 अक्तूबर 2026 तक जिले में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत 274 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें 438 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 418 पुरुष और 20 महिलाएं शामिल हैं। दर्ज मामलों में चरस के

◆भांग के 34,644 पौधे किए नष्ट, नशे के अवैध कारोबार से जुड़ी 61.30 लाख रुपए की संपत्ति अटैच

143, हेरोइन के 93, अफीम एवं डोडा के सात तथा अन्य श्रेणियों के 11 मामले शामिल हैं। अवैध अफीम और भांग की खेती से संबंधित 20 मामले भी दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सितंबर और अक्तूबर में कुल 34,644 भांग के पौधे नष्ट किए गए। वहीं, अक्तूबर में 18 मामलों में 112.05 ग्राम हेरोइन और 7.765 किलोग्राम चरस बरामद की गई। डीसी ने बताया कि वर्ष 2025 से 31 अक्तूबर 2026 तक छह मामलों में आरोपियों की 61,30,757 रुपए की संपत्ति अटैच की गई है।

इसके अतिरिक्त करीब 70.56 लाख रुपए की संपत्ति अटैच करने की पुष्टि लंबित है। पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के तहत इस वर्ष 25 मामले भेजे गए तथा छह आरोपियों के निरोध आदेश जारी हुए हैं। बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. मदन कुमार सहित विभिन्न विभागों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सर्विस स्टुअर्ड और किचन हेल्पर के 400 पदों पर भर्ती, मंडी में 6 नवंबर को साक्षात्कार

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला रोजगार कार्यालय मंडी के माध्यम से बार्बेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड में सर्विस स्टुअर्ड और किचन हेल्पर के लगभग 400 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि इन पदों के लिए 6 नवंबर 2026 को प्रात: 10:30 बजे जिला रोजगार कार्यालय खलियार, मंडी में साक्षात्कार होंगे। उन्होंने बताया कि 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के दसवीं पास युवक-युवतियां आवेदन कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 11 हजार से 16 हजार रुपये मासिक वेतन के साथ भोजन, आवास, पीएफ और ईएसआईसी की सुविधा मिलेगी। नियुक्ति गुजरात, बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद में होगी। चयनित अभ्यर्थियों को दिल्ली में सात दिन का नि:शुल्क प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी शैक्षणिक प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, हिमाचली प्रमाणपत्र, रोजगार पंजीकरण पत्र, फोटो और बायोडाटा लेकर पहुंचें। अधिक जानकारी के लिए 01905-235508 पर संपर्क करें।

नेशनल वुशू खिलाड़ी अक्षित को मिला हिम रत्न सम्मान, थरास व जिला कुल्लू का नाम किया रोशन



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू के थरास क्षेत्र के रहने वाले राष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी अक्षित को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार ने हिम रत्न सम्मान से नवाजा।

31 अक्तूबर को शिमला के होटल पीटरहॉफ में आयोजित हिम रत्न-2026 सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अक्षित को सम्मानित करते हुए 40 हजार रुपए की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की। अक्षित ने वर्ष 2023 में बिहार के पटना स्थित पाटलिपुत्र में 6 से 11 अगस्त तक आयोजित 22वीं जूनियर नेशनल वुशू चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया था। उनकी इस उपलब्धि से जिला कुल्लू सहित पूरे हिमाचल प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ। अक्षित की सफलता में उनके वुशू कोच व जिला कुल्लू वुशू संघ के महासचिव लुदर चंद का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से अक्षित ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की। अक्षित ने अपनी सफलता का श्रेय कोच लुदर चंद, माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू तथा खेल मंत्री यादविंद्र गोमा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खिलाड़ियों को सम्मानित करने से युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है। अक्षित की इस उपलब्धि से थरास क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनकी सफलता ग्रामीण क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनी है।

खंडूजा ट्रेडिंग कंपनी व किरण मेडिसिन एजेंसी का विधायक अश्विनी शर्मा ने किया उद्घाटन



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। शहर के ढाकी रोड स्थित म्युनिसिपल कॉलोनी चौक के सामने वरुण कांप्लेक्स के नजदीक खंडूजा ट्रेडिंग कंपनी व किरण मेडिसिन एजेंसी का रविवार को भव्य शुभारंभ किया गया।

उद्घाटन समारोह में पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष व विधायक अश्विनी शर्मा ने विशेष रूप से शिरकत कर दोनों प्रतिष्ठानों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक अश्विनी शर्मा ने प्रतिष्ठान के संचालक दिनेश व सुरेश को नए कारोबार की शुरुआत पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शहर में इस तरह के प्रतिष्ठानों के खुलने से लोगों को अपनी जरूरत का सामान एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा, जिससे उन्हें काफी सुविधा मिलेगी। प्रतिष्ठान के मालिक दिनेश और सुरेश ने बताया कि किरण मेडिसिन एजेंसी में ग्राहकों को हर प्रकार की दवाइयां उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, खंडूजा ट्रेडिंग कंपनी में पंसारी का सामान, पूजा सामग्री और पीतल के विभिन्न उत्पाद थोक दरों पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को उचित कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण सामान उपलब्ध करवाना है। समारोह में शहर के गणमान्य व्यक्ति, व्यापारी, परिवारिक सदस्य और अन्य गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने दिनेश एवं सुरेश को नई व्यावसायिक शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

महिला करियर एजेंट के 500 पदों के लिए 4 नवंबर को जोगिंद्रनगर में साक्षात्कार

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से भारतीय जीवन बीमा निगम की मंडी शाखा में महिला करियर एजेंट के 500 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 4 नवंबर 2026 को उप-रोजगार कार्यालय जोगिंदर नगर में प्रात: 10:30 से दोपहर 2 बजे तक साक्षात्कार होंगे। कार्यालय प्रभारी सुमित ने बताया कि 18 से 70 वर्ष आयु वर्ग की महिलाएं पात्र हैं। हालांकि, 30 से 60 वर्ष की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। चयनित महिलाओं को प्रथम वर्ष 7 हजार, दूसरे वर्ष 6 हजार और तीसरे वर्ष 5 हजार रुपए प्रतिमाह वजीफा मिलेगा। इसके अतिरिक्त बीमा पॉलिसियों की बिक्री पर कमीशन भी दिया जाएगा। अभ्यर्थियों का हिमाचल के किसी रोजगार कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। इच्छुक महिलाएं शैक्षणिक प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, फोटो और रोजगार पंजीकरण पत्र सहित निर्धारित तिथि पर पहुंचें।

मंडी में मिल्कफेड का दीपावली विशेष मिठाई आउटलेट शुरू, डीसी अपूर्व ने किया शुभारंभ



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। दीपावली के पावन त्योहार पर आम जनता को शुद्ध और स्वादिष्ट मिठाइयां उपलब्ध करवाने के लिए हिमाचल प्रदेश मिल्क फेडरेशन (मिल्कफेड) ने मंडी में सेरी मंच के समीप अपना अस्थायी आउटलेट खोल दिया है, जिसका सोमवार को उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि त्यौहारों के सीजन में शुद्ध, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक मिठाइयां जश्न के आनंद को दोगुना कर देती हैं। उन्होंने आम जनता से क्लीन व ग्रीन दिवाली मनाने का आह्वान करते हुए मिल्कफेड की शुद्ध देसी घी से बनी मिठाइयों का आनंद लेने की अपील की। मिल्क प्लांट चक्कर के यूनिट इंचार्ज विश्वकांत शर्मा ने बताया कि उपभोक्ताओं की भारी मांग को देखते हुए मिल्क फेडरेशन ने इस वर्ष लगभग 500 क्विंटल मिठाइयां तैयार की हैं, जो लोगों को पूर्ण शुद्धता का भरोसा देती हैं। उन्होंने बताया कि इस आउटलेट पर पिन्नी, मिल्क केक, सोन पापड़ी, पहाड़ी बर्फी, डोडा बर्फी, रोस्टेड चना बर्फी और ब्राउन पेड़ा तथा कोकोनट बर्फी का 400 ग्राम का पैक 285 रुपये में उपलब्ध है। इसके अलावा काजू बर्फी 400 ग्राम का पैक 410 रुपये तथा मोतीचूर लड्डू 400 ग्राम का पैक 210 रुपये तथा रसगुल्ला व गुलाब जामुन 250 रुपए प्रति किलो के हिसाब से मिल रहे हैं। त्यौहारों पर अपनों को उपहार देने के लिए 700 रुपये और 1100 रुपये के विशेष गिफ्ट पैक भी तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 800 ग्राम पैकेज में भी विभिन्न मिठाइयां उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि शुगर फ्री मिठाइयों में मिल्क केक, कोकोनट बर्फी तथा पहाड़ी बर्फी में 400 ग्राम की पैकिंग 380 रुपए में उपलब्ध है। मंडी प्लांट के तहत मंडी, सुंदरनगर, चक्कर, कुल्लू, मौहल, जाहू तथा हमीरपुर में मिल्कफेड के अस्थाई आउटलेट दिवाली के अवसर पर ये मिठाइयां उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश मिल्कफेड के निदेशक मंडल सदस्य अमृत लाल, तकनीकी सुपरिटे

ग्लैमरस कायला के हैं लाखों फैन्स

अमेरिका की कायला सिमंस एक प्रसिद्ध वॉलीबॉल खिलाड़ी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं, जिन्हें उनकी खेल प्रतिभा के साथ-साथ अपनी बोल्ड तस्वीरों के लिए जाना जाता है। इंस्टाग्राम पर लाखों फॉलोअर्स के साथ, वह फैशन और ग्लैमर की दुनिया में एक बड़ा नाम हैं।



भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड-ए 424 पर ऑलआउट, 74 रन की मिली बढ़त

मैथ्यू बॉयल ने लगाया शतक, भारत के लिए मुकेश ने 5, सिराज ने 4 विकेट लिए

एजेंसी, क्राइस्टचर्च

इंडिया-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड-ए पहली पारी में 424 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड-ए ने इंडिया-ए पर 74 रन की बढ़त हासिल की। मैथ्यू बॉयल ने शतक लगाया, जबकि डीन फॉक्सक्राफ्ट शतक से 7 रन दूर रह गए। भारत के लिए मुकेश कुमार ने 5 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट झटके।

तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में बिना किसी विकेट के 32 रन बना लिए हैं। इंडिया-ए की ओर से मोहम्मद सिराज ने 35 ओवर में 118 रन देकर 4 विकेट लिए। मुकेश कुमार ने 29 ओवर में 87 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। वाशिंगटन सुंदर ने 29.5 ओवर में 81 रन देकर एक विकेट लिया। आकाशदीप ने 23 ओवर में 59 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। न्यूजीलैंड ए का सातवां विकेट 291 रन के स्कोर पर गिरा था। इसके बाद टीम 424 रन तक पहुंची। आखिरी तीन विकेटों ने 133 रन जोड़े। फ्रेजर शीट ने 51 गेंद पर 40 रन बनाए। जायडन लेनॉक्स ने 97 गेंद पर नाबाद 32 रन बनाए। जैरोड मैके ने 75 गेंद पर 33 रन की पारी खेली।



अच्छी नहीं रही थी शुरुआत

न्यूजीलैंड-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही और राइस मारियू 4 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कर्टिस हीफी भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 4 रन बनाकर मुकेश कुमार का शिकार बने। टिम रॉबिन्सन भी महज 3 रन ही बना सके। हालांकि, इसके बाद मैथ्यू बॉयल और डीन डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने मोर्चा संभाला

बॉयल और फॉक्सक्राफ्ट के बीच चौथे विकेट के लिए हुई 208 रन की मजबूत साझेदारी

मैथ्यू बॉयल ने 152 गेंद पर 110 रन बनाए। डीन फॉक्सक्राफ्ट ने 226 गेंद पर 93 रन की पारी खेली। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 208 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा क्रिस्टियन क्लार्क ने 41 और विकेटकीपर मिचेल हे ने 31 रन बनाए। ब्रेट रेंडल 5 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड ए के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रीस मारियू, कर्टिस हीफी और टिम रॉबिन्सन दूसरे दिन ही आउट हो गए थे। रीस मारियू और कर्टिस हीफी ने 4-4 रन बनाए। टिम रॉबिन्सन ने 3 रन बनाए।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से चैपमैन व रचिन रविंद्र बाहर





एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी मार्क चैपमैन और रचिन रविंद्र चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों से उबर रहे हैं, लेकिन चार नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होने वाली वनडे सीरीज तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चैपमैन को यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में खेलते समय बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हाल ही में कराई गई एमआरआई जांच के बाद उन्हें पूरी तरह फिट होने के लिए दो सप्ताह और पुनर्वास की जरूरत है। वहीं, रचिन रवींद्र एक प्रचार कार्यक्रम की शूटिंग के दौरान हुए हादसे में दाएं कंधे की हड्डी खिसकने के कारण चोटिल हो गए थे। उन्हें भी मैदान पर पूरी क्षमता से उतरने के लिए अभी और समय चाहिए।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि चैपमैन और रचिन टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। चैपमैन चोट से वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि रचिन का कंधा अभी सफेद गेंद के क्रिकेट में आराम से क्षेत्ररक्षण करने की स्थिति में नहीं पहुंचा है। इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी होनी है, इसलिए टीम उनके मामले में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहले ही सीरीज के अंतिम दो मुकाबलों के लिए चुना गया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट अंतिम दो मुकाबलों के लिए टीम से जुड़ेंगे।

स्पोर्ट्स विंडो

मैनपाट टाइटंस ने जीता छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का प्रथम खिताब

एजेंसी, रायपुर। मैनपाट टाइटंस ने छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब अपने नाम कर लिया है। रोमांचक फाइनल मुकाबले में मैनपाट टाइटंस ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 4-2 गोल से पराजित कर लीग की पहली चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में खेला गया। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (सीएचएल) के उद्घाटन संस्करण के फाइनल में आज मैनपाट टाइटंस ने संस्कारधानी टाइटंस को 4-2 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस लीग में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमों ने भाग लिया था। मैनपाट टाइटन्स ने मैच की तेज शुरुआत की और शुरुआती मिनटों में कुछ मूव बनाए। उन्होंने शुरुआत में ही सर्कल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया, जो किसी भी टीम के लिए हमेशा एक अच्छा संकेत होता है। लेकिन काउंटर पर शाहरुख ने एक मौका दिया, जहां उनके शॉट को डिफेंडर ने रोक दिया।

किमी एंटोनेली ने 20 साल की उम्र में एफवन चैंपियन बनकर रचा इतिहास

एजेंसी, मैक्सिको सिटी। इटली के किमी एंटोनेली मैक्सिको ग्रां प्री में भले ही तीसरे नंबर पर रहे लेकिन उन्होंने केवल 20 साल की उम्र में फॉर्मूला वन चैंपियनशिप जीतकर नया इतिहास रच दिया। मर्सिडीज का यह ड्राइवर मैक्सिको ग्रां प्री के विजेता मैक्स वर्स्टापेन और लुई हैमिल्टन के बाद तीसरे नंबर पर रहा लेकिन चैंपियनशिप अपने नाम पर करने के लिए यह पर्याप्त था। रेस समाप्त करने के बाद वह खुशी से झूम उठे। एंटोनेली ने कहा, ''अभी जो कुछ हुआ मैं उसको समझने की कोशिश कर रहा हूं। जब आप इतनी कड़ी मेहनत करते हैं और आखिरकार उसे हासिल कर लेते हैं, तो यह वाकई बहुत खास होता है।' एंटोनेली से पहले सबसे कम उम्र में चैंपियन बनने का रिकॉर्ड सेबेस्टियन वेटेल के नाम पर था जिन्होंने 2010 में 23 वर्ष की आयु में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली के साथ उनके माता-पिता और छोटी बहन भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा, 'भावनाओं का ज्वार उमड़ रहा है। अपने परिवार के साथ इस पल का साक्षी बनना ऐसा क्षण है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा।' चैंपियनशिप तालिका में एंटोनेली के कुल 380 अंक हो गए हैं और इस तरह से उन्होंने चार रेस शेष रहते हुए ही चैंपियनशिप अपने नाम पर कर ली है। लिका में वर्स्टापेन 261 अंक लेकर दूसरे और हैमिल्टन 259 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इन दोनों खिलाड़ियों में से कोई एक अगर बाकी चार रेस जीत भी लेता है तो वह एंटोनेली से आगे नहीं निकल पाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे और टी20 टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका

एजेंसी, सिडनी। इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी वनडे और टी20 टीमों की घोषणा कर दी है। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन, प्रतिभाशाली बल्लेबाज ओली पीक और ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स तथा लियाम स्कॉट को वनडे टीम में जगह दी गई है। वहीं, निकिल चौधरी और जोएल डेविस को टी20 टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज लचलान शॉ और सैम हार्पर को पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज 13 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। घरेलू मैदान पर होने वाली इस सीरीज में आठ नए खिलाड़ियों को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने का अवसर मिल सकता है। बियर्डमैन, पीक, एडवर्ड्स, चौधरी, स्कॉट और डेविस इस साल सर्दियों के दौरान पाकिस्तान, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरों पर सफेद गेंद के अंतरराष्ट्रीय मैचों में पदार्पण कर चुके हैं। हार्पर और शॉ अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेले हैं। मिचेल मार्श की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का मुख्य समूह बरकरार रखा गया है। हालांकि, तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को आराम दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद टीम को दिसंबर से लगातार 10 टेस्ट मैच खेलने हैं।

जम्मू कश्मीर ने बधिर राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट चैंपियनशिप जीती

एजेंसी, सूरत। जम्मू कश्मीर ने फाइनल में राजस्थान को हराकर बधिरों की आईडीसीए 10वीं टी20 राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीता। इस चैंपियनशिप में 14 राज्यों की टीमों ने भाग लिया था जो भारत में बधिर क्रिकेट के निरंतर विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) बधिर क्रिकेटरों के लिए खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों को अधिक मान्यता दिलाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। आईडीसीए का नए क्षेत्रों तक पहुंचने का लक्ष्य है जिससे कि बधिर क्रिकेट को पहचान मिल सके।

भारतीय टीम में किए बदलावों से न्यूजीलैंड को मिलेगा थोड़ा फायदा : चेतेश्वर पुजारा

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार से शुरू होने वाली वनडे शृंखला 2-2 से बराबरी पर समाप्त होगी, क्योंकि उन्हें लगता है कि हाल में किए गए कुछ बदलावों के कारण मेहमान टीम को थोड़ा नुकसान होगा। पुजारा को यह भी लगता है कि पांच मैचों की शृंखला का कम से कम एक मैच बारिश के कारण रद्द हो सकता है। भारत को आखिरी दो वनडे मैचों में नियमित कप्तान शुभमन गिल और उप कप्तान केएल राहुल के बिना खेलना होगा, क्योंकि वे 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट शृंखला की तैयारी शुरू करेंगे। वनडे शृंखला 15 नवंबर को समाप्त होगी। पुजारा ने 'जियोस्टार' से कहा, 'शृंखला का परिणाम 2-2 से बराबर रह सकता है। पहले तीन मैचों में एक ही भारतीय टीम खेल रही है लेकिन अंतिम दो वनडे में अलग टीम होगी। इसलिए मुझे लगता है कि इससे न्यूजीलैंड को थोड़ा फायदा होगा।' उन्होंने कहा, 'पहले तीन मैचों में मैं भारतीय टीम का पलड़ा भारी रह सकता है लेकिन आखिरी दो मैच थोड़े चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।



आर्सेनल की 14 साल बाद एनफील्ड में जीत

ब्राइटन ने मैनचेस्टर सिटी को उसी के घर में 1-0 स दी शिकस्त

एजेंसी, लंदन

इंग्लिश प्रीमियर लीग 2026-27 के नौवें सप्ताह में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां और दिलचस्प रिकॉर्ड देखने को मिले। आर्सेनल ने लिवरपूल को उसके घरेलू मैदान एनफील्ड में 1-0 से हराकर 2012 के बाद पहली जीत दर्ज की। ब्राइटन ने पहली बार मैनचेस्टर सिटी को उसके घर में शिकस्त दी। चेल्सी के कोल पामर ने भी प्रीमियर लीग में अपने 50 गोल पूरे किए। टोटेनहम ने क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 34 शॉट लगाकर अपना दबदबा दिखाया।

आर्सेनल ने लिवरपूल को 1-0 से हराकर एनफील्ड में 2012 के बाद पहली बार जीत हासिल की। इससे पहले आर्सेनल ने लिवरपूल के मैदान पर लगातार 16 मुकाबलों में जीत दर्ज नहीं की थी। नौ मैचों में 24 अंक हासिल करने वाली आर्सेनल इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रही है। प्रीमियर लीग के किसी भी क्लब ने 2022-23 के बाद शुरुआती नौ मुकाबलों में इतने अंक हासिल नहीं किए थे। उस सत्र में भी आर्सेनल ने ही यह उपलब्धि हासिल की थी। माइकल आर्टेटा के नेतृत्व में आर्सेनल ने उन लीग मुकाबलों में 81.1 प्रतिशत जीत दर्ज की है, जिनमें टीम ने पहले गोल किया।

वहीं, ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने एतिहाद स्टेडियम में मैनचेस्टर सिटी को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया।



चेक ओपन स्क्वैश के फाइनल में सेंथिलकुमार

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वेलवन सेंथिलकुमार ब्रनो में चल रहे 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए चेक ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर काबिज चौथी वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में विश्व रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे दुसॉर्ड को सीधे गेम में 11-7, 12-10, 11-1 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टरफाइनल में अर्जेंटीना के आठवीं वरीयता प्राप्त जेरेमियास अज़ाना को 11-3, 11-8, 11-7 से और दूसरे दौर में ब्राजील के डिएगो गोब्बी को 11-4, 11-7, 11-2 से हराया था। पिछले महीने जापान में एशियाई खेलों में मिश्रित टीम वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले सेंथिलकुमार खिताबी मुकाबले में यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज स्कॉटलैंड के ग्रेग लोब्बन से भिड़ेंगे।



भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में लगातार विस्तार

विदेशी ऑर्डर बढ़े, भारतीय उद्योगों की उत्पादन गतिविधियां तेज

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेशों से मिले नए ऑर्डर बढ़ने के कारण भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में अक्टूबर के दौरान भी तेजी बनी रही। हालांकि सितंबर की तुलना में विस्तार की रफ्तार में मामूली कमी दर्ज की गई है। उत्पादन, नए ऑर्डर और मुद्रास्फीति जैसे प्रमुख मानकों के आधार पर विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति का आकलन करने वाला एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर में घटकर 54.7 पर आ गया, जबकि सितंबर में यह 55.1 के स्तर पर था। इसके बावजूद सूचकांक लगातार विस्तार के दायरे में बना हुआ है। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना क्षेत्र में विस्तार और 50 से नीचे रहना संकुचन का संकेत माना जाता है।

अक्टूबर के दौरान भारतीय कंपनियों को विदेशों से मिलने वाले नए ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। निर्यात ऑर्डर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए, जिससे घरेलू विनिर्माण गतिविधियों को मजबूती मिली। विदेशी बाजारों से मांग बढ़ने का सकारात्मक असर उत्पादन पर भी दिखाई दिया। कंपनियों ने नए ऑर्डर को पूरा करने के लिए उत्पादन गतिविधियां बढ़ाईं।



निर्यात ऑर्डर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचे

पीएमआई घटकर 54.7 पर

- **एचएसबीसी** इंडिया विनिर्माण
- खरीद प्रबंधक सूचकांक
- (पीएमआई) अक्टूबर में घटकर
- 54.7 पर आ गया, जबकि सितंबर में यह 55.1 के स्तर पर था।

महंगाई का दबाव घटा

इसके साथ ही कच्चे माल का भंडार भी बढ़ाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियों के पास कच्चे माल का भंडार पिछले आठ महीनों की सबसे तेज गति से बढ़ा। यह संकेत देता है कि निर्माता आने वाले समय में उत्पादन और आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र के लिए राहत की बात यह रही कि लागत संबंधी दबाव में कमी आई है। अक्टूबर में कच्चे माल और अन्य उत्पादन लागतों से जुड़ी महंगाई फरवरी 2026 के बाद सबसे निचले स्तर पर रही। वहीं, कंपनियों की ओर से उत्पादों की कीमतों में की गई बढ़ोतरी की दर भी पिछले चार वर्षों में सबसे धीमी दर्ज की गई। इससे उद्योगों को लागत और बिक्री मूल्य के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिल सकती है। हालांकि, भविष्य में उत्पादन को लेकर कंपनियों का भरोसा अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई दिया। सर्वेक्षण में केवल 18 प्रतिशत कंपनियों ने अगले एक वर्ष के दौरान उत्पादन बढ़ने की उम्मीद जताई, जबकि 82 प्रतिशत कंपनियों ने गतिविधियों में स्थिरता बने रहने का अनुमान व्यक्त किया।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारी तेज

एजेंसी, इस्लामाबाद

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने ब्रुसेल्स में हुई उच्चस्तरीय बैठकों के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने की तैयारियों, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने और बाजार तक पहुंच बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। इस समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर होने हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान यूरोपीय आयोग के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय की महानिदेशक डिट्टे जुल जॉर्गनस, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी महानिदेशालय के कोएन डोएन्स और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय के गेरासिमोस थॉमस से मुलाकात की। बैठकों में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियों पर विचार-विमर्श हुआ।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने कारोबारियों को सहयोग देने, लेन-देन की लागत घटाने और वैध व्यापार की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कुशल, पारदर्शी और डिजिटल सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के महत्व पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को एफटीए वार्ता पूरी होने की घोषणा की थी। समझौते से चमड़ा, कपड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिलने की उम्मीद है।



हीरा उद्योग में पारदर्शिता और प्रमाणन पर मंथन

इस दौरान राजेश अग्रवाल ने हीरा उद्योग के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इनमें बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हीरा कारोबार से जुड़े हितधारक शामिल थे। बैठकों में वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला, प्रमाणन, हीरों की खरीद में पारदर्शिता और भारत के बढ़ते हीरा बाजार से जुड़े अवसरों पर चर्चा हुई। मंत्रालय ने बताया कि भारत और बेल्जियम ने रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में पहचाना है।

सेंसेक्स 850 अंक उछला, निफ्टी भी 250 अंक ऊपर, सेंसेक्स ने पकड़ी रफ्तार

एजेंसी, मुबंई

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 850 अंक उछलकर 75,300 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 250 अंक से अधिक की बढ़त के साथ 23,300 के पार कारोबार करता दिखाई दिया। बाजार में ऑटो, मेटल और बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी देखने को मिली। विदेशी और घरेलू निवेशकों की लिवाली के साथ दिग्गज कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को सहारा दिया। बाजार में तेजी की प्रमुख वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की खरीदारी रही। लंबे समय से बिकवाली कर रहे विदेशी निवेशकों ने पिछले सात कारोबारी दिनों में 7,767 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं।

ऑटो और बैंकिंग शेयरों में लिवाली से बाजार गुलजार

कच्चे तेल की नरमी से बाजार को मिली राहत

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी भारतीय बाजार को राहत दी। ब्रेंट क्रूड करीब तीन प्रतिशत गिरकर 110 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से कंपनियों की लागत और महंगाई के दबाव में कमी आने की उम्मीद रहती है। हालांकि, एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी बढ़त में रहा, जबकि जापान का निक्केई गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा। हांगकांग के हैंगसेंग में भी मामूली तेजी रही। इससे पहले 30 अक्टूबर को अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई थी। इसके बावजूद घरेलू बाजार में निवेशकों की खरीदारी से तेजी का माहौल बना रहा।

विस्तार 2028 से इंडिगो के बेड़े में शामिल होंगे ए350 विमान, उड़ानों में बढ़ेगी इंडिगो की पहुंच

हवाई शुल्क घटें तो बढ़ेगा विमानन क्षेत्र : वॉल्श

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्श ने कहा है कि भारत में हवाई अड्डों के शुल्क और विमानन क्षेत्र से जुड़े करों में कटौती करने से इस उद्योग के विस्तार को नई गति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन बाजार में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसके लिए सभी संबंधित पक्षों को अपनी लागत कम करने पर ध्यान देना होगा। एयरलाइंस कंपनियों को हवाई अड्डों से बेहतर सुविधाएं और कम कीमत पर सेवाएं मिलने की उम्मीद रहती है। ऐसे में हवाई अड्डों के संचालन और शुल्क निर्धारण की व्यवस्था को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने की आवश्यकता है।

नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में वॉल्श ने कहा कि भारत में विमानन क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों को अपनी लागत का आकलन करना चाहिए। उन्होंने हवाई अड्डों के प्रभावी रूप से एकाधिकार वाले स्वरूप पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इस क्षेत्र में कीमतों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। एयरपोर्ट शुल्क अधिक होने से एयरलाइंस की परिचालन लागत बढ़ती है, जिसका असर उनकी आर्थिक स्थिति और विस्तार योजनाओं पर पड़ता है।

लागत नियंत्रण और परिचालन दक्षता पर इंडिगो का जोर

अगस्त में इंडिगो के सीईओ का पदभार संभालने के बाद वॉल्श ने पहली बार प्रत्यक्ष रूप से अपनी योजनाओं और कंपनी की रणनीति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंडिगो को वर्ष 2028 की दूसरी तिमाही से चौड़े आकार वाले ए350 विमानों की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। इन विमानों के शामिल होने से कंपनी लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बाजार में अपनी स्थिति मजबूत कर सकेगी।



ए350 विमानों में मिलेंगी तीन श्रेणियां

वॉल्श के अनुसार, ए350 विमानों में यात्रियों के लिए तीन श्रेणियों वाली सीट व्यवस्था होगी। इनमें बिजनेस श्रेणी की 16 ऐसी सीटें होंगी, जिन्हें पूरी तरह बिस्तर में बदला जा सकेगा। इसके अलावा प्रीमियम इकोनॉमी और इकोनॉमी श्रेणी की सीटें भी उपलब्ध होंगी। इससे यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के दौरान अधिक आरामदायक अनुभव मिल सकेगा।